किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

दैनिक हिन्दी समाचार · समाज जागरण · RNI NO. UPHIN/2021/84200

वर्षः 4 अंकः 277 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) गुरुवार 16 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

भारत-ब्रिटेन सीईटीए और सामाजिक सुरक्षा समझौते पर मुहर, पीएम बोले– साझेदारी को मिलेगी नई दिशा

समाज जागरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच हुए व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते को दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि ये समझौते भारत और ब्रिटेन के आर्थिक संबंधों को नई मजबूती देंगे और साझा महत्वाकांक्षाओं को दोनों देशों के नागरिकों के लिए ठोस अवसरों में बदलेंगे।

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के एक लेख को साझा करते हुए कहा कि व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते से भारतीय किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बड़ा लाभ मिलेगा। इसके जरिए भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में बेहतर पहुंच प्राप्त होगी, जिससे व्यापार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

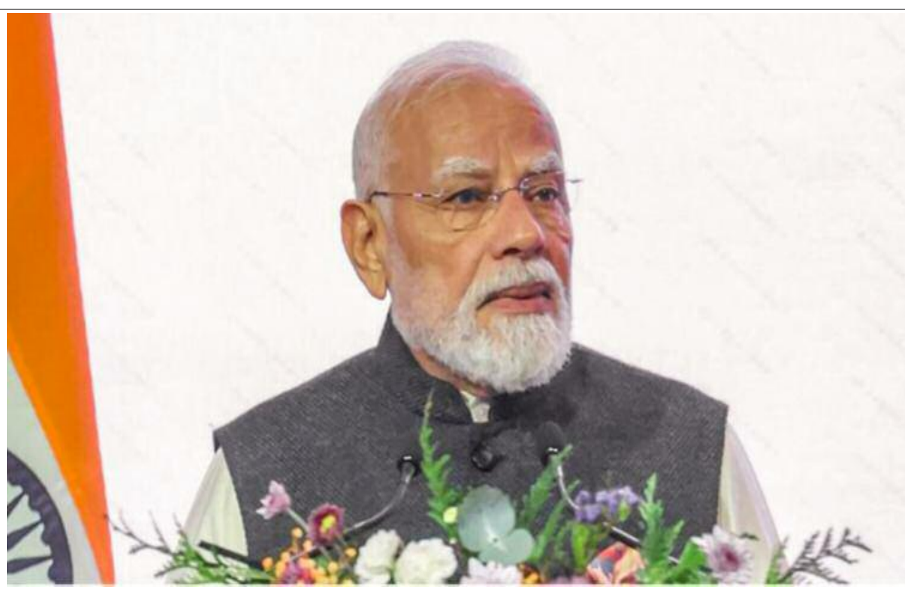

उन्होंने कहा कि यह समझौता प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार जैसे क्षेत्रों में भारत-ब्रिटेन सहयोग को नई गति देगा। साथ ही कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए नए अवसर सृजित होंगे, जिससे दोनों देशों के बीच ज्ञान और कौशल आधारित साझेदारी और मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री के अनुसार, सामाजिक सुरक्षा समझौता ब्रिटेन में अस्थायी रूप से कार्यरत भारतीय पेशेवरों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। इससे भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को नया आयाम मिलेगा।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह समझौता भारत और ब्रिटेन जैसे दो लोकतांत्रिक देशों के बीच बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर आधारित यह प्रगतिशील साझेदारी साझा समृद्धि और विकास के लक्ष्य को और मजबूत करेगी।

ईरान के चाबहार में हमलों का दावा अमेरिका-ईरान तनाव से बढ़ी खाड़ी में हलचल

होर्मुज जलडमरूमध्य बना नया तनाव केंद्र, ट्रंप ने तेहरान को दी कड़ी चेतावनी

समाज जागरण

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने खाड़ी क्षेत्र की स्थिति को और गंभीर बना दिया है। ईरान के चाबहार क्षेत्र में हमलों और अमेरिका की जवाबी कार्रवाई के दावों के बीच दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य अब इस संघर्ष का प्रमुख केंद्र बनता दिखाई दे रहा है।

रिपोर्टों के अनुसार, दोनों देशों के बीच जारी तनाव का असर वैश्विक तेल आपूर्ति पर भी पड़ रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में शामिल है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का परिवहन होता है। ऐसे में यहां किसी भी सैन्य गतिविधि का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ सकता है।

संकरी गलियां, पांच मंजिल इमारतें और सुरक्षा के नाम पर खतरा

नोएडा के मामूरा में आग के बाद खुली अव्यवस्थाओं की पोल, दमकल पहुंचना भी बड़ी चुनौती

समाज जागरण

नोएडा। नोएडा के मामूरा इलाके में पांच मंजिला इमारत में लगी आग ने एक बार फिर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के दौरान इमारत में रहने वाले लोगों की जान तो बच गई, लेकिन इस घटना ने उन इलाकों की हकीकत सामने ला दी है, जहां ऊंची इमारतें तो खड़ी हैं, मगर आपात स्थिति से निपटने के इंतजाम बेहद कमजोर हैं।

डिजिटल की रिपोर्ट के अनुसार, जिस स्थान पर आग लगी, वहां की संकरी गलियां राहत और बचाव कार्य के लिए बड़ी चुनौती बन सकती हैं। मामूरा की गलियों में अंदर जाने के साथ रास्ते और भी संकरे होते जाते हैं। कई जगह दुकानदारों ने सड़क तक अतिक्रमण कर रखा है, जिससे दमकल की बड़ी गाड़ियों का पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज पर हमले के बाद लापता पुणे के मरीन इंजीनियर की मौत

हेरंब करमरकर के निधन की परिवार ने की पुष्टि, पार्थिव शरीर भारत लाने की मांग

नई दिल्ली/पुणे। ओमान के तट के निकट होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारी जहाज 'जीएफएस गैलेक्सी' पर हुए हमले के बाद लापता हुए पुणे के 30 वर्षीय मरीन इंजीनियर हेरंब करमरकर का निधन हो गया है। बुधवार को उनके परिजनों ने इसकी पुष्टि की। परिवार ने भारत सरकार से पार्थिव शरीर जल्द स्वदेश लाने की अपील की है।

"होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों अहम?"

दुनिया के 20% समुद्री तेल व्यापार का मार्ग।

पश्चिम एशिया का सबसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्र।

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की प्रमुख लाइफलाइन।

हेरंब के ससुर विवेक टंडन ने कहा, "हमारा 30 साल का बच्चा था। हमारी सरकार से बस यही प्रार्थना है कि उसके पार्थिव शरीर को सुरक्षित भारत लाया जाए और उसे अंतिम विदाई देने का अवसर मिले।"

रविवार को ओमान के तट के पास भारतीय नागरिकों को ले जा रहे कमर्शियल जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर हमला हुआ था। विदेश मंत्रालय के अनुसार जहाज पर सवार 10 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि एक भारतीय के लापता होने की सूचना

थी। बाद में हेरंब करमरकर के निधन की पुष्टि हुई।

विदेश मंत्रालय ने घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि ओमान स्थित भारतीय दूतावास हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और ओमानी अधिकारियों के साथ मिलकर आवश्यक कार्रवाई कर रहा है। दूतावास जहाज प्रबंधन और संबंधित पक्षों के संपर्क में भी है।

इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया कि साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने हमला किया, जिसमें एक क्रू सदस्य लापता हो गया। घटना के बाद अमेरिका ने ईरान की आलोचना करते हुए क्षेत्र में व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में बढ़ता तनाव अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय बना हुआ है।

"विदेश मंत्रालय और ओमान स्थित भारतीय दूतावास लगातार संपर्क में।"

लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक, लेकिन प्रतिबद्धता जनता और संविधान के प्रति होनी चाहिए : उपराष्ट्रपति

◆ राजस्थान विधानसभा के 75वें स्थापना वर्ष समारोह में बोले सी.पी. राधाकृष्णन

◆जनसेवा, मर्यादित बहस और लोकतांत्रिक मूल्यों को बताया लोकतंत्र की असली ताकत

जयपुर। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि लोकतंत्र में मतभेद और असहमति स्वाभाविक हैं, लेकिन सभी जनप्रतिनिधियों की सर्वोच्च प्रतिबद्धता जनता और संविधान के प्रति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतना महत्वपूर्ण है, लेकिन जनता की ईमानदारी से सेवा करना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

राजस्थान विधानसभा के 75वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित 'विधायी गौरव यात्रा : पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों के कॉन्क्लेव' के समापन सत्र में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी सशक्त होता है, जब विचार-विमर्श गरिमा के साथ हो और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखा जाए।

मुख्य बातें

जनता और संविधान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत।

मतभेद स्वाभाविक, लेकिन बहस का उद्देश्य समाधान होना चाहिए।

राज्य विधानसभाएं लोकतंत्र की जीवंत धड़कन हैं।

ईमानदार जनसेवा से ही मिलता है स्थायी सम्मान।

महाराणा प्रताप और चेतक का उदाहरण देकर समर्पण और निष्ठा का संदेश।

पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधियों को लोकतांत्रिक योगदान के लिए किया गया सम्मान।

बहस का उद्देश्य समाधान होना चाहिए

उपराष्ट्रपति ने कहा कि बहस, चर्चा और असहमति लोकतंत्र की पहचान हैं, लेकिन इनका उद्देश्य अंततः सार्थक निर्णय तक पहुंचना होना चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से संसदीय समितियों में सक्रिय भागीदारी और रचनात्मक संवाद के जरिए लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभाएं भारतीय लोकतंत्र की जीवंत धड़कन हैं। संसद जहां पूरे देश की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं विधानसभाएं गांव, कस्बों और आम नागरिकों की उम्मीदों और समस्याओं को आवाज देती हैं।

राजस्थान की लोकतांत्रिक परंपरा की सराहना

उपराष्ट्रपति ने राजस्थान की शौर्य, बलिदान और देशभक्ति की परंपरा को नमन करते हुए कहा कि पूर्व और वर्तमान विधायकों को एक मंच पर लाने जैसी पहल लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्मृति और अनुभवों को संरक्षित करती है तथा नई पीढ़ी को सीखने का अवसर देती है।

जनसेवा से मिलता है स्थायी सम्मान

सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि जनता का स्थायी सम्मान केवल ईमानदार जनसेवा से मिलता है। तिरुक्कुरल और श्रीमद्भगवद्गीता का उल्लेख करते हुए उन्होंने जनप्रतिनिधियों से विनम्रता, सहानुभूति और निस्वार्थ भाव से अपने दायित्व निभाने की अपील की। महाराणा प्रताप और उनके विश्वस्त अश्व चेतक का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास केवल महान नेताओं को ही नहीं, बल्कि निष्ठा और समर्पण का परिचय देने वालों को भी याद रखता है।

सुप्रीम कोर्ट में हंगामा करने वाला लॉ छात्र प्रबल प्रताप गिरफ्तार

कोर्ट ने अवमानना की कार्रवाई नहीं की, लेकिन सुरक्षा कर्मियों की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

समाज जागरण

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के दौरान कथित तौर पर हंगामा करने, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने और सुरक्षा कर्मियों से धक्का-मुक्की करने के आरोप में लखनऊ विश्वविद्यालय के कानून के छात्र प्रबल प्रताप सिंह को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ एक अन्य छात्र चंदर भान को भी गिरफ्तार किया गया है।

यह मामला इसलिए चर्चा में है क्योंकि घटना वाले दिन जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि वह प्रबल प्रताप के खिलाफ अवमानना अथवा अन्य आपराधिक कार्रवाई शुरू नहीं करना चाहती। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट के सुरक्षा कर्मियों की शिकायत पर तिलक मार्ग थाने में एफआईआर दर्ज की गई, जिसके आधार पर दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई की।

घटना 10 जुलाई को कोर्ट नंबर-13 में हुई, जहां प्रबल प्रताप अपनी याचिका पर स्वयं पक्ष रख रहा था। सुनवाई के दौरान उसने

कथित तौर पर न्यायाधीशों को "आदेश" देने की कोशिश की, अदालत में केस से जुड़े दस्तावेज हवा में उछाल दिए और सीजेआई के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उसे कोर्ट कक्ष से बाहर निकाल दिया।

पुलिस के अनुसार, जब सुरक्षा कर्मियों ने अदालत की व्यवस्था बनाए रखने के लिए हस्तक्षेप किया तो प्रबल प्रताप ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई। इसी आधार पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना पूर्व नियोजित थी या नहीं।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अवमानना की कार्यवाही शुरू नहीं की, लेकिन सुरक्षा कर्मियों की शिकायत पर दर्ज आपराधिक मामले में पुलिस की कार्रवाई अलग कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई है।

ब्रह्मपुत्र पर चीन का मेगा बांध बना नई चिंता, चीनी वैज्ञानिकों ने भी जताया भूकंपीय खतरा

एक्टिव फॉल्ट लाइन पर निर्माण का दावा, भारत में जल सुरक्षा और पर्यावरणीय असर को लेकर बढ़ी चिंता

समाज जागरण

नई दिल्ली/बीजिंग। तिब्बत में ब्रह्मपुत्र (यारलुंग त्सांगपो) नदी पर चीन द्वारा बनाए जा रहे दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत परियोजना को लेकर नई चिंताएं सामने आई हैं। चीनी सरकारी संस्थानों से जुड़े भूवैज्ञानिकों के एक शोध में दावा किया गया है कि प्रस्तावित बांध एक सक्रिय फॉल्ट लाइन के ऊपर स्थित है, जिससे भूकंप की स्थिति में परियोजना की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन के शोध जर्नल 'सेडिमेंट्री जियोलॉजी एंड टेथियन जियोलॉजी' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि परियोजना स्थल के नीचे 'पैझेन फॉल्ट' नामक सक्रिय भूगर्भीय दरार मौजूद है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र की चट्टानें भूगर्भीय गतिविधियों के कारण कमजोर हो चुकी हैं और भविष्य में बड़े भूकंप या भूस्खलन की स्थिति में बांध, सुरंगों और अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंच सकता है।

शोध में 2017 में तिब्बत के न्यिंगची क्षेत्र में आए 6.9 तीव्रता के भूकंप का भी उल्लेख करते हुए संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा उपाय अपनाने की आवश्यकता बताई गई है।

भारत की चिंता बरकरार

भारत लंबे समय से इस परियोजना को लेकर चिंता जताता रहा है। आशंका है कि ब्रह्मपुत्र के ऊपरी हिस्से में बनने वाला विशाल बांध भविष्य में नदी के जल प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बड़े पैमाने पर जल का भंडारण या अचानक पानी छोड़ा गया तो इसका असर अरुणाचल प्रदेश और असम जैसे निचले क्षेत्रों पर पड़ सकता है।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू भी पहले इस परियोजना को राज्य की जल सुरक्षा और स्थानीय समुदायों के लिए गंभीर चुनौती बता चुके हैं। उनका कहना था कि यह मुद्दा केवल सीमा विवाद तक सीमित नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर भारत की आजीविका और पर्यावरण से भी जुड़ा है।

चीन का क्या है रुख?

चीन का कहना है कि यह परियोजना पूरी तरह जलविद्युत उत्पादन के लिए बनाई जा रही है और इससे निचले इलाकों में पानी के प्रवाह पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, भारत लगातार इस परियोजना के संभावित पर्यावरणीय और रणनीतिक प्रभावों पर चिंता जताता रहा है।

काशी को मिलेगी 43 किमी की रफ्तार

वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी, 10,998 करोड़ से बदलेगी वाराणसी की यातायात तस्वीर

वाराणसी। काशी की यातायात व्यवस्था को नई गति देने वाली बहुप्रतीक्षित वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी मिल गई है। करीब 10,998.32 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह कॉरिडोर 43.218 किलोमीटर लंबा होगा।

परियोजना के पूरा होने के बाद वाराणसी के सबसे व्यस्त इलाकों में यातायात दबाव कम होगा और शहर को एक नई शहरी परिवहन व्यवस्था मिलेगी।

एयरपोर्ट पहुंचना होगा आसान

नए कॉरिडोर से वाराणसी जंक्शन से लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचने का समय करीब 60 मिनट से घटकर 20 मिनट रह जाएगा। इससे यात्रियों, कारोबारियों और पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी।

शहर के प्रमुख इलाकों को जोड़ेगा

एलिवेटेड कॉरिडोर छावनी, वाराणसी जंक्शन, फुलवरिया और चौकाघाट जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। इससे नीचे की सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होगा और जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

पुलिस नहीं सरकारी वकीलों की कमी से न्याय व्यवस्था लड़खड़ा रही

देश में जब भी कोई बड़ा अपराध होता है, सबसे पहले सवाल पुलिस पर उठते हैं। टीवी बहसों से लेकर सोशल मीडिया तक चर्चा इस बात पर होती है कि पुलिस समय पर क्यों नहीं पहुंची, जांच में देरी क्यों हुई, सबूत कैसे छूट गए और आरोपी कब गिरफ्तार होगा। लेकिन जैसे-जैसे मामला अदालत तक पहुंचता है, लोगों की दिलचस्पी कम होने लगती है। यहीं से भारतीय आपराधिक न्याय व्यवस्था का वह हिस्सा शुरू होता है, जिस पर सबसे कम चर्चा होती है, जबकि किसी भी मामले का अंतिम परिणाम उसी पर निर्भर करता है। यह हिस्सा है सरकारी अभियोजन व्यवस्था, यानी सरकारी वकीलों की पूरी प्रणाली। हाल के वर्षों में सामने आए कई चर्चित आपराधिक मामलों ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि क्या केवल पुलिस पर दोष मढ़ देना न्याय व्यवस्था की असली तस्वीर दिखाता है। किसी भी आपराधिक मुकदमे में पुलिस का काम जांच करना, सबूत जुटाना, गवाहों के बयान दर्ज करना और आरोप पत्र दाखिल करना होता है। इसके बाद पूरा मामला सरकारी वकील और अदालत के हाथ में चला जाता है। अगर मुकदमे की पैरवी कमजोर रही, गवाह समय पर पेश नहीं हुए, इलेक्ट्रॉनिक और फॉरेंसिक सबूतों को सही तरीके से अदालत में नहीं रखा गया या कानूनी दलीलों का प्रभावी जवाब नहीं दिया गया, तो मजबूत जांच भी अदालत में टिक नहीं पाती।

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो की रिपोर्ट बताती है कि देश में राज्यों के पुलिस बल के लिए 26.23 लाख पद स्वीकृत हैं, लेकिन वास्तविक तैनाती करीब 20.91 लाख कर्मियों की ही है। यानी 5.31 लाख से अधिक पद खाली पड़े हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि स्वीकृत हर पांच में से लगभग एक पद रिक्त है। संयुक्त राष्ट्र के मानकों के अनुसार प्रति एक लाख आबादी पर 222 पुलिसकर्मी होने चाहिए, जबकि भारत में यह संख्या करीब 153 है। राजधानी दिल्ली जैसे अपेक्षाकृत बेहतर संसाधनों वाले क्षेत्र में भी स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं है। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2025 तक दिल्ली पुलिस में 83 हजार से अधिक स्वीकृत पदों के मुकाबले नौ हजार से ज्यादा पद खाली थे। यह आंकड़े बताते हैं कि पुलिस बल पर दबाव वास्तविक है, लेकिन समस्या यहीं खत्म नहीं होती। असल संकट अदालत के दरवाजे पर शुरू होता है। देशभर की जिला अदालतों में मुकदमों का जो बोझ है, वह लगातार बढ़ता जा रहा है। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के अनुसार जिला और अधीनस्थ अदालतों में कुल लंबित मामलों की संख्या पांच करोड़ से अधिक है। इनमें केवल आपराधिक मामलों की संख्या ही 3.8 करोड़ से ज्यादा है। हर महीने लाखों नए मुकदमे दर्ज होते हैं और लाखों मामलों का निपटारा भी होता है, लेकिन नई फाइलों की रफ्तार इतनी तेज है कि लंबित मामलों का पहाड़ लगातार खड़ा रहता है। इसका सबसे बड़ा असर पीड़ितों, गवाहों और आरोपियों तीनों पर पड़ता है।

समस्या सिर्फ अदालतों में लंबित मामलों की नहीं, बल्कि उन्हें लड़ने वाले सरकारी वकीलों की भी है। कई जिलों में एक सरकारी वकील को एक साथ कई अदालतों की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। उत्तर भारत के कई न्यायिक जिलों में ऐसी स्थिति सामने आई है जहां सीमित संख्या में अभियोजकों को रोज सैकड़ों मामलों की पैरवी करनी पड़ रही है। नोएडा-एनसीआर जैसे तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों में प्रतिदिन सैकड़ों नए आपराधिक मुकदमे अदालतों तक पहुंचते हैं, जबकि उपलब्ध सरकारी वकीलों की संख्या बेहद सीमित है। परिणाम यह होता है कि हर तारीख पर मुकदमे की तैयारी प्रभावित होती है, गवाहों से प्रभावी जिरह नहीं हो पाती, केस डायरी का गहराई से अध्ययन नहीं हो पाता और सुनवाई टलती चली जाती है।हरियाणा के पंचकूला जिला न्यायालयों में भी अभियोजन विभाग में अधिकारियों की कमी को लेकर लगातार चिंता जताई गई है। वहां डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी और असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के पर्याप्त पद नहीं होने के कारण जूनियर अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की अदालतों में भी मुकदमे संभालने पड़ रहे हैं। इससे मुकदमों की गुणवत्ता प्रभावित होने की शिकायतें सामने आई हैं। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जब एक अभियोजक को एक ही दिन में कई अदालतों में उपस्थित होना पड़े तो किसी भी मुकदमे की गहराई से तैयारी कर पाना लगभग असंभव हो जाता है।

यौन अपराधों से जुड़े मामलों की स्थिति भी चिंता बढ़ाती है। दिल्ली में पॉक्सो कानून के तहत दर्ज मामलों में पिछले वर्षों के दौरान निपटारे की गति बढ़ी जरूर है, लेकिन हजारों मामले अब भी लंबित हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे मुकदमों की है जो छह से दस वर्षों से फैसले का इंतजार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि विशेष अदालतों, प्रशिक्षित अभियोजकों और आधुनिक डिजिटल ढांचे की कमी इस देरी का बड़ा कारण है। बच्चों और महिलाओं से जुड़े मामलों में देरी केवल कानूनी समस्या नहीं होती, बल्कि इसका सीधा असर पीड़ितों के मानसिक स्वास्थ्य और न्याय पर भरोसे पर भी पड़ता है। भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होने के बाद अभियोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। नए कानूनों में डिजिटल सबूत, फॉरेंसिक जांच, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और समयबद्ध प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया गया है। अब केवल चार्जशीट दाखिल कर देना पर्याप्त नहीं होगा। अदालत में डिजिटल साक्ष्यों की वैधानिक स्वीकार्यता सुनिश्चित करना, फॉरेंसिक रिपोर्ट की वैज्ञानिक व्याख्या करना और तकनीकी पहलुओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना भी उतना ही जरूरी हो गया है। इसके लिए ऐसे सरकारी वकीलों की आवश्यकता है जिन्हें साइबर अपराध, आर्थिक अपराध, डिजिटल फॉरेंसिक और आधुनिक साक्ष्य कानूनों की विशेष जानकारी हो।

विडंबना यह है कि राज्यों में पुलिस भर्ती की घोषणाएं अक्सर सुर्खियां बनती हैं, लेकिन अभियोजन विभाग में वर्षों से खाली पड़े पद शायद ही कभी सार्वजनिक बहस का विषय बनते हैं। जबकि दोषसिद्धि की दर बढ़ाने में पुलिस और अभियोजन दोनों की समान भूमिका होती है। अगर जांच एजेंसी मजबूत सबूत जुटा भी ले, लेकिन अदालत में उनका प्रभावी उपयोग न हो सके तो पूरा मामला कमजोर पड़ जाता है। यही कारण है कि कई बार लोग केवल पुलिस जांच को दोष देते हैं, जबकि वास्तविक समस्या अदालत में मुकदमे की पैरवी के स्तर पर होती है।विशेषज्ञों का मानना है कि सबसे पहले राज्यों को अभियोजन विभाग के लिए वैज्ञानिक मानव संसाधन नीति तैयार करनी होगी। सरकारी वकीलों की संख्या दशकों पुराने प्रशासनिक ढांचे के आधार पर तय करने के बजाय प्रत्येक जिले में दर्ज होने वाले मामलों, अदालतों की संख्या और अपराध के प्रकार के आधार पर निर्धारित की जानी चाहिए। जिन जिलों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नए मुकदमे आते हैं, वहां उसी अनुपात में अभियोजकों की नियुक्ति अनिवार्य होनी चाहिए।

इसके साथ अभियोजन सेवा को एक पेशेवर और विशेषज्ञ कैडर के रूप में विकसित करना भी जरूरी है। नियमित प्रशिक्षण, आधुनिक फॉरेंसिक तकनीकों की जानकारी, साइबर अपराध की समझ और पीड़ित-केंद्रित न्याय प्रणाली पर विशेष पाठ्यक्रम अभियोजकों की क्षमता बढ़ा सकते हैं। गंभीर अपराधों में पुलिस और सरकारी वकीलों के बीच शुरूआती स्तर से समन्वय भी आवश्यक है। कई विकसित देशों में अभियोजक जांच के शुरूआती चरण से ही पुलिस के साथ काम करते हैं ताकि बाद में अदालत में तकनीकी खामियों के कारण मामला कमजोर न पड़े।महिलाओं के खिलाफ अपराध, संगठित अपराध, साइबर अपराध और बच्चों से जुड़े मामलों के लिए अलग अभियोजन इकाइयां बनाने की जरूरत भी लंबे समय से महसूस की जा रही है। कुछ राज्यों ने विशेष अदालतों और फास्ट ट्रैक अदालतों की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, लेकिन जब तक उनके साथ पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित सरकारी वकील नहीं होंगे, तब तक अपेक्षित परिणाम मिलना कठिन रहेगा। इसी तरह डिजिटल केस मैनेजमेंट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित दस्तावेज प्रबंधन, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की डिजिटल प्रस्तुति और गवाहों के लिए स्मार्ट शेड्यूलिंग सिस्टम जैसी तकनीकों का व्यापक उपयोग मुकदमों की गति बढ़ा सकता है। भारतीय न्याय व्यवस्था का संकट केवल पुलिस बल की कमी नहीं है। यह पुलिस, फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं, सरकारी वकीलों और अदालतों की संयुक्त क्षमता का सवाल है। यदि इस पूरी श्रृंखला की एक भी कड़ी कमजोर होगी तो न्याय मिलने में वर्षों लगेंगे। पांच लाख से अधिक खाली पुलिस पद भरना निश्चित रूप से जरूरी है, लेकिन उतना ही आवश्यक अभियोजन व्यवस्था को मजबूत करना भी है। आखिर किसी भी आपराधिक मुकदमे का असली अंत गिरफ्तारी से नहीं, बल्कि अदालत के अंतिम फैसले से होता है। जब तक अदालत तक पहुंचने वाली इस सबसे महत्वपूर्ण कड़ी को पर्याप्त संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल और आधुनिक व्यवस्था नहीं मिलेगी, तब तक न्याय की रफ्तार सुर्खियों से कहीं पीछे ही चलती रहेगी।

संजय सक्सेना,लखनऊ

शाह-योगी की दिल्ली बैठक से बदल गई यूपी चुनाव की सियासी बिसात

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ मुलाकातें ऐसी होती हैं जिनका आधिकारिक एजेंडा भले सार्वजनिक न किया जाए, लेकिन उनके राजनीतिक संदेश लंबे समय तक महसूस किए जाते हैं। मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच करीब 40 मिनट चली बैठक भी ऐसी ही एक मुलाकात मानी जा रही है। मुख्यमंत्री ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया और सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं, लेकिन जिस समय यह बैठक हुई और उसके पहले तथा बाद की राजनीतिक गतिविधियों पर नजर डालें तो तस्वीर कहीं ज्यादा बड़ी दिखाई देती है। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा विवाद, सुप्रीम कोर्ट की ओर से ट्रस्ट और सरकार को नोटिस, भाजपा के संगठनात्मक फेरबदल, 2027 विधानसभा चुनाव की शुरूआती तैयारी और विपक्ष के बदलते सामाजिक समीकरण इन सभी घटनाओं के बीच हुई यह बैठक राजनीतिक गलियारों में कई सवाल छोड़ गई है। भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की धुरी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने देशभर में 240 सीटें जीतीं, लेकिन उत्तर प्रदेश में पार्टी का आंकड़ा 62 से घटकर 33 पर आ गया। सहयोगियों के साथ एनडीए की संख्या 36 रही, जबकि समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनने का रिकॉर्ड बनाया और कांग्रेस ने भी छह सीटें अपने खाते में जोड़ लीं। सबसे बड़ा राजनीतिक झटका अयोध्या वाली फैजाबाद लोकसभा सीट पर लगा, जहां राम मंदिर निर्माण के बावजूद भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद से पार्टी लगातार उन कारणों की समीक्षा कर रही है जिनकी वजह से अपेक्षित राजनीतिक लाभ नहीं मिल सका।

इसी पृष्ठभूमि में भाजपा का पूरा फोकस अब 2027 विधानसभा चुनाव पर है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए 202 सीटों का बहुमत चाहिए। 2022 में भाजपा गठबंधन ने 273 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, जबकि समाजवादी पार्टी गठबंधन 125 सीटों तक पहुंचा था। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राजनीतिक समीकरण बदलते दिखे हैं। भाजपा यह मानकर चल रही है कि विधानसभा चुनाव लोकसभा से अलग होते हैं, फिर भी पार्टी किसी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं है। दिल्ली में शाह और योगी की मुलाकात को इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बैठक में सिर्फ कानून-व्यवस्था या विकास परियोजनाओं की समीक्षा नहीं हुई होगी, बल्कि संगठन, सामाजिक समीकरण, विपक्ष की रणनीति और चुनावी नैरेटिव पर भी विस्तार से चर्चा हुई होगी। खासतौर पर ऐसे समय में जब विपक्ष लगातार अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गड़बड़ी के मुद्दे को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नोटिस जारी होने के बाद भाजपा भी अतिरिक्त सतर्क नजर आ रही है क्योंकि पार्टी नहीं चाहती कि विपक्ष धार्मिक आस्था से जुड़े इस विषय को उसके खिलाफ राजनीतिक अभियान में बदल दे।

दिलचस्प बात यह है कि शाह-योगी मुलाकात से कुछ दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का उत्तर प्रदेश दौरा भी इसी रणनीतिक कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्रियों, प्रदेश संगठन, सांसदों, विधायकों और जिला स्तर तक के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में सबसे अधिक जोर संगठनात्मक अनुशासन, बूथ प्रबंधन और लोकसभा चुनाव में सामने आई कमजोरियों को दूर करने पर दिया गया। पार्टी नेतृत्व ने साफ संदेश दिया कि व्यक्तिगत बयानबाजी या गुटबाजी से बचते हुए सभी नेताओं को एक ही राजनीतिक लाइन पर काम करना होगा। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब सामाजिक समीकरणों की है। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक फामूर्ले के सहारे उल्लेखनीय सफलता हासिल की। अब अखिलेश यादव इस दायरे को और बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। लखनऊ समेत कई जिलों में ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि समाजवादी पार्टी गैर-यादव पिछड़ों के साथ ब्राह्मण मतदाताओं के एक हिस्से को भी जोड़ने में सफल होती है तो मुकाबला और कठिन हो सकता है।

इसी वजह से भाजपा भी समानांतर सामाजिक रणनीति पर काम कर रही है। गैर-यादव ओबीसी, गैर-जाटव दलित, महिला मतदाता, लाभार्थी वर्ग और युवा वोटरों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुफ्त राशन और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के करोड़ों लाभार्थियों को भाजपा अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत मानती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की संख्या भी दो करोड़ से अधिक बताई जाती है। पार्टी का मानना है कि इन्हीं लाभार्थियों के बीच दोबारा मजबूत पकड़ बनाना चुनावी जीत की कुंजी होगी। दूसरी ओर विपक्ष पूरी ताकत से भाजपा के खिलाफ नया नैरेटिव तैयार करने में जुटा है। अयोध्या चढ़ावा विवाद, महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक और स्थानीय असंतोष जैसे मुद्दों को लगातार उठाया जा रहा है। हाल के दिनों में लखनऊ, मथुरा और अन्य शहरों में लगे राजनीतिक पोस्टरों ने भी माहौल को और गर्म कर दिया है। एक ओर भाजपा समर्थक खेमे की तरफ से समाजवादी पार्टी पर तीखे राजनीतिक हमले किए जा रहे हैं तो दूसरी ओर सपा इसे असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बता रही है। यानी 2027 की लड़ाई सिर्फ विकास बनाम विकास नहीं होगी बल्कि नैरेटिव, प्रतीक और भावनात्मक मुद्दों की भी होगी।

इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार विकास परियोजनाओं की गति तेज करने में जुटे हैं। पूर्वांचल, बुंदेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, डिफेंस कॉरिडोर, एयरपोर्ट, मेट्रो और औद्योगिक निवेश परियोजनाओं पर तेजी से काम कराया जा रहा है। फरवरी 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में लगभग 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिलने का दावा किया गया था। सरकार का कहना है कि इनमें से बड़ी संख्या में परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। चुनाव से पहले इन परियोजनाओं का असर दिखाना भाजपा की प्राथमिकता होगी। राजनीतिक संकेत इस बात की ओर भी इशारा कर रहे हैं कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल पर विशेष जोर दिया जाएगा। लोकसभा चुनाव के दौरान कई सीटों पर स्थानीय स्तर पर संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय की कमी की चर्चा हुई थी। अब भाजपा इस गलती को दोहराना नहीं चाहती। बूथ समितियों के पुनर्गठन से लेकर शक्ति केंद्रों को सक्रिय करने तक व्यापक अभियान की तैयारी चल रही है। पार्टी का लक्ष्य 2027 से पहले हर बूथ पर सक्रिय संगठन खड़ा करना है। दिल्ली में हुई शाह-योगी मुलाकात का सबसे बड़ा संदेश यही माना जा रहा है कि भाजपा उत्तर प्रदेश में चुनावी तैयारी को लेकर अब प्रतीक्षा की स्थिति में नहीं है। विपक्ष जहां अपने सामाजिक समीकरणों को विस्तार देने में जुटा है, वहीं भाजपा संगठन, सरकार, विकास और वैचारिक मुद्दों को एक साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम कर रही है। आने वाले महीनों में अयोध्या, कानून-व्यवस्था, विकास परियोजनाएं, सामाजिक समीकरण और लाभार्थी राजनीति ये पांच बड़े मुद्दे उत्तर प्रदेश की चुनावी बहस की धुरी बन सकते हैं। फिलहाल इतना तय है कि दिल्ली में हुई यह 40 मिनट की बैठक सिर्फ एक औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि 2027 की सबसे लंबी राजनीतिक लड़ाई की शुरूआती पटकथा के रूप में देखी जा रही है।

अजय कुमार

क्या भारत विरोध ने पाकिस्तान को आर्थिक संकट में धकेला ?

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह का हालिया बयान दक्षिण एशिया की राजनीति में व्यापक चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि यदि पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अंधे विरोध की नीति न अपनाता और भारत के साथ हाथ मिलाकर आगे बढ़ता, तो आज पाकिस्तान को कर्ज के लिए दर दर नहीं भटकना पड़ता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत से मैत्रीपूर्ण संबंध होते तो पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता का वातावरण बनता। किसी वरिष्ठ पाकिस्तानी नेता की ओर से इस प्रकार का आत्मविश्लेषण असामान्य माना जा रहा है क्योंकि दशकों से पाकिस्तान की राजनीतिक और सामरिक सोच का बड़ा हिस्सा भारत विरोध पर आधारित रहा है।

राणा सनाउल्लाह ने अपने बयान में वर्ष 2015 का उल्लेख किया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अचानक लाहौर पहुंचे थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मुलाकात की थी। उस समय इसे दोनों देशों के संबंधों में नई शुरूआत की संभावना के रूप में देखा गया था। लेकिन इसके कुछ ही दिनों बाद पठानकोट आतंकी हमला हुआ और उसके बाद दोनों देशों के संबंध फिर से तनावपूर्ण हो गए। राणा सनाउल्लाह का कहना है कि पाकिस्तान उस अवसर का लाभ उठाने में विफल रहा और इसके लिए स्वयं पाकिस्तान की राजनीतिक सोच तथा भारत विरोधी दृष्टिकोण जिम्मेदार रहा।

भारत और पाकिस्तान के संबंधों का इतिहास विभाजन के समय से ही जटिल रहा है। दोनों देशों ने अनेक युद्ध देखे, सीमा पर लगातार तनाव बना रहा और आतंकवाद के मुद्दे ने विश्वास की कमी को और गहरा किया। कश्मीर विवाद ने भी संबंधों को सामान्य होने नहीं दिया। समय समय पर शांति वाताएं हुईं, व्यापार बढ़ाने के प्रयास किए गए और सांस्कृतिक आदान प्रदान की पहल भी हुई, लेकिन हर बार कोई न कोई घटना संबंधों को पीछे धकेल देती रही। इस पृष्ठभूमि में किसी पाकिस्तानी वरिष्ठ नेता द्वारा यह स्वीकार करना कि अवसर गंवाया गया, अपने आप में महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत माना जा रहा है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पिछले कई वर्षों से गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी, बढ़ता राजकोषीय घाटा, महंगाई, ऊर्जा संकट और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से बार बार सहायता लेने की मजबूरी ने उसकी आर्थिक स्थिति को कमजोर किया है। अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से यह तर्क देते रहे हैं कि यदि दक्षिण एशिया में आर्थिक सहयोग बढ़े और भारत तथा पाकिस्तान के बीच व्यापार सामान्य हो, तो दोनों देशों को लाभ मिल सकता है। भारत विशाल बाजार है और पाकिस्तान की कई वस्तुओं के लिए निकटतम व्यापारिक साझेदार भी हो सकता है। इसी संदर्भ में राणा सनाउल्लाह का बयान आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत ने पिछले एक दशक में अपनी अर्थव्यवस्था, आधारभूत संरचना, डिजिटल भुगतान प्रणाली, विनिर्माण और वैश्विक कूटनीति में उल्लेखनीय विस्तार किया है। दूसरी ओर पाकिस्तान आर्थिक संकटों, राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से जूझता रहा है। यदि दोनों देशों के बीच सामान्य व्यापारिक संबंध होते तो सीमा पार व्यापार, परिवहन, ऊर्जा सहयोग और निवेश के नए अवसर विकसित हो सकते थे। दक्षिण एशिया विश्व की सबसे कम आर्थिक रूप से एकीकृत क्षेत्रों में गिना जाता है। इसका एक बड़ा कारण भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंध भी हैं।

राणा सनाउल्लाह ने यह भी संकेत दिया कि आज पाकिस्तान भारत से संवाद स्थापित करने के लिए विभिन्न माध्यमों का सहारा लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच बैक चैनल संपर्क पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि वर्तमान परिस्थितियों में विश्वास की कमी बहुत अधिक है और पहले की तुलना में संवाद स्थापित करना कहीं अधिक कठिन हो गया है।

भारत का दृष्टिकोण भी पिछले कुछ वर्षों में अधिक स्पष्ट और कठोर हुआ है। भारत लगातार यह कहता रहा है कि आतंकवाद और वार्ता एक साथ नहीं चल सकते। भारत का आधिकारिक रुख यह है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद समाप्त नहीं होता, तब तक संबंधों का सामान्य होना कठिन है। इसी कारण व्यापार, सांस्कृतिक आदान प्रदान और उच्च स्तरीय राजनीतिक संवाद भी सीमित रहे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच कई तनावपूर्ण घटनाओं ने इस दूरी को और बढ़ाया है।

राणा सनाउल्लाह का बयान केवल भारत की प्रशंसा भर नहीं है बल्कि पाकिस्तान की घरेलू राजनीति पर भी टिप्पणी माना जा रहा है। पाकिस्तान में लंबे समय से यह बहस चलती रही है कि राष्ट्रीय संसाधनों का बड़ा हिस्सा सुरक्षा और रक्षा आवश्यकताओं पर खर्च होता है जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पाते। यदि क्षेत्रीय तनाव कम हो तो संसाधनों का बेहतर उपयोग विकास कार्यों में किया जा सकता है। इस दृष्टि से उनका बयान पाकिस्तान के भीतर चल रही व्यापक बहस को भी सामने लाता है।

दक्षिण एशिया विश्व की लगभग एक चौथाई आबादी का घर है, लेकिन आर्थिक सहयोग के मामले में यह क्षेत्र अपेक्षाकृत पीछे है। यदि भारत और पाकिस्तान के बीच सामान्य संबंध स्थापित हों तो क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन, ऊर्जा, जल प्रबंधन, परिवहन और शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा हो सकती हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक विरासत, भाषाई समानता और ऐतिहासिक संबंध भी सहयोग को मजबूत आधार दे सकते हैं। यही कारण है कि समय समय पर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देती रही हैं।

हालांकि केवल राजनीतिक इच्छा पर्याप्त नहीं होती। दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली के लिए ठोस कदम आवश्यक हैं। सीमा पर शांति बनाए रखना, आतंकवाद पर प्रभावी कार्रवाई, मानवीय मुद्दों का समाधान, मछुआरों और कैदियों की रिहाई, व्यापारिक प्रतिबंधों में चरणबद्ध ढील और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना ऐसे उपाय हो सकते हैं जो धीरे धीरे विश्वास का वातावरण तैयार करें। लेकिन यह प्रक्रिया लंबी और जटिल होगी क्योंकि दोनों देशों के बीच कई दशकों का अविश्वास मौजूद है।

राणा सनाउल्लाह के बयान पर पाकिस्तान के भीतर भी अलग अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कुछ लोगों ने इसे यथार्थवादी स्वीकारोक्ति बताया, जबकि कुछ ने इसे राजनीतिक बयानबाजी माना। भारत में भी इस बयान को सावधानी के साथ देखा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी सकारात्मक परिवर्तन का आकलन केवल बयानों से नहीं बल्कि व्यवहारिक कदमों से किया जाना चाहिए। जब तक दोनों देशों की नीतियों में ठोस बदलाव दिखाई नहीं देता, तब तक ऐसे वक्तव्यों को संभावनाओं के संकेत के रूप में ही देखा जाएगा।

इतिहास यह बताता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कई बार सकारात्मक पहल हुई है। बस सेवा शुरू हुई, व्यापार बढ़ाने की कोशिश हुई, खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों के बीच संपर्क भी बढ़ा। लेकिन हर बार किसी बड़ी सुरक्षा घटना ने इन प्रयासों को झटका दिया। इसलिए भविष्य में यदि कोई नई शुरूआत होती है तो उसे अधिक मजबूत संस्थागत आधार और पारस्परिक विश्वास की आवश्यकता होगी।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि राणा सनाउल्लाह का बयान पाकिस्तान सरकार की किसी नई आधिकारिक नीति की घोषणा नहीं है। यह एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता का सार्वजनिक आकलन है, जिसे व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। फिर भी यह इस बात का संकेत अवश्य देता है कि पाकिस्तान के भीतर कुछ राजनीतिक वर्ग अब यह स्वीकार करने लगे हैं कि लगातार टकराव की नीति से अपेक्षित लाभ नहीं मिला और आर्थिक विकास के लिए पड़ोसी देशों के साथ सहयोग आवश्यक हो सकता है।

दक्षिण एशिया की स्थिरता केवल भारत और पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। यदि दोनों देशों के बीच तनाव कम होता है तो निवेश बढ़ सकता है, व्यापारिक मार्ग खुल सकते हैं, ऊर्जा सहयोग को गति मिल सकती है और करोड़ों लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दूसरी ओर यदि अविश्वास और संघर्ष की स्थिति बनी रहती है तो विकास की संभावनाएं सीमित ही रहेंगी।

राणा सनाउल्लाह का वक्तव्य इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह अतीत की नीतियों पर आत्मचिंतन का संकेत भी है और भविष्य की संभावनाओं की ओर इशारा भी। हालांकि वास्तविक परिवर्तन केवल शब्दों से नहीं बल्कि ठोस नीतिगत निर्णयों, विश्वास निर्माण के उपायों और निरंतर संवाद से ही संभव होगा। यदि दोनों देश अपने मतभेदों को नियंत्रित करते हुए साझा हितों पर आगे बढ़ने का रास्ता खोजते हैं, तो न केवल भारत और पाकिस्तान बल्कि पूरा दक्षिण एशिया अधिक शांत, समृद्ध और स्थिर भविष्य की ओर बढ़ सकता है।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

अवैध तमंचे के साथ जारचा पुलिस ने युवक को दबोचा

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर। थाना जारचा पुलिस ने अवैध शस्त्र के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग के आधार पर कार्रवाई करते हुए 14 जुलाई 2026 को खटाना से दादूपुर जाने वाले रास्ते से एक युवक को पकड़ा गया।

पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सोनू पुत्र मोजीराम निवासी ग्राम मिलक खटाना, थाना जारचा, गौतमबुद्धनगर के रूप में की है। उसकी उम्र करीब 29 वर्ष बताई गई है।

पुलिस के मुताबिक, तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर और एक जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के खिलाफ थाना जारचा में आयुध अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ थाना जारचा में पहले से भी कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2023 में धारा 506 भादवि, वर्ष 2024 में धारा 120बी/147/149/307 भादवि एवं 3/25 आयुध अधिनियम तथा वर्ष 2026 में धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमे शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ग्रेनो वेस्ट के 17 गांवों में लगेंगी 2600 एलईडी स्ट्रीट लाइटें, डार्क जोन होंगे रोशन

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के 17 गांवों में जल्द ही 2600 एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इससे गांवों में चिन्हित डार्क जोन खत्म होंगे और

रात के समय सुरक्षा व्यवस्था भी बेहतर होगी। इस परियोजना पर करीब 3.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। लाइटों की लोकेशन चिन्हित करने के लिए सर्वे भी पूरा हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार, अगले एक माह में स्ट्रीट लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के जिन 17 गांवों में एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी, उनमें सूरजपुर, भोला रावल, तिलपता करनवास, कुलेसरा, कैलाशपुर उर्फ किरावपुर, बिसरख, ऐमनाबाद, सादोपुर, इटेड़ा, खोदना खुर्द, खैरपुर गुर्जर, छपरौला, खेड़ा धर्मपुरा, मिलक लच्छी, खेड़ी, भनौता और सुनपुरा शामिल हैं।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से शहर के सेक्टरों और गांवों में चिन्हित डार्क जोन को रोशन करने का काम किया जा रहा है। इसके तहत पुरानी सोडियम लाइटों को हटाकर एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। अब तक ग्रेटर नोएडा के गांवों और सेक्टरों में एक लाख से अधिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने इस कार्य की प्रक्रिया पूरी की है। अधिकारियों का कहना है कि स्ट्रीट लाइट लगने से अंधेरा दूर होने के साथ ही महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा भी बेहतर होगी।

एसीईओ का बयान

ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में डार्क जोन चिन्हित कर एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। ग्रेनो वेस्ट के 17 गांवों में लाइट लगाने की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अगले एक माह में काम शुरू हो जाएगा। अंधेरा दूर करने के साथ सुरक्षा के लिहाज से भी स्ट्रीट लाइट जरूरी है।

राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश, बड़े बकायदारों पर चलेगा विशेष अभियान

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 15 जुलाईः जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन विविध राजस्व देयों की वसूली की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवहन, श्रम, स्टांप, विद्युत, रेरा, बैंक सहित विभिन्न विभागों की लंबित देयों और राजस्व वसूली की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागों के बड़े बकायदारों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर लंबित देयों की शीघ्र एवं प्रभावी वसूली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए वसूली में तेजी लाएं।

उन्होंने वसूली कार्य की प्रभावी निगरानी के लिए संबंधित उपजिलाधिकारियों को अमीनों का रोस्टर तैयार करने तथा उसके अनुसार नियमित वसूली अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए बड़े बकायदारों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में विशेष रूप से रेरा के लंबित मांग पत्रों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को ठोस कार्ययोजना बनाकर अभियान चलाने और रेरा के मांग पत्रों में शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, तहसीलदार जेवर प्रतीक सिंह, तहसीलदार सदर पूजा चौधरी, तहसीलदार दादरी कृष्ण कुमार चौरसिया सहित संबंधित राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

चोरी के जनरेटर और अल्टरनेटर के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, ऑटो भी बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना फेस-2 पुलिस ने चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का जनरेटर, जनरेटर का अल्टरनेटर और घटना में इस्तेमाल किया गया ऑटो बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना फेस-2 पुलिस ने श्मशान घाट के पास से दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहसिन पुत्र इश्फाक अली और बृजेश यादव पुत्र राकेश यादव के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी मोहसिन मूल रूप से ग्राम कौमटी खरौली, थाना सासनी गेट, अलीगढ़ का रहने वाला है और वर्तमान में खोड़ा कॉलोनी, थाना खोड़ा, गाजियाबाद में रह रहा था। उसकी उम्र करीब 28 वर्ष है। वहीं दूसरा आरोपी बृजेश यादव मूल निवासी ग्राम टिकैतपुर, थाना राजा का रामपुर, एटा है और वर्तमान में ग्राम भंगेल, थाना फेस-2, गौतमबुद्धनगर में रह रहा था। उसकी उम्र करीब 22 वर्ष बताई गई है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना फेस-2 में धारा 305(ए)/ 317 (2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दोपहिया वाहन चोरी और मोबाइल स्नेचिंग करने वाले गैंग का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी और मोबाइल फोन स्नेचिंग करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की सात दोपहिया गाड़ियां, तीन मोबाइल फोन, अवैध चाकू और नकदी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना सेक्टर-24 पुलिस ने सेक्टर-11 नोएडा स्थित मदर डेयरी के पास गंदे नाले के पुस्ते से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जितेंद्र पुत्र सतीश चंद, अरबाज पुत्र मोहम्मद शरीफ और अभिषेक शाह पुत्र कृष्णा शाह के रूप में हुई है। इसके अलावा एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से चोरी की चार स्कूटी, दो मोटरसाइकिल, एक अपाचे मोटरसाइकिल, चोरी और स्नेचिंग के तीन मोबाइल फोन, दो टूटी हुई मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट, 1200 रुपये नकद और चार अवैध चाकू बरामद किए गए हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे आपस में मिलकर रेकी करते थे और दिल्ली, नोएडा व एनसीआर क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाकों तथा घरों के बाहर खड़े दोपहिया वाहनों को चोरी कर लेते थे। इसके अलावा राह चलते लोगों से मोबाइल फोन भी छीनते थे। चोरी किए गए वाहनों को सेक्टर-54 नोएडा के जंगल और झाड़ियों में छिपाकर रखा जाता था। बाद में नंबर प्लेट तोड़कर या अन्य तरीकों से उन्हें बेच दिया जाता था। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि चोरी और स्नेचिंग से मिले पैसों को आपस में बांटकर शौक पूरे करते थे। वारदात के दौरान लोगों को डराने के लिए वे अवैध चाकू अपने पास रखते थे।

गिरफ्तार तीनों आरोपी मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और वर्तमान में न्यू अशोक नगर, दल्लूपुरा दिल्ली में रह रहे थे। उनकी उम्र करीब 18 से 19 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है और विभिन्न थाना क्षेत्रों में उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं।

थाना सेक्टर-24 पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर से बदलेगी वाराणसी की यातायात व्यवस्था

10,998.32 करोड़ की लागत से बनेगा 43.218 किमी लंबा एलिवेटेड मार्ग, एयरपोर्ट तक का सफर होगा तेज

समाज जागरण/संदीप गर्ग

वाराणसी, 15 जुलाईः काशी की यातायात व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने और पूर्वांचल की परिवहन सुविधाओं को मजबूत करने के लिए एक बड़ी परियोजना को मंजूरी मिल गई है। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने 10,998.32 करोड़ की अनुमानित लागत वाले 43.218 किलोमीटर लंबे वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है।

यह परियोजना छावनी, वाराणसी जंक्शन, फुलवरिया और चौकाघाट जैसे शहर के प्रमुख व्यस्त क्षेत्रों में यातायात दबाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

वरुणा नदी के आसपास का क्षेत्र वाराणसी के शहरी जीवन का अहम हिस्सा है, लेकिन संकरी सड़कें, पैदल यात्रियों, ई-रिक्शा, निजी वाहनों और भारी वाहनों के मिश्रित यातायात के कारण यहां अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर इसी समस्या का स्थायी समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया जा रहा है।

दो पैकेज में होगा निर्माण

वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर को दो प्रमुख हिस्सों में विकसित किया जाएगा। पैकेज-1 के तहत 28.498 किलोमीटर लंबे मार्ग का निर्माण होगा, जो एनएच-31 से फुलवरिया जंक्शन तक जाएगा। इसमें 11.744 किलोमीटर का 6-लेन मुख्य कैरिजवे तथा 16.754 किलोमीटर के फ्लाईओवर, रैंप, लूप और सर्विस रोड शामिल होंगे।

पैकेज-2 में फुलवरिया जंक्शन से काशी रेलवे स्टेशन तक 14.720 किलोमीटर लंबा मार्ग विकसित किया जाएगा। इसमें 7.676 किलोमीटर का 4/6-लेन मुख्य कैरिजवे और 7.044 किलोमीटर के रैंप बनाए जाएंगे।

परियोजना में 15.78 किलोमीटर ग्रीनफील्ड और 3.64 किलोमीटर ब्राउनफील्ड एलाइनमेंट शामिल होगा। एलिवेटेड वायाडक्ट के माध्यम से मुख्य यातायात को ऊपर से गुजारा जाएगा, जिससे नीचे की सड़कों पर भीड़भाड़ और दबाव कम होगा।

एयरपोर्ट पहुंचने में लगेगा कम समय

इस परियोजना से वाराणसी के नागरिकों, पर्यटकों और कारोबारियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। रेलवे स्टेशन से लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचने का समय लगभग 60 मिनट से घटकर करीब 20 मिनट रह जाएगा। इससे यात्रियों के समय की बचत होगी और पर्यटन व व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

छावनी और अन्य व्यस्त क्षेत्रों में जाम से राहत

कॉरिडोर को स्थानीय यातायात की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, चौकाघाट, फुलवरिया और वाराणसी जंक्शन/छावनी जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहनों के सुचारु आवागमन के लिए विशेष लूप और रैंप विकसित किए जाएंगे।

छावनी क्षेत्र, जो लंबे समय से यातायात जाम की समस्या से जूझता रहा है, वहां एलिवेटेड हाईवे बनने से हजारों वाहन सीधे ऊपर से गुजर सकेंगे और स्थानीय सड़कों पर दबाव कम होगा।

2044 की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार योजना

वरुणा एलिवेटेड कॉरिडोर को भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। अनुमान के अनुसार वर्ष 2044 तक इस मार्ग पर प्रतिदिन करीब 59,000 पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट) का यातायात भार हो सकता है। इसी को देखते हुए 4 से 6 लेन की एलिवेटेड संरचना तैयार की जा रही है, ताकि आने वाले वर्षों में वाराणसी को तेज, सुरक्षित और जाम मुक्त परिवहन सुविधा मिल सके।

अभ्युदय योजना के नए सत्र का शुभारंभ, 60 छात्रों का हुआ चयन

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 15 जुलाईः उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत डॉ. भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय, सेक्टर-37, नोएडा स्थित अभ्युदय केंद्र पर शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, डॉ. भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय के संरक्षक गणेश जाटव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। अधिकारियों ने चयनित विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अनुशासित एवं समर्पित भाव से अध्ययन करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि अभ्युदय केंद्र में प्रवेश के लिए कुल 170 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया था। चयन प्रक्रिया के बाद 60 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जबकि ओरिएंटेशन कार्यक्रम में 42 चयनित विद्यार्थियों ने भाग लेकर प्रथम दिवस की कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञ उदय प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की रणनीति, प्रभावी अध्ययन पद्धति और नियमित अभ्यास के महत्व पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। अभ्युदय केंद्र पर नियमित कक्षाओं का संचालन सोमवार से प्रारंभ किया जाएगा।

मामूरा में चार मंजिला इमारत में लगी आग, दो लोगों की मौत; मकान मालिक हिरासत में

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना फेस-3 क्षेत्र के मामूरा स्थित गली नंबर-2 में बुधवार को एक चार मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रिक वाहन की बैटरी चार्जिंग के दौरान स्पार्क से आग लग गई। आग की चपेट में आसपास खड़े पेट्रोल वाहनों के आने से स्थिति गंभीर हो गई।

सूचना मिलते ही फायर सर्विस की सात फायर टेंडर, हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म, मुख्य अग्निशमन अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। राहत और बचाव अभियान चलाकर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

पुलिस के अनुसार, यह जी-4 भवन था, जिसमें करीब 50 परिवार रह रहे थे। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, धुएं के कारण दो लोगों की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने एक महिला और एक पुरुष को मृत घोषित कर दिया।

घटना के संबंध में थाना फेस-3 पुलिस ने मकान मालिक/लीज धारक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की 12 दोपहिया गाड़ियां बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना फेस-1 पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक अंतर्राज्यीय वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की 12 दोपहिया गाड़ियां बरामद की हैं। इनमें 10 मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और एक मोटरसाइकिल का चेसिस शामिल है।

पुलिस के अनुसार, मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना फेस-1 पुलिस ने बर्ड सेंचुरी अंडरपास के पास से आरोपी आशु ढेढा पुत्र स्वर्गीय सुखबीर सिंह को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि बरामद मोटरसाइकिलों की जांच जिप नेट के माध्यम से की गई, जिसमें एक मोटरसाइकिल थाना ईस्ट विनोद नगर, दिल्ली से चोरी होना पाया गया। आरोपी की फोटो उत्तर प्रदेश पुलिस के यक्ष ऐप और गांडीव पोर्टल पर चेक करने पर उसके पुराने आपराधिक इतिहास की पुष्टि हुई।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह रेकी कर दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा क्षेत्र से दोपहिया वाहनों की चोरी करता था। चोरी के बाद वाहनों को अलग-अलग सेक्टरों में खड़ी अन्य गाड़ियों के बीच छिपाकर रखता था और जरूरत पड़ने पर कबाड़ियों व अन्य लोगों को बेच देता था। बिक्री से मिले पैसों को वह अपने शौक और मौज-मस्ती में खर्च करता था।

गिरफ्तार आरोपी आशु ढेढा निवासी पीपल चौक, दल्लूपुरा, थाना न्यू अशोक नगर, दिल्ली का रहने वाला है और उसकी उम्र करीब 26 वर्ष है। पुलिस के अनुसार, आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है और उसके खिलाफ विभिन्न थाना क्षेत्रों में 33 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

थाना फेस-1 पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 317(2)/317(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सागर मोटर्स ने किया 'टाटा सिएरा.ईवी' का भव्य शुभारंभ

प्रतिष्ठित विरासत का आधुनिक इलेक्ट्रिक अवतार

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडाः टाटा मोटर्स के अधिकृत डीलर सागर मोटर्स द्वारा सेक्टर-5 स्थित शोरूम में ऑल-न्यू टाटा सिएरा.ईवी - द लीजेंड इवॉल्वस का भव्य शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप श्रम आयुक्त बृजवीर सिंह ने टाटा सिएरा.ईवी का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने टाटा मोटर्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण, नवाचार और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन भारत के सतत एवं हरित भविष्य की ओर बढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

टाटा मोटर्स की ओर से टेरिटरी सेल्स मैनेजर अंशय जैन एवं देवेश चावला ने टाटा सिएरा.ईवी की खूबियों और तकनीकी विशेषताओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टाटा मोटर्स भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर सागर मोटर्स के वाइस प्रेसिडेंट वीरेन्द्र सिंह खारी ने सभी अतिथियों एवं ग्राहकों का स्वागत करते हुए कहा कि टाटा सिएरा भारतीय ऑटोमोबाइल इतिहास का एक प्रतिष्ठित नाम रहा है। ऑल-न्यू टाटा सिएरा.ईवी के साथ यह गौरवशाली विरासत आधुनिक तकनीक और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के नए युग में प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि सागर मोटर्स को गर्व है कि वह अपने ग्राहकों को इस अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक एसयूवी का अनुभव उपलब्ध करा रहा है। कंपनी का उद्देश्य उत्कृष्ट उत्पादों के साथ बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करना है।

टाटा सिएरा.ईवी को आधुनिक इलेक्ट्रिक पावरट्रेन, तेज चार्जिंग क्षमता और लंबी ड्राइविंग रेंज के साथ तैयार किया गया है। यह वाहन ग्राहकों को पर्यावरण-अनुकूल, आरामदायक और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मोबिलिटी अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं ग्राहकों ने ऑल-न्यू टाटा सिएरा.ईवी का अवलोकन किया और इसके प्रीमियम इंटीरियर, स्मार्ट टेक्नोलॉजी, आधुनिक फीचर्स तथा भविष्य की मोबिलिटी को परिभाषित करने वाले नवाचारों की सराहना की।

सम्भव अभियान-6.0 के तहत मातृ एवं शिशु पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 15 जुलाईः उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मातृ एवं बाल पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जुलाई से सितंबर 2026 तक संचालित किए जा रहे सम्भव अभियान-6.0 के अंतर्गत बुधवार को बाल विकास परियोजना केंद्र बिसरख के तहत ग्राम तिलपत और गेझा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, नवजात शिशुओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, नवजात शिशुओं और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार करना है। इसके तहत कुपोषण की रोकथाम, गंभीर कुपोषण (एसएएम) एवं मध्यम कुपोषण (एमएएम) से प्रभावित बच्चों की समय पर पहचान और उपचार तथा कम वजन वाले नवजात शिशुओं के प्रभावी प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अभियान का संचालन बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा पंचायती राज विभाग के संयुक्त समन्वय से किया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की नियमित प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), उचित पोषण संबंधी परामर्श तथा टेक होम राशन (टीएचआर) का वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

शिशु पोषण प्रबंधन के तहत जन्म से छह माह तक के बच्चों में कुपोषण की रोकथाम के लिए माताओं को स्तनपान एवं सुपोषण संबंधी परामर्श दिया जा रहा है तथा धात्री महिलाओं को टेक होम राशन भी वितरित किया जा रहा है।

अभियान की प्रगति की निगरानी पोषण ट्रैकर और ई-कवच पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर सभी संबंधित विभागों को अभियान का समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की पहल रंग लाई, सीएचसी चन्दौसी में एफ.आर.यू. का शुभारंभ

समाज जागरण

बहजोई।जनपद में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की सार्थक पहल पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) चन्दौसी में एफ.आर.यू. का शुभारंभ कर दिया गया है। शुभारंभ के साथ ही केन्द्र पर पहला सफल सिजेरियन ऑपरेशन सम्पन्न हुआ, जिसमें इस्लामनगर निवासी एक गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया। वर्तमान में जच्चा एवं नवजात शिशु दोनों पूर्णतः स्वस्थ हैं। एफ आर यू पर सीएचसी चंदौसी प्रभारी डॉ हरविंदर सिंह तथा डॉ खेलेन्द्र सक्सेना तथा महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ सारिका अग्रवाल,निश्चेतक डॉ विश्वनाथ एवं

कमल ओ. टी टैक्नीशियन तथा स्टाफ नर्स सुमन मौजूद रहे।

सीएचसी चन्दौसी के प्रभारी डॉ. हरविंदर सिंह ने बताया कि एफ.आर.यू. की स्थापना से अब प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अन्य छोटे स्वास्थ्य केन्द्रों से आने वाले गंभीर मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। यहां 247 सामान्य प्रसव, आपातकालीन प्रसूति सेवाएं एवं सिजेरियन ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने बताया कि एफ.आर.यू. का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं एवं अन्य गंभीर रोगियों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा उपलब्ध कराकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर तथा उपचार संबंधी जटिलताओं में कमी लाना है। उन्होंने बताया कि एफ.आर.यू. चन्दौसी में डॉ. खेलेन्द्र सक्सेना, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की ऑन-कॉल ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक सप्ताह सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को डॉ. विश्वनाथ (निश्चेतक) तथा ओ.टी. टेक्नीशियन की भी ड्यूटी निर्धारित की गई है। सभी आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराते हुए ऑपरेशन थिएटर (ओ.टी.) को पूर्ण रूप से तैयार कर दिया गया है।

वर्जन---

जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने कहा कि जनपद के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सीएचसी चन्दौसी में एफ.आर.यू. के संचालन से विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को समय पर विशेषज्ञ उपचार मिल सकेगा तथा गंभीर

मरीजों को अनावश्यक रूप से दूर रेफर करने की आवश्यकता कम होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए प्रशासन निरंतर प्रयासरत है।

पीएसएसएस के जिला अध्यक्ष प्रवेश यादव टीम के साथ ब्लॉक कार्यालय पर आयोजित वृक्षारोपण हेतु किया

दैनिक समाज जागरण

सम्भल--पबांसा पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति पंजीकृत के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद वर्मा ने प्रदेश सरकार व्दारा संचालित वनमहोत्सव महायज्ञ कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाले आगामी 15जुलाई को एक मां के नाम का पेड़ लगाने का अभियान चलाया संगठन के जिला संरक्षक मुकेश कुमार ने वृहद वृक्षारोपण हेतु प्रतिनिधि जिला के साथ पहुंचकर जामुन का पेड़ लगाने का कार्य किया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रवेश यादव, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह

जिला आईटीआई सेल प्रभारी डॉ विपिन कुमार,जिला संरक्षक मुकेश कुमार, जिले की टीम के साथ मौजूद रहे

राज्य कर विभाग के आवासीय भवन परिसर का हुआ भूमि पूजन, 13.70 करोड़ की परियोजना से मिलेगा आधुनिक आवास

समाज जागरण

बहजोई/संभल। जनपद सम्भल के ग्राम किसौली (सम्भल-बहजोई रोड) पर राज्य कर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए बनने वाले आधुनिक आवासीय भवन परिसर का बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन सम्पन्न हुआ। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगभग 13.70 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

भूमि पूजन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी,

भाजपा जिलाध्यक्ष हेमेन्द्र सिंह उर्फ रिंकू, पूर्व विधान परिषद सदस्य परमेश्वर लाल सैनी तथा संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) राज्य कर मोहित गुप्ता ने संयुक्त रूप से पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। राज्य मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जनपद सम्भल में विकास कार्यों को लगातार गति मिल रही है। यह आवासीय परिसर राज्य कर विभाग के अधिकारियों

एवं कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा तथा विभाग की कार्यक्षमता में भी वृद्धि करेगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष हेमेन्द्र सिंह उर्फ रिंकू ने कहा कि अधिकारियों के लिए आधुनिक आवासीय परिसर बनने से कार्यसंस्कृति मजबूत होगी और प्रशासनिक दक्षता के साथ-साथ जनसेवा की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। परियोजना के निर्माण की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग (भवन), मुरादाबाद को सौंपी गई है। शासन ने इसके लिए 13.70 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जिनमें से 3.45 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी गई है, जिससे निर्माण कार्य शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। कार्यक्रम में जिले के प्रमुख व्यापारी, कर अधिवक्ता, लोक निर्माण विभाग एवं राज्य कर विभाग के अनेक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। उपस्थित व्यापारियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे जनपद के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर मोटा महादेव मंदिर में बैठक, सुरक्षा और सुविधाओं पर जोर

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद/मंडावली (15 जुलाई, 2026): आगामी पवित्र श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए आज प्रशासन ने कमर कस ली है। बुधवार को मंडावली क्षेत्र के ऐतिहासिक मोटा महादेव मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर कई अहम फैसले लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए:

सीसीटीवी से निगरानीः सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए मुख्य मार्गों और संवेदनशील जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

स्वास्थ्य सुविधाएंः कांवड़ मार्गों पर शिवभक्तों के लिए 24 घंटे चिकित्सा

और प्रथम उपचार की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी

।सड़क मरम्मतः यात्रा शुरू होने से पहले सभी मुख्य मार्गों के गड्ढों को भरकर उन्हें पूरी तरह ठीक किया जाएगा।साफ-सफाई और रोशनीः मंदिर परिसर और पूरे यात्रा रूट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने और पर्याप्त लाइट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।प्रशासन का मुख्य उद्देश्य शिवभक्तों की यात्रा को सुगम, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना है। बैठक में स्थानीय अधिकारियों के साथ-साथ मंदिर समिति के सदस्य भी मौजूद रहे।

एसडीएम ने मंडी समीती सफाई का ठेका निरस्त करने के दिए निर्देश

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नगीना । आदर्श मंडी समिति परिसर में व्याप्त गंदगी को देख कर मंडी समिति के सभापति एसडीएम प्रिंस कुमार भड़क गए और सचिव अभिषेक को सफाई का ठेका निरस्त करने के निर्देश दिए।

कोतवाली देहात रोड पर स्थित आदर्श मंडी समिति परिसर में गेहूं चावल के थोक व्यापारियों की दुकानों के अलावा फल व सब्जी के आढ़तियों के लिए बड़े टीन शेड भी हैं। रोजाना सैकड़ों फुटकर व्यापारी फल सब्जियां खरीदने आते हैं।गेहूं चावल खरीदने के लिए भी फुटकर व्यापारी आते हैं।

मंडी समिति में रोजाना किसान भी अपनी उपज बेचने के लिए आते हैं।लेकिन पूरे परिसर में गंदगी रहती है,जिससे किसानों,सब्जी व फल उत्पादकों तथा फुटकर व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।गंदगी के सड़ने के कारण परिसर में दुर्गंध रहती है।

मंडी समिति के सचिव अभिषेक ने बताया कि 9 लाख रुपए वार्षिक में सफाई का ठेका नजीबाबाद निवासी मेराज अली को दिया गया था। टेंडर की शर्तों के मुताबिक तीन सफाई कर्मियों को रोजाना मंडी समिति परिसर की सफाई करनी है और बायोमैट्रिक के माध्यम से रोजाना अपनी उपस्थिति दर्ज करानी है। लेकिन सफाई कर्मचारी आते ही नहीं हैं।ठेके की अवधि इस बार मई 26 से अप्रैल 27 तक है।

सचिव अभिषेक कुमार ने बताया कि सफाई न होने की शिकायत पर बनाई गई जांच समिति की रिपोर्ट पर ठेकेदार मेराज अली को अंतिम नोटिस भी दस दिन पूर्व दिया जा चुका है जिसका जवाब तीन दिन में देने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन ठेकेदार ने नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया है। मंडी समिति के सभापति एसडीएम प्रिंस कुमार ने मंडी समिति का निरीक्षण किया और परिसर में व्याप्त गंदगी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सफाई ठेका निरस्त करने के निर्देश दिए। एसडीएम कार्यालय से बताया कि ठेका निरस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

स्वस्थ रहने के लिए श्री अन्न को अपनायें- योगेन्द्र पाल उर्फ योगी

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर। राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे श्री अन्न पुनरुद्धार जागरूकता अभियान के अन्तर्गत विकास खण्ड मौपुरदेवमल के ब्लाक संसाधन केंद्र जमालपुर पठानी में आयोजित श्री अन्न (मिलेट्स) पुनरूद्धार कार्यक्रम में बोलते हुए सेवानिवृत्त विषय वस्तु विशेषज्ञ योगेन्द्र पाल सिंह योगी ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें भोजन में श्री अन्न को अपनायें। श्री अन्न के अन्तर्गत ज्वार, बाजरा, सांवला, रागी,कंगनी, कोदो , रामदाना जैसे अनाज आते जो प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम व फाइबर होता है जो कम काबोर्हाइड्रेट व कैलोरी देते हैं जिन्हें पचाना आसान होता है। योगी ने सभी शिक्षकों से अनुरोध किया कि वह अपने छात्रों के अभिभावकों को भी जागरुक करें, मिलेट्स के लाभ के बारे में बतायें तथा अपने परिवार के खाने भर के लिए मिलेट्स की खेती कर उसका भोजन में प्रयोग करने हेतु प्रेरित करें।

श्री अन्न मिलेट्स कार्यक्रम का इस अवसर पर प्रशिक्षण मनोज कुमार सैनी विषय वस्तु विशेषज्ञ, सुजीत कुमार विश्वास सहायक विकास अधिकारी कृषि और गजेंद्र कुमार सहायक विकास अधिकारी कृषि रक्षा के द्वारा मिलेट्स की खेती के संबंध में जानकारी दी।

अतिक्रमण न करने की चेतावनी देकर दुकानदारों के चालान काट वसूल किये 18 हजार रुपए अर्थदंड

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नगीना । अतिक्रमण हटाओ अभियान के अंतर्गत शासन/ प्रशासन ने रेलवे स्टेशन चौक से गांधी मूर्ति पार्क तक के दुकानदारों को सड़क किनारे सामान रखकर अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी तथा दुकानदारों के चालान काट कर 18 हजार रुपए

अर्थदंड वसूल किया। एसडीएम प्रिंस कुमार व नगर पालिका परिषद के ईओ सतीश कुमार तथा स्वास्थ्य व सफाई निरीक्षक धीरज राय वर्मा के नेतृत्व में पालिका प्रशासन व पुलिस की टीम ने बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे से बारह बजे तक रेलवे स्टेशन चौक से गांधी मूर्ति पार्क तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। पालिका स्वास्थ्य व सफाई निरीक्षक धीरज राय वर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान 22 दुकानदारों के चालान काट कर 18 हजार रुपए अर्थदंड वसूल किया गया। अतिक्रमण हटाओ अभियान के समय एसडीएम नगीना प्रिंस कुमार, पालिका

अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार , सफाई निरीक्षक धीरज राय वर्मा, पालिका स्टाफ सहित सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा।

दिव्यांग छात्राओं को मिलेगी ई-ट्राईसाइकिल, ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर मुख्य विकास अधिकारी रण विजय सिंह ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में दिव्यांग जन सशक्तीकरण विभाग द्वारा ई-ट्राईसाइकिल योजना संचालित की जा रही है। योजना का उद्देश्य जनपद बिजनौर की दिव्यांग छात्राओं को शिक्षण संस्थानों में आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराते हुए उनके शैक्षिक पुनर्वास को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत जनपद की 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की ऐसी दिव्यांग छात्राएं, जो किसी विद्यालय, महाविद्यालय अथवा प्रशिक्षण संस्थान में अध्ययनरत अथवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं तथा दैनिक रूप से कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रावास आदि तक सुगम पहुंच बनाने में कठिनाई का सामना करती हैं, उन्हें अधिकतम 65,000 रुपये की लागत तक ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफिलिया आदि से ग्रसित ऐसी दिव्यांग छात्राओं को मिलेगा, जिनकी दृष्टि एवं मानसिक स्थिति सामान्य हो तथा कमर का ऊपरी भाग स्वस्थ हो, जिससे वे ई-ट्राईसाइकिल संचालित करने में सक्षम हों। आवेदिका के पास मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी दिव्यांग प्रमाण-पत्र (यूडी आईडी कार्ड) होना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ केवल उन छात्राओं को मिलेगा जिनका परिवार आयकरदाता न हो। गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही, विगत पांच वर्षों में किसी भी स्रोत से ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त कर चुकी छात्राएं इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगी।

उन्होंने बताया कि आवेदन के साथ संबंधित शिक्षण अथवा प्रशिक्षण संस्थान से अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है। इच्छुक पात्र दिव्यांग छात्राएं योजना की विस्तृत जानकारी एवं आवेदन संबंधी सहायता के लिए किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, बिजनौर में संपर्क कर सकती हैं।

उन्होंने जनपद की पात्र दिव्यांग छात्राओं से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने हेतु समय से आवेदन करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद भी शिक्षा विभाग बना लापरवाह

चार साल से हाई स्कूल की मार्कशीट में संशोधन के लिए भटक रही है जन्नत निशा

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नगीना । माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली की लापरवाही के कारण जन्मतिथि में संशोधन के लिए चार साल से भटक रही छात्रा के भविष्य पर काले बादल मंडरा रहे हैं। मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद भी शिक्षा विभाग लापरवाह बना हुआ है। माध्यमिक शिक्षा विभाग की घोर उदासीनता के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के श्वेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे पर भी प्रश्न चिन्ह खड़े हो रहे हैं। नगीना के अफसार हुसैन सिद्दीकी की पुत्री जन्नत निशा ने माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) हाई स्कूल की परीक्षा 2021 में दयानंद वैदिक कन्या इंटर कॉलेज नगीना से पास की थी। जन्नत निशा की हाई स्कूल की मार्कशीट में पिता का नाम अफसार हुसैन के स्थान पर अफसर हुसैन और जन्नत निशा की जन्म तिथि 02-11-2006 के स्थान पर 02-11-2005 गलत छप गई। यूपी बोर्ड ने पहले पिता के नाम की त्रुटि ठीक करने में 17 महीने लगा दिए। पिता के नाम के संशोधन के समय छात्रा जन्नत निशा की जन्मतिथि में त्रुटि पर किसी का ध्यान नहीं गया। जन्नत निशा ने जब बीए में प्रवेश के लिए फार्म भरा, तो आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और टीसी में जन्म तिथि 02-11-2006 अंकित मिली, लेकिन हाई स्कूल की मार्कशीट में 02-11-2005 देखकर जन्नत निशा के पैरों तले जमीन खिसक गई। श्री सिद्दीकी का आरोप है कि बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली को छात्रा की जन्मतिथि में संशोधन के लिए 12 नवंबर 2024 को दोबारा भेजे गए प्रार्थना पत्र को 16 मार्च 2026 को समय सीमा निकल गई कहकर वापस कर दिया गया।

14 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री पोर्टल जनसुनवाई पर शिकायत संख्या 40013426023436 दर्ज कराई गई। लेकिन लखनऊ से इसे क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के बजाय क्षेत्रीय कार्यालय मेरठ के अपर सचिव को 13 जुलाई 2026 को भेज दिया गया। जबकि नगीना (बिजनौर) बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के अंतर्गत है।

निपटान तिथि 27 अगस्त 2026 तय की गई है। अफसार हुसैन सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत तुरंत मेरठ से बरेली स्थानांतरित करने तथा अपनी पुत्री जन्नत निशा की जन्मतिथि में अविलंब संशोधन करने की गुहार लगाई है।

नजीबाबाद में मिला अज्ञात युवक का शवः जलालाबाद बाईपास पर बरामद, नहर में बहकर आने की आशंका

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद न्याय पंचायत ताहरपुर ईशाक के अंतर्गत जलालाबाद बाईपास रोड पर आदित्य अस्पताल के पास 14 व 15 जुलाई की बीती रात्रि को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है।

शव मिलने की खबर आग की तरह इलाके में फैल गई। इसके बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने इसकी सूचना तुरंत नजीबाबाद पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही नजीबाबाद थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर जिला मुख्यालय भेज दिया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष के आसपास लग रही है। हालांकि शव की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के लोगों और राहगीरों की मदद से मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शव की स्थिति को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह कहीं दूर से नहर में बहकर यहां तक आया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।15 जुलाई को 6:00 बजे जानकारी प्राप्त हुई

नजीबाबादः पूरनपुर गढ़ी के प्राचीन देवता स्थल पर तोड़फोड़, ग्रामीणों में आक्रोश, भारी फोर्स तैनात

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पूरनपुर गढ़ी में स्थित एक प्राचीन देवता स्थल पर कुछ शरारती तत्वों द्वारा तोड़फोड़ किए जाने की सूचना के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया। घटना की खबर मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश दिखाई दिया और मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। ग्रामीणों के अनुसार कुछ लोगों ने पूरनपुर गढ़ी में स्थित प्राचीन देवता स्थल पर

तोड़फोड़ की। स्थल को क्षतिग्रस्त देख उनमें आक्रोश फैल गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से वार्ता की और मामले को शांत कराया। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस क्षेत्राधिकारी आकांक्षा गौतम का कहना है कि चार नाबालिग व्यक्तियों द्वारा देवता स्थल की ईंटों को तोड़ा गया है नाबालिक युवकों से पूछताछ की जा रही है

पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

फिलहाल पूरे क्षेत्र में शांति है और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उप कृषि निदेशक की अध्यक्षता में किसान दिवस आयोजित, किसानों की समस्याओं का मौके पर हुआ समाधान

गौतमबुद्धनगर, 15 जुलाई 2026। शासन एवं जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में जनपद के किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को आयोजित होने वाले किसान दिवस का आयोजन बुधवार को विकास भवन स्थित उप कृषि निदेशक कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप कृषि निदेशक राजीव कुमार ने की। किसान दिवस में बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसानों ने भाग लेकर कृषि से जुड़ी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी और कृषि यंत्रीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक किया। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किस्त हस्तांतरण में आ रही समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि कई किसानों द्वारा सेल्फ रजिस्ट्रेशन के दौरान कृषि भूमि का विवरण सही ढंग से दर्ज नहीं किए जाने के कारण भुगतान में कठिनाई आ रही है। ऐसे किसानों को जन सुविधा केंद्र के माध्यम से 'अपडेट मिसिंग इंफॉर्मेशन' विकल्प का उपयोग कर भूमि संबंधी विवरण संशोधित एवं अद्यतन कराने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने किसानों से अपील की कि वे उर्वरकों

का उपयोग अपने सॉइल हेल्थ कार्ड की अनुशंसाओं के अनुसार ही करें, ताकि फसल उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहे। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अलावा सिंचाई, ऊर्जा, उद्यान, मत्स्य, दुग्ध विकास, पशुपालन तथा एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भाग लिया। इस दौरान किसानों की फार्मर रजिस्ट्री और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से संबंधित कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। कार्यक्रम के समापन पर उप कृषि निदेशक राजीव कुमार ने उपस्थित किसानों,

अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए किसान दिवस के सफल आयोजन की घोषणा की।

रटौल के सावेज का एसआइ पद पर चयन, कस्बे में खुशी

नगर पंचायत अध्यक्ष ने किया सम्मानित, युवाओं को मेहनत की दी प्रेरणा

समाज जागरण

चांदीनगर। उत्तर प्रदेश सब इंस्पेक्टर का रिजल्ट मंगलवार रात घोषित हुआ। इसमें रटौल के वार्ड शिवपुरी निवासी सावेज पुत्र शौकीन का एसआइ पद

पर चयन होने से कस्बे में खुशी की लहर है। सावेज ने अपनी पढ़ाई रटौल के सेंट मेरी इंटर कॉलेज से पूरी की है। रिजल्ट की खबर मिलते ही बधाई देने वालों का तांता लग गया। रात में ही नगर पंचायत अध्यक्ष हाजी मुंतजिर सावेज के घर पहुंचे और उसे मिठाई खिलाकर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। सावेज का संघर्ष रंग लाया है। उन्होंने अन्य युवाओं से भी प्रेरणा लेकर मेहनत करने की अपील की। इस अवसर पर बाऊदीन, नदीम, सेंकू, हसमत चौधरी, सभासद सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

ब्राह्मण समाज ने एसडीएम मनीष यादव को दी भावभीनी विदाई

स्थानांतरण पर शाल, बुका भेंट कर दी शुभकामनाएं, "समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते थे"

समाज जागरण

खेकड़ा। उपजिलाधिकारी मनीष यादव का कानपुर स्थानांतरण होने पर ब्राह्मण समाज और सर्व खाप 360 ने भावभीनी विदाई दी। चौधरी उमेश शर्मा प्रधान सर्व खाप खेकड़ा 360, ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा, महामंत्री आशु शर्मा और अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने एसडीएम को शाल, बुका, माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया।

"मृदुभाषी और कर्मठ अधिकारी थे मनीष यादव" जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा कि मनीष यादव ऐसे अधिकारी थे जो हमेशा आगे बढ़कर सम स्याओं का निस्तारण करते थे। सर्व खाप प्रधान चौधरी उमेश शर्मा ने कहा कि उनसे मिलकर हर फरियादी संतुष्ट होकर जाता था। ऐसे मृदुभाषी अधिकारी कम ही मिलते हैं। जनपद उन्हें हमेशा याद रखेगा। इस अवसर पर चौधरी संजय वशिष्ठ, चौधरी अशोक कौशिक, चौधरी देवेंद्र शर्मा, प्रबंधक नरेन्द्र शर्मा बसी, समाजसेवी अभिमन्यु गुप्ता, बार अध्यक्ष एडो हरिओम शर्मा, एडो आकाश शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गांव में अवैध असलहे से फायरिंग का वीडियो वायरल, दहशत

युवक की पहचान अनमोल पुत्र जयकुमार के रूप में, 30 जून को भी हुआ था फायरिंग का मामला

समाज जागरण

बागपत। बसी गांव में एक युवक द्वारा अवैध असलहे से फायरिंग करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से गांव में दहशत का माहौल है। वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान अनमोल पुत्र जयकुमार निवासी बसी के रूप में हुई है। वीडियो वायरल होते ही ग्रामीणों में आक्रोश और भय व्याप्त हो गया।ग्रामीणों का कहना है कि इसी युवक का नाम 30 जून को हुई फायरिंग की तहरीर में भी आया था, लेकिन अभी तक उस मामले में मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। लगातार सामने आ रही घटनाओं से गांव में असुरक्षा का माहौल है। पुलिस प्रशासन से ग्रामीणों ने मांग की है कि वायरल वीडियो के आधार पर तत्काल कार्रवाई कर आरोपी के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं और अवैध असलहों पर रोक लगाई जाए।

"वन और जल सुरक्षित तो हमारा जीवन सुरक्षित": नौरोजपुर गुर्जर में जितेंद्र भाटी ने किया पौधारोपण

"एक पेड़ मां के नाम" के तहत मंदिर प्रांगण में लगाए दर्जनों फलदार और छायादार पौधे, देखभाल पर दिया जोर

समाज जागरण बागपत।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र सिंह भाटी ने नौरोजपुर गुर्जर गांव स्थित शिव मंदिर प्रांगण में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया। पौधा लगाने के बाद उन्होंने कहा कि अगर वन और जल सुरक्षित है तो हमारा जीवन भी सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकारी विभागों से लेकर सामाजिक संस्थाएं जगह-जगह लाखों पौधे लगा रही हैं, लेकिन सिर्फ फोटो खिंचवाने से फायदा नहीं है। बागपत जनपद में भी हर वर्ष

लाखों पौधे लगाए जाते हैं, मगर लगाने के बाद उनकी देखभाल नहीं होती। जितेंद्र भाटी ने कहा कि पौधा लगाने के साथ उसकी देखभाल करना भी जरूरी है। इसी संकल्प के साथ उन्होंने अपने परिवार और गांव के लोगों के साथ मंदिर प्रांगण और अपने खेतों में दर्जनों फलदार व छायादार पौधे रोपित किए। इस अवसर पर अरुण प्रधान, संदीप भाटी, टीटू भाटी, देवेंद्र कश्यप, बीरमपाल, मुस्तकीम बिधूड़ी सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

उ०प्र०मा० शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने बागपत के स्कूलों में शिक्षकों से की मुलाकात

स्वराज पाल दुहूण ने मतदाता बनने का किया आह्वान, 3425 शिक्षक ही अब तक बन पाए मतदाता

समाज जागरण बड़ौत।

उ०प्र०मा० शिक्षक संघ के प्रान्तीय संरक्षक मण्डल के सदस्य स्वराज पाल दुहूण ने बागपत जनपद के जैन स्थानकवासी बालिका इण्टर कॉलेज बड़ौत, दिगम्बर जैन कन्या हाई स्कूल बड़ौत, के०एच०आर० इण्टर कॉलेज खामपुर-लुहारी, चौधरी चरणसिंह वैदिक इंटर कॉलेज फैजपुर निनाना और जनता इण्टर कॉलेज सूजरा में जाकर शिक्षक-शिक्षिकाओं से संपर्क किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संगठन की उपलब्धियों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जनपद बागपत में शिक्षक निर्वाचन हेतु अब तक केवल 3425 शिक्षक-शिक्षिकाएं ही मतदाता बन पाए हैं। कई शिक्षक अभी भी मताधिकार से वंचित हैं। उन्होंने अपील की कि सभी शिक्षक अपना आवेदन पत्र जिला विद्यालय निरीक्षक बागपत से अग्रसारित कराकर अपनी तहसील में जमा करा दें और मतदाता बनने को प्राथमिकता दें। इस दौरान जनपदीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तोमर भी साथ रहे।

बढ़ते मोटापे पर लगेगा ब्रेक, डॉ. मोहित भंडारी की टीम ने दी सेहत की सीख

बड़ौत में लगा निशुल्क मोटापा जांच शिविर, 50 किलो वजन घटाकर सभासद बने प्रेरणा

समाज जागरण

बड़ौत। बढ़ते मोटापे को लेकर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से वार्ड नंबर-8 के सभासद अतुल जैन "सोनू" की पहल पर पार्श्वनाथ मंदिर में निशुल्क मोटापा जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्व रिकॉर्ड धारक प्रसिद्ध बैरियाट्रिक एवं मेटाबोलिक सर्जन डॉ. मोहित भंडारी की टीम से डॉ. सुनील शर्मा ने 35 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की और मोटापे से होने वाली बीमारियों व आधुनिक उपचार की जानकारी दी। डॉ. सुनील शर्मा ने कहा कि मोटापे से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और जोड़ों की समस्या का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि अब अत्याधुनिक मोटापा उपचार लोगों के नजदीक उपलब्ध है, जिससे मरीजों को बड़े शहरों या विदेश नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि डॉ. मोहित भंडारी ने 13 घंटे 20 मिनट में 53 सर्जरी कर गिनीज बुक और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया है। उन्हें आईएफएसओ एंबेसडर अवार्ड-2019 सहित कई सम्मान मिल चुके हैं। वे अब तक 21 हजार से अधिक बैरियाट्रिक सर्जरी कर चुके हैं।सभासद अतुल जैन सोनू ने बताया कि उन्होंने आधुनिक उपचार और स्वस्थ जीवनशैली से करीब 50 किलोग्राम वजन कम किया है। उन्होंने कहा कि पहले मोटापे के कारण कई परेशानियां थीं, लेकिन अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। वे चाहते हैं कि लोग समय रहते जागरूक होकर उपचार लें। स्थानीय लोगों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि सभासद हमेशा जनहित के कार्यों में आगे रहते हैं। शिविर में पहुंचे लोगों ने संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में भी जानकारी ली।

सांसद के निर्देश के बाद जागौश में यमुना तट पर सिंचाई विभाग की टीम ने किया निरीक्षण, कार्य तेजी से जारी

अधिशासी अभियंता रजनीश कुमार बोले- 24 घंटे निगरानी, बाढ़ जैसी कोई स्थिति नहीं, मजदूरों व मशीनों से पत्थर डालने का काम प्रगति पर

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत तहसील क्षेत्र के जागौश गांव में यमुना नदी के तट पर पत्थरों की ठोकर लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है। बागपत लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान के निरीक्षण और दिशा-निर्देशों के बाद सिंचाई विभाग के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी कार्य क्षेत्र पर पहुंचा। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि यमुना तट पर चल रहे कार्य की 24 घंटे निगरानी की जाए। उनके निर्देश के बाद अधिशासी अभियंता रजनीश कुमार के नेतृत्व में सहायक अभियंता अनिल कुमार निमेष, कनिष्ठ अभियंता विकास भारद्वाज सहित सिंचाई विभाग की टीम जागौश गांव में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के खेतों तक पहुंची और निर्माण कार्य की बारीकी से जांच की।अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य तसल्लीपूर्वक और तेजी के साथ चल रहा है। क्षेत्र में अभी कहीं भी बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। हाल में हुई बारिश से कार्य कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ था, लेकिन अब उसे तेज कर दिया गया है। बड़ी संख्या में मजदूर ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ यमुना किनारे पत्थर डाल रहे हैं और जेसीबी मशीनों से कार्य कराया जा रहा है। सहायक अभियंता अनिल कुमार निमेष ने बताया कि टीम ने ग्रामीणों से भी जानकारी ली। गांव के किसान इस कार्य को अच्छा कदम बता रहे हैं। ब्लॉक प्रमुख पिलाना व ठेकेदार अनीश यादव ने बताया कि दिन-रात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में पत्थर भरकर यमुना किनारे डाले जा रहे हैं।अधिकारियों ने कहा कि सिंचाई विभाग की टीम लगातार दौरे पर है और प्रत्येक कार्य पर नजर रखी जा रही है। यदि ग्रामीणों की कोई समस्या सामने आती है तो उसका समाधान भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि हथिनीकुंड बैराज से अभी पानी छोड़े जाने की कोई संभावना नहीं है।

घर में मिला 35 वर्षीय युवक का शव, क्षेत्र में सनसनी

तीन दिन पुराना बताया जा रहा शव, पोस्टमार्टम के लिए भेजा, छपरौली पुलिस जांच में जुटी

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत तहसील क्षेत्र के गांव लूम्ब में एक युवक का शव उसके घर में मिलने से मंगलवार को सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची छपरौली थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।
मृतक की पहचान गांव निवासी सोनू (35) पुत्र सतपाल के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार सोनू की मौत करीब तीन दिन पहले हो चुकी थी। शव से दुर्गंध आने और शरीर में कीड़े पड़ने के बाद इसकी जानकारी हुई।बताया जा रहा है कि सोनू अविवाहित था और पिछले 10 वर्षों से हरियाणा में निजी नौकरी कर रहा था। वह करीब एक सप्ताह पहले ही अपने पैतृक घर लौटा था और घर में अकेला रह रहा था। उसकी माता का निधन लगभग 10 वर्ष पहले हो चुका है, जबकि पिता सतपाल हरियाणा के रोहतक में सब्जी और फलों की दुकान चलाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि घर में कई बार झगड़ा होता रहता था और मामला सोनू की प्रॉपर्टी से भी जुड़ा बताया जा रहा है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। युवक की मौत से गांव में शोक की लहर है और परिजनों व ग्रामीणों में गम का माहौल है।

कांवड़ यात्रा से पहले बिजरौल-बुढ़ाना-पुसार मार्ग पर गड्ढे भरने और साफ-सफाई का काम तेज

डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, 11 अगस्त को शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए लाखों कांवड़िये गुजरेंगे इस मार्ग से

समाज जागरण बड़ौत।

कांवड़ यात्रा को देखते हुए बड़ौत नगर के बिजरोल-बुढ़ाना-पुसार मार्ग पर सड़क के किनारे हुए गड्ढों में मिट्टी भरने और साफ-सफाई का काम शुरू कर दिया गया है। प्रशासन का उद्देश्य है कि इस मार्ग से गुजरने वाले कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। 30 अगस्त से सावन माह शुरू हो रहा है और 11 अगस्त को भगवान शिव पर जलाभिषेक किया जाएगा। शिव भक्त "बम बम भोले" के जयकारे लगाते हुए नीलकंठ, गंगोत्री, हरिद्वार उत्तराखंड से दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद सहित अन्य राज्यों के लिए लाखों की संख्या में कांवड़ लेकर इसी मार्ग से गुजरेंगे। कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने मार्गों की मरम्मत और सफाई अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी बागपत अस्मिता लाल और एसपी बागपत सूरज कुमार राय ने पुलिस बल के साथ इस मार्ग का निरीक्षण किया था। डीएम के दिशा-निर्देश पर तुरंत गड्ढे भरने का काम शुरू कराया गया। कांवड़ यात्रा शुरू होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। देहात क्षेत्र के लोगों ने सड़क पर चल रहे निर्माण कार्य को देखकर संतोष जताया है। कांवड़ मार्ग पर पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद है। क्षेत्राधिकारी अंशु जैन पुलिस प्रशासन के साथ इस मार्ग पर लगातार दौरा कर रही हैं।

सीएचसी बड़ौत में ग्रोवेल स्कूल की छात्राओं का एचपीवी टीकाकरण संपन्न

14 वर्ष आयु वर्ग की 08 छात्राओं को लगाया गया टीका, डॉ. सुरुचि शर्मा बोलीं- सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में प्रभावी

समाज जागरण बड़ौत।

समुदाय स्वास्थ्य केंद्र बड़ौत में ग्रोवेल स्कूल की 14 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं का एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 08 छात्राओं को एचपीवी का टीका लगाया गया। कार्यक्रम में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. सुरुचि शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजय कुमार, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर सचिन मलिक, जेएसआई से अमित कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. सुरुचि शर्मा ने कहा कि एचपीवी टीका सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम का एक प्रभावी एवं सुरक्षित माध्यम है। उन्होंने सभी पात्र बालिकाओं का समय पर टीकाकरण कराने का आह्वान किया और अभिभावकों से इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। सीएचसी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजय कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत बालिकाओं को एचपीवी टीका उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि समुदाय स्वास्थ्य केंद्र बड़ौत जनस्वास्थ्य से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ संचालित करता रहेगा। कार्यक्रम के सफल संचालन में ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर सचिन मलिक सहित सीएचसी
बड़ौत के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। टीकाकरण के दौरान सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किया गया और छात्राओं को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया गया।

लघु उद्योग भारती की मेरठ संभाग बैठक, संगठन विस्तार पर जोर

अधिकारी बदसलूकी करें तो तुरंत सूचना दें, एफआईआर तक होगी कार्रवाई" - अनुपम गुप्ता

समाज जागरण

बड़ौत। लघु उद्योग भारती मेरठ संभाग की बैठक मंगलवार की शाम एस एग्रो इंडस्ट्रीज, दिल्ली रोड पर हुई। बैठक की अध्यक्षता संभाग अध्यक्ष पवन सिंघल और संचालन संभाग महामंत्री अनुपम गुप्ता ने किया। पवन सिंघल ने कहा कि मेरठ संभाग में 14 जिले हैं और सभी जिलों में जाकर संगठन की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल कराया जाएगा। संभाग महामंत्री अनुपम गुप्ता ने कहा कि लघु उद्योग भारती हिंदुस्तान का सबसे बड़ा एमएसएमई संगठन है जिसके 11,008 इकाइयां हैं। उन्होंने कहा, "यदि कोई अधिकारी कार्य न करे या व्यवहार अच्छा न रखे तो तुरंत संभाग को सूचना दें। उसका इलाज तुरंत किया जाएगा।" अनुपम गुप्ता ने कहा कि कुछ लोग खुद को संगठन से बड़ा मानकर भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि डॉ. योगेश जिंदल ही लघु उद्योग भारती के जिलाध्यक्ष हैं और रहेंगे। उनकी सहमति के बिना कोई भी पदाधिकारी संगठन के नाम का प्रयोग करेगा तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। जिलाध्यक्ष डॉ. योगेश जिंदल ने कहा कि जो पदाधिकारी काम करने में असमर्थ हैं या उनके पास समय नहीं है, वे बताएं। उनकी सहायता के लिए नया पदाधिकारी नियुक्त कर दिया जाएगा, लेकिन संगठन के काम में शिथिलता नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अब हर महीने संगठन की मासिक बैठक होगी जिसमें फैक्ट्रियों की समस्याओं पर विचार कर समाधान किया जाएगा। बड़ौत, खेकड़ा और बागपत में संगठन बन चुका है और विस्तार जारी है। बैठक में सचिन जैन, सारांश गुप्ता, सुरेंद्र मित्तल, अंकुर जैन, अमित जैन, सुरेंद्र जैन, ओम प्रकाश गुप्ता सहित कई उद्यमी मौजूद रहे।

केवड़े का सुगंधित पौधा मानव सभ्यता से भी पुराना और हिमालय के निर्माण से भी पहले का है

पूर्वोत्तर राज्य असम के कोयला क्षेत्र से बरामद जीवाश्म पत्तियों से पता चला है कि अपनी सुगंध के लिए प्रसिद्ध केवड़े का पौधा, जिसका उपयोग मिठाइयों, पारंपरिक चिकित्सा और मंदिरों में भी किया जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप में कम से कम 24 मिलियन वर्षों से अस्तित्व में है और भारत के प्राचीन उष्णकटिबंधीय जंगलों अब भी मौजूद है।

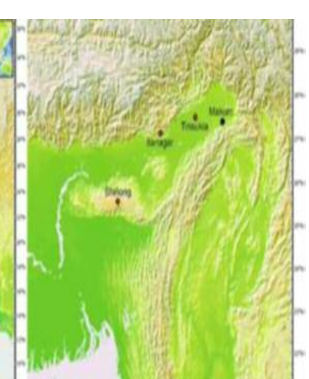

यह अध्ययन प्राचीन पादप वंशों के लिए एक शरणस्थल के रूप में भारत की भूमिका, जलवायु परिवर्तन के दौरान जैव विविधता के विकास के साथ-साथ भविष्य में पारिस्थितिकी तंत्र की प्रतिक्रियाओं को समझने में सहायक है।
वैज्ञानिकों ने भारत के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में मौजूद समृद्ध जीवाश्म वनस्पति की नियमित जांच और अध्ययन के माध्यम से, आधुनिक केवड़ा से उल्लेखनीय समानता दिखाने वाले जीवाश्म पत्तों की खोज की है। इसके जीवाश्म रिकॉर्ड विश्व स्तर पर अत्यंत दुर्लभ हैं।
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान, बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज (बीएसआईपी), लखनऊ के वैज्ञानिकों ने सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण केवड़े के विकास के इतिहास का पता लगाने का प्रयास किया है। हर्षिता भाटिया और गौरव श्रीवास्तव ने असम के माकुम कोयला क्षेत्र के टिका पर्वत संरचना से प्राप्त लगभग 24 मिलियन वर्ष पुराने चार संरक्षित जीवाश्म पत्तों को एकत्र किया और विस्तृत रूपात्मक और सूक्ष्मदर्शी विश्लेषणों का उपयोग करके उनका अध्ययन किया।
ये जीवाश्म आधुनिक केवड़ा के पत्तों से काफी मिलते-जुलते थे। इनमें वे सभी विशिष्ट विशेषताएं हैं जो आज भी आधुनिक केवड़ा पौधों में देखी जाती हैं, जिनमें लंबी तलवार के आकार की पत्तियां, समानांतर नसें और विशिष्ट किनारे वाले कांटे शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने इनकी तुलना हर्बेरिया और वानस्पतिक डेटाबेस में संरक्षित आधुनिक केवडा प्रजातियों के साथ-साथ विश्व के विभिन्न हिस्सों से पहले से दर्ज जीवाश्म अभिलेखों से की।
विश्वभर की आधुनिक प्रजातियों और जीवाश्म अभिलेखों के साथ विस्तृत तुलना से केवड़ा परिवार (पैंडानेसी) से उनकी समानता की पुष्टि हुई। इससे पता चलता है कि मनुष्यों के पृथ्वी पर आने से लाखों वर्ष पहले ही ही प्राचीन पादप वंश की उत्पत्ति भारत में हो चुकी थी।
इन पौधों के विकासवादी इतिहास और प्राचीन पर्यावरण के पुनर्निर्माण के लिए भूवैज्ञानिक, पुरावनस्पति विज्ञान और पुराजलवायु संबंधी साक्ष्यों को एकीकृत किया गया। आज, पैंडनस मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों तक ही सीमित है। हालांकि, यूरोप और उत्तरी अमेरिका से प्राप्त 85-66 मिलियन वर्ष पुराने जीवाश्म प्रमाण बताते हैं कि यह पौधे कभी उत्तरी गोलार्ध में कहीं अधिक व्यापक रूप से फैले हुए थे। लगभग 34 मिलियन वर्ष पहले वैश्विक जलवायु के ठंडा होने के साथ, ये पौधे धीरे-धीरे कई क्षेत्रों से लुप्त हो गए और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों तक ही सीमित रह गए।
असम से मिले जीवाश्म यह दशार्ते हैं कि भारत एक महत्वपूर्ण शरणस्थल था जहाँ यह प्राचीन वंश का पौधा जीवित रहा जबकि दुनिया के कई अन्य हिस्सों से विलुप्त हो गया। जियोबियोस पत्रिका में प्रकाशित इस खोज ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका (85-66 मिलियन वर्ष पूर्व) के पुराने जीवाश्म अभिलेखों को उष्णकटिबंधीय एशिया और ऑस्ट्रेलिया के नए अभिलेखों से जोड़कर इस पादप परिवार के विकासवादी इतिहास में एक महत्वपूर्ण कमी को पूरा किया है।

मंत्रिमंडल ने सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी - सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर उद्योगों को दीर्घकालिक नीतिगत समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण प्रणाली विकसित करने के लिए सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दे दी है। इसके लिए कुल 1,27,500 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है देश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र को निरंतर और दीर्घकालिक समर्थन की जरूरत को समझते हुए और सेमीकॉन 1.0 के तहत आई तेजी को बढाने के उद्देश्य से, सेमीकॉन 2.0 का लक्ष्य हमारे देश को विश्व के सेमीकंडक्टर मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करना है। सेमीकॉन 2.0 का उद्देश्य निम्नलिखित छह स्तंभों पर आधारित सेमीकंडक्टर प्रणाली का समग्र रूप से निर्माण करना है: पहला स्तंभ: डिजाइन: सेमीकॉन 2.0 चिप डिजाइन में मिली शुरूआती सफलता पर आधारित होगा। 105 स्टार्टअप पहले ही चिप्स विकसित करना शुरू कर चुके हैं और अब डिजाइन प्रणाली को और मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसके अलावा, रणनीतिक और व्यावसायिक उत्पादों के विकास के लिए मूलभूत तत्वों की पहचान की जा चुकी है। सेमीकॉन 2.0 के अंतर्गत, इस दृष्टिकोण के साथ आईपी (बौद्धिक संपदा), चिप्स के डिजाइन और प्रणाली को विकसित करने का लक्ष्य है। सेमीकॉन 2.0 के अंतर्गत किया गया कार्य भारत को सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन आईपी के क्षेत्र में एक प्रमुख देश के रूप में स्थापित करेगा। दूसरा स्तंभ: मशीनें और सामग्रियां: सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए आवश्यक मशीनों और सामग्रियों, रसायनों तथा गैसों के निर्माण के लिए अनुसंधान एवं विकास में शामिल कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इससे सेमीकंडक्टर उद्योग के सतत विकास की नींव रखी जाएगी। इससे देश में सटीक विनिर्माण उद्योग के विकास में भी मदद मिलेगी। तीसरा स्तंभ: अधिक फैब स्थापित करना: 2028 में पहले फैब के चालू होने की उम्मीद के साथ, भारत की सेमीकंडक्टर रणनीति में दुनिया का विश्वास बढ़ रहा है। चिप निर्माण के लिए भारत में अधिक निमार्ताओं को आकर्षित करने और फैब स्थापित करने के प्रयास किए जाएंगे। इनमें सिलिकॉन फैब, कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब, डिस्क्रीट कंपोनेंट फैब, डिस्प्ले फैब आदि शामिल होंगे। चौथा स्तंभ: एटीएमपी/ओएसएटी उद्योग को और मजबूत बनाना: एटीएमपी इकाइयों की सफलता के साथ, दुनिया अब एटीएमपी/ओएसएटी इकाइयां स्थापित करने के लिए भारत को एक वैकल्पिक स्थान के रूप में देख रही है।

भाजू में चार करोड़ की लागत से तैयार हुआ कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय,

-100 छात्राओं को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की सौगात

समाज जागरण
शामली। (फुरकान जंग)

जनपद की ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। ब्लॉक शामली के ग्राम भाजू में लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय (कक्षा 9 से 12) का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह विद्यालय आगामी शैक्षिक सत्र से छात्राओं के लिए शुरू होने जा रहा है। विद्यालय के संचालन से क्षेत्र की गरीब, वंचित एवं ग्रामीण परिवेश की बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। जिलाधिकारी आलोक यादव के निर्देश पर विद्यालय के संबंध में जानकारी देते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम भाजू में इस आवासीय विद्यालय का निर्माण कराया गया है। भवन निर्माण का कार्य ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, शामली द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा किया गया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में एक समय में 100 छात्राओं के रहने और पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। यहां कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, बल्कि आवास, भोजन, पुस्तकालय , अध्ययन कक्ष, आधुनिक कक्षाएं, स्वच्छ पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे दूर-दराज के गांवों की बालिकाओं को शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी और उनके स्कूल छोड़ने की समस्या भी काफी हद तक कम होगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पात्र छात्राओं के अभिभावक विभाग से संपर्क कर प्रवेश संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में बालिकाओं का नामांकन कराने की अपील करते हुए कहा कि यह विद्यालय बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक बालिका को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

शामली में 321 वाहनों के चालान, यातायात पुलिस ने नियमों का कराया पालन

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद में चलाए जा रहे "नो हेलमेट, नो तेल" अभियान के तहत बुधवार को यातायात पुलिस ने व्यापक कार्रवाई करते हुए 321 वाहनों के चालान किए। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया गया, वहीं पेट्रोल पंप संचालकों से बिना हेलमेट आने वाले वाहन चालकों को ईंधन न देने की अपील की गई। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस ने जनपद के प्रमुख चौराहों, बाजारों, पेट्रोल पंपों और सार्वजनिक स्थलों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराना रहा। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट

का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, यातायात संकेतों का सम्मान करने, गलत दिशा में वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने तथा शराब पीकर वाहन न चलाने की सलाह दी।यातायात पुलिस ने ऑटो-रिक्शा चालकों को भी निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न बैठाने, वाहन के सभी वैध दस्तावेज साथ रखने तथा यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करने के लिए जागरूक किया। इसके अलावा सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण न करने तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने का संदेश भी दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि "नो हेलमेट, नो तेल" अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे स्वयं भी यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और जनपद में सुरक्षित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था स्थापित हो सके।

सत्यनारायण इंटर कॉलेज में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

-शामली पुलिस ने छात्रों को बताए ऑनलाइन ठगी से बचाव के तरीके

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति छात्र-छात्राओं और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से थाना आदर्श मंडी पुलिस ने बुधवार को सत्यनारायण इंटर कॉलेज, शामली में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालय स्टाफ को ऑनलाइन ठगी के नए-नए तरीकों की जानकारी देते हुए सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह के निर्देशन एवं अपर पुलिस

अधीक्षक सुमित शुक्ला के मार्गदर्शन में जनपदभर में चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस टीम ने कहा कि तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का जागरूक और सतर्क रहना बेहद आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश योजनाएं, ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड, कस्टमर केयर फ्रॉड, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, व्हाट्सएप क्लोनिंग, फर्जी लोन ऐप, ऑनलाइन जॉब फ्रॉड, ओटीपी और यूपीआई फ्रॉड, क्यूआर कोड स्कैम, स्क्रीन शेयरिंग ऐप के दुरुपयोग, साइबर ब्लैक मेलिंग, फर्जी केवाईसी अपडेट तथा पार्सल स्कैम जैसे साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर ठग लोगों को लालच, डर या फर्जी पहचान के माध्यम से अपने जाल में फंसाते हैं, इसलिए किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा करने से पहले पूरी तरह जांच-पड़ताल करना जरूरी है। पुलिस टीम ने छात्रों को सलाह दी कि वे किसी भी व्यक्ति के साथ अपने बैंक खाते की जानकारी, एटीएम कार्ड नंबर, ओटीपी, यूपीआई पिन, सीवीवी नंबर, पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। इसके अलावा किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने, अनजान मोबाइल एप डाउनलोड करने या बिना सत्यापन के क्यूआर कोड स्कैन करने से भी बचने की हिदायत दी गई। सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी सीमित रखने और सभी महत्वपूर्ण ऑनलाइन खातों में टू-फैक्टर ऑथेन्टिकेशन सक्रिय करने की भी सलाह दी गई। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी दें। साथ ही बताया गया कि यदि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी या ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हों तो बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर पीड़ित की सहायता की जा सके।

किसान दिवस में गूंजीं किसानों की समस्याएं,

-डीएम आलोक यादव ने अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

समाज जागरण शामली।

कृषि विज्ञान केंद्र जलालपुर के सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे किसानों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने एक-एक कर किसानों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने

के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से निर्देशों का गंभीरता से पालन करते हुए किसानों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगवाने की बात कही।किसान दिवस के दौरान किसानों ने गन्ना भुगतान, एनएचएआई, विद्युत विभाग, पशुपालन, सिंचाई विभाग, जल निगम, प्रदूषण नियंत्रण तथा राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न समस्याएं उठाईं। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने के आदेश दिए। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार ने पूर्व किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों पर की गई कार्रवाई और उनके निस्तारण की विस्तृत जानकारी किसानों को दी। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी आलोक यादव ने कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके उपरांत उन्होंने केंद्र स्थित गन्ना हेल्थ सेंटर का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। किसान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल, उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार, जिला कृषि अधिकारी प्रदीप कुमार यादव, कृषि

विज्ञान केंद्र के डॉ. संदीप कुमार, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, किसान संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

उधार के दो लाख रुपये मांगने पर बहनोई-बहन पर मारपीट का आरोप, थाने में दी तहरीर

समाज जागरण कांधला।

कस्बे के मोहल्ला मुस्तफाबाद निवासी एक युवक ने अपनी बहन और बहनोई पर उधार के रुपये मांगने पर गाली-गलौज, मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कस्बे के मोहल्ला मुस्तफाबाद निवासी सलमान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व उसने अपनी भांजी की शादी के लिए अपने बहनोई सलीम को दो लाख रुपये नकद और करीब 50 हजार रुपये का सामान उधार दिया था। आरोप है कि पिछले दो वर्षों से वह लगातार अपने रुपये वापस मांग रहा है, लेकिन बहनोई और बहन टालमटोल करते आ रहे हैं।पीड़ित का आरोप है कि बुधवार को जब वह अपने दूसरे भाई के घर पर मौजूद था और उसने बहनोई से रुपये मांगे, तो बहनोई और बहन ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट की। साथ ही रुपये लौटाने से इनकार करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी।पीड़ित ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

केबल तार से किशोर की पिटाई का आरोप, मां ने थाने में दी तहरीर

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के कस्बा एलम के मोहल्ला सुभाष नगर निवासी एक महिला ने पड़ोसी पर उसके पुत्र के साथ केबल तार से मारपीट करने तथा विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।बुधवार को मोहल्ला सुभाष नगर निवासी रेशमा पत्नी राशिद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मामूली कहासुनी को लेकर पड़ोस के एक व्यक्ति ने उसके पुत्र के साथ केबल तार से मारपीट कर दी। शोर सुनकर जब वह अपने पुत्र को बचाने पहुंची तो आरोपी ने उसके साथ भी अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए वहां से भगा दिया।महिला का आरोप है कि आरोपी ने पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस पीड़ित महिला को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

ओबरा पुलिस की त्वरित कार्रवाई से साइबर ठगी के शिकार आवेदक को ₹20,000 की धनराशि कराई गई वापस

समाज जागरण/
आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रूणवाल के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ओबरा सदानन्द राय के नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस की साइबर टीम द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए साइबर ठगी के शिकार आवेदक सुमित गुप्ता पुत्र गौतम प्रसाद गुप्ता, निवासी सेक्टर-02, ओबरा, जनपद सोनभद्र के फ्रॉड हुए ₹20,000 सफलतापूर्वक वापस कराकर उनके बैंक खाते में उपलब्ध करा दिए गए।

धनराशि वापस मिलने पर आवेदक एवं उनके परिजनों ने थाना ओबरा पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए पुलिस टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। घटना का संक्षिप्त विवरण :- आवेदक द्वारा डछ पर अपनी पुस्तकों की बिक्री हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। इसी दौरान एक अज्ञात साइबर ठग ने खरीदार बनकर उनसे संपर्क किया तथा विश्वास में लेकर QR Code स्कैन करने पर दोगुना पैसा मिलने का झांसा दिया। ठग के बहकावे में आकर आवेदक द्वारा QR Code स्कैन करते ही उसके बैंक खाते से ₹20,000 की धनराशि धोखाधड़ीपूर्वक निकाल ली गई। घटना की सूचना प्राप्त होने पर थाना ओबरा पुलिस की साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक तकनीकी एवं विधिक प्रक्रिया अपनाई गई, जिसके परिणामस्वरूप आवेदक की पूरी ₹20,000 की धनराशि सफलता पूर्वक वापस कराई गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के परिणामों के हिस्से के रूप में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में गुणवत्ता आश्वासन को मजबूत करने के लिए एनसीवीईटी और एएसक्यूए ने आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के एक महत्वपूर्ण परिणाम के रूप में, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) और ऑस्ट्रेलियाई कौशल गुणवत्ता प्राधिकरण (एएसक्यूए) ने तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) के विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह आशय पत्र भारत और ऑस्ट्रेलिया की व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सहयोग को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत दोनों देशों के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन नियामकों के बीच संस्थागत साझेदारी को बढ़ावा दिया जाएगा।

भाकियू ने की हाईवे की स्ट्रीट लाइट, सफाई और अतिक्रमण हटाने की मांग

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

भारतीय किसान यूनियन ने जिलाधिकारी शामली को प्रार्थना पत्र देकर कस्बे की विभिन्न जन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। उन्होंने कहा कि समस्याओं के कारण आम लोगों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय किसान यूनियन के नगर अध्यक्ष रहीस पठान ने बताया कि करीब तीन माह पहले नेशनल हाईवे-709बी स्थित दिल्ली बस स्टैंड पर एक अज्ञात वाहन की टक्कर से स्ट्रीट लाइट क्षतिग्रस्त हो गई थी। उसी पोल पर पुलिस विभाग के सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं, लेकिन अब तक स्ट्रीट लाइट की मरम्मत नहीं कराई गई है। उन्होंने इसे सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर बताते हुए तत्काल ठीक कराने की मांग की।उन्होंने हाईवे पर बने नालों की सफाई न होने का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि बारिश के दौरान नाले ओवरफ्लो होकर गंदा पानी सड़क पर भर जाता है, जिससे

राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी होती है। साथ ही हाईवे की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें खराब होने से रात के समय अंधेरा बना रहता है।आगामी सावन माह को देखते हुए बड़ी नहर से रेलवे फाटक तक कांवड़ मार्ग पर प्रकाश और सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग भी की गई है। इसके अलावा वार्ड-17 स्थित तालाब की भूमि पर कथित अवैध कब्जे और फर्जी बैनामों की जांच कराकर भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग की गई।कस्बे की बदहाल सफाई व्यवस्था, जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर, अतिक्रमण, घरों के बाहर बने चबूतरों और रैंप हटाने की कार्रवाई कराने तथा नगर पालिका द्वारा बिजली के खंभों पर लगी स्ट्रीट लाइटों के दिन-रात जलते रहने की समस्या का समाधान कराने की भी मांग की है। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

दुकान में घुसकर फ्रिज-एसी मैकेनिक पर हमला, मारपीट के बाद नकदी लूटने का आरोप

समाज जागरण कांधला।

कस्बे में डिग्री कॉलेज के समीप स्थित फ्रिज एवं एसी रिपेयरिंग की दुकान में घुसकर आधा दर्जन से अधिक युवकों द्वारा दुकानदार पर हमला करने का पीड़ित दुकानदार ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की, गला दबाने का प्रयास किया और दुकान के गल्ले से नकदी लेकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल दुकानदार को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी उम्मेद पुत्र सकीम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी डिग्री कॉलेज के पास फ्रिज एवं एसी रिपेयरिंग की दुकान है। आरोप है कि सवेरे वह दुकान पर मौजूद था इसी दौरान आधा दर्जन से अधिक युवक दुकान में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित के अनुसार हमलावरों ने उसके सिर, नाक और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई वार किए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने रस्सी से उसका गला कसने का भी प्रयास किया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा।पीडित दुकानदार ने आरोप है कि जब उसे होश आया तो दुकान का सामान बिखरा पड़ा था और गल्ले में रखे करीब 4,800 रुपये गायब थे। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया, जहां उसे भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित ने आधा दर्जन से अधिक युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के अनुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दिन निकलते ही युवक पर डंडों से हमला, वीडियो वायरल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे के रेलवे मार्ग स्थित बड़ी नहर पुल के समीप बुधवार सुबह एक युवक पर कुछ युवकों ने डंडों से हमला कर दिया। बीच सड़क युवक को दौड़ाकर पीटने की घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।वायरल सीसीटीवी फुटेज में कई युवक हाथों में डंडे लिए एक युवक का पीछा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद हमलावर उसे सड़क पर दौड़ाकर पीटते नजर आते हैं। दिनदहाड़े हुई इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के दुकानदार मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से

पहले ही हमलावर फरार हो चुके थे।घटना के पीछे की वजह का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस की ओर से मामले की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी और न ही किसी पक्ष की तहरीर मिलने की जानकारी दी गई थी। और दिनदहाड़े हुई मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद कस्बे में पुलिस गश्त को लेकर भी चचाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार मारपीट और आपराधिक घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्लॉट का बैनामा न कराने का आरोप, प्रॉपर्टी डीलर पर कार्रवाई की मांग

समाज जागरण कांधला।

हरियाणा के पानीपत जिले के एक व्यक्ति ने क्षेत्र के एक प्रॉपर्टी डीलर पर लाखों रुपये लेने के बावजूद प्लॉट का बैनामा न कराने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।बुधवार को पानीपत जिले के गांव हाथवाला निवासी नसीम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने कांधला के शिवाला मार्ग स्थित इलियास नगर क्षेत्र में 300 गज का एक प्लॉट गाजियाबाद निवासी एक प्रॉपर्टी डीलर के माध्यम से खरीदा था। आरोप है कि उसने प्लॉट की पूरी कीमत अदा कर दी, जिसके बाद डीलर ने बैनामे के लिए आवश्यक

दस्तावेज भी तैयार करा लिए और उसे तहसील तक ले गया, लेकिन वहां पहुंचने के बाद बैनामा नहीं कराया।पीड़ित का आरोप है कि कई बार कहने के बावजूद आरोपी न तो प्लॉट का बैनामा करा रहा है और न ही उसकी रकम वापस कर रहा है। इससे उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पीड़ित ने आरोपी प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शराब के नशे में पति ने पत्नी को पीटा , घर से निकाला

समाज जागरण कांधला।

कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी एक महिला ने अपने पति पर शराब के नशे में मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।बुधवार को थाने पहुंची पीड़िता रमेशों ने पुलिस को बताया कि उसका पति शराब पीने का आदी है और आए दिन उसके तथा बच्चों के साथ मारपीट करता है। आरोप है कि बुधवार को भी पति ने शराब के नशे में उसके साथ जमकर मारपीट की और घर से बाहर निकाल दिया।पीड़िता ने आरोपी पति के

खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

जैन संतों का कालांवाली में मंगल प्रवेश, भक्ति और श्रद्धा के साथ हुआ भव्य स्वागत

समाज जागरण

कालांवाली, 15 जुलाई (सुरेश जोरासिया) एस.एस. जैन सभा कालांवाली के तत्वावधान में शाने पंजाब प्रवचन प्रभाविका महासाध्वी श्री श्रेष्ठा जी महाराज साहिबा एवं श्रमणी गौरव महासाध्वी डॉ. श्री चन्दना जी महाराज साहिबा (ठाणा-5) का कालांवाली में मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जैन समाज के श्रद्धालुओं ने नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप, मंगल गीतों एवं जयघोष के साथ साध्वी मंडल का भावभीना स्वागत किया।

मंगल प्रवेश से पहले महासाध्वी श्री श्रेष्ठा जी म.सा. एवं महासाध्वी डॉ. श्री चन्दना जी म.सा. बाईपास रोड स्थित संथारा साधक स्वर्गीय श्री रुलदू राम जैन के निवास पर उनके सुपुत्र लवलीन जैन के आवास पर सुखसाता पूर्वक विराजमान हुए। इस अवसर पर लवलीन जैन एवं सपना जैन ने साध्वी मंडल का स्वागत करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन एवं वंदन कर धर्मलाभ अर्जित किया। बुधवार प्रातः 6 बजे लवलीन जैन के निवास से महिला मंडल के नेतृत्व में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मंगल गीतों एवं जयघोष के बीच यात्रा एस.एस. जैन सभा भवन पहुंची, जहां महासाध्वी मंडल का मंगलमय चातुर्मास प्रवेश कराया गया। कलश यात्रा में निर्मला जैन, ऊषा जैन, बबीता जैन, सपना जैन, तनुजा जैन, रीटा जैन, सुलेखा जैन, नीलम जैन, मालती जैन, संजू जैन, कंचन जैन, बबली जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर सभा अध्यक्ष संदीप जैन, प्रदीप जैन, लवलीन जैन, मंगत राय जैन, राकेश कुमार गर्ग,पारस जैन, नरेश गर्ग जैन, पवन जैन, राकेश जैन, राजेंद्र जैन, जोरा जैन, शम्मी जैन, मक्खन जैन, सुखराम फत्तेवाला, लवलेश जैन, संजीव जैन, चरणदास चनी सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सभा अरिहंत फाउंडेशन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैन एकता मंच जिला अध्यक्ष एस एस जैन सभा कालावाली अध्यक्ष सन्दीप जैन ने बताया कि जैन धर्म में चातुर्मास को अत्यंत पवित्र एवं आध्यात्मिक साधना का काल माना जाता है। इस दौरान साधु-साध्वियां एक ही स्थान पर विराजमान रहकर धर्म प्रवचन, स्वाध्याय, तप, आराधना एवं संस्कारमय कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को धर्ममय जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। चातुर्मास अवधि में प्रतिदिन प्रवचन, सामायिक, प्रतिक्रमण, स्वाध्याय तथा विभिन्न धार्मिक आयोजन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चातुर्मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, संयम, सदाचार, अहिंसा, क्षमा एवं आत्मशुद्धि का अनुपम अवसर है।

31 साल बाद बदलेगी तस्वीर ! टिनशेड से निकलकर हाईटेक भवन में पहुंचेगा सिंचाई विभाग।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। विकास की कड़ी में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। जलेसर रोड स्थित ककरऊ कोठी चौराहे पर सिंचाई खंड फिरोजाबाद के नए आधुनिक कार्यालय भवन का भूमि पूजन सदर विधायक मनीष असीजा द्वारा किया गया। करीब 6 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह भवन 750 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित किया जाएगा।

यह अत्याधुनिक भवन भू-तल सहित तीन मंजिला होगा, जिसमें कुल 32 कक्ष बनाए जाएंगे। भवन में वेटिंग एरिया, मीटिंग हॉल, अधिशासी अभियंता कक्ष, सहायक अभियंता कक्ष, अवर अभियंता कक्ष, रिकॉर्ड रूम, कार्यालय कक्षों के साथ पुरुष एवं महिला शौचालय जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

भवन को आधुनिक तकनीक से लैस करते हुए सोलर पावर सिस्टम, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और फायर फाइटिंग सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा।

गौरतलब है कि वर्ष 1995 से सिंचाई खंड का कार्यालय टिनशेड में संचालित हो रहा था। नए भवन के निर्माण से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा, वहीं किसानों और आमजन को भी अधिक सुविधा जनक एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकेंगी। भूमि पूजन कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा, सत्यवीर गुप्ता, भगवानदास शंखवार, श्याम सिंह यादव, रविंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया न्यूज चैनलों पर कार्रवाई की मांग, एसपी को सौंपा ज्ञापन; मान्यता और लाइसेंस की जांच कराने की उठी मांग

समाज जागरण

पलवल/सिरसा/कालांवाली 15 जुलाई (सुरेश जोरासिया): पलवल जिले में संचालित कुछ फेसबुक और यूट्यूब न्यूज चैनलों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एक सामाजिक संगठन ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है। कि जिले में कुछ सोशल मीडिया आधारित न्यूज चैनल बिना वैध मान्यता के संचालित हो रहे हैं तथा चैनल की गतिविधियों की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। भीम आर्मी भारत एकता मिशन, जिला पलवल की ओर से पुलिस अधीक्षक को दिए गए ज्ञापन मैं कहा गया है कि जिले में कई फेसबुक और यूट्यूब न्यूज चैनल संचालित किए जा रहे हैं। संगठन ने मांग की है कि संबंधित चैनलों की वैधानिक स्थिति, मान्यता, लाइसेंस और कानूनी अधिकारों की जांच कराई जाए तथा यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है। तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में कुछ सोशल मीडिया न्यूज चैनलों के नामों का उल्लेख करते हुए उनकी जांच की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि यह जांच की जाए कि संबंधित चैनल समाचार प्रसारित करने के लिए अधिकृत हैं या नहीं तथा वे संबंधित कानूनों और नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं। संगठन ने अपने ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया है कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संचालित न्यूज चैनलों के माध्यम से एकतरफा समाचार प्रसारित किए जाते हैं, जिससे सरकारी विभागों और प्रशासन की छवि प्रभावित होती है।

साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ चैनलों पर ब्लैकमेलिंग जैसी शिकायतें भी सामने आती रही हैं। ज्ञापन में इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि सोशल मीडिया पर वायरल कुछ वीडियो का हवाला देते हुए संबंधित मामलों की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा मांग की गई है कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को पत्रकार बताकर कार्य कर रहा है तो उसकी वैध पहचान और संबद्धता की भी जांच की जाए। संगठन ने पुलिस प्रशासन से यह भी अनुरोध किया है कि जिन सोशल मीडिया न्यूज चैनलों के खिलाफ शिकायतें प्राप्त होती हैं, उन्हें सरकारी कार्यालयों और सरकारी कार्यक्रमों में प्रवेश देने से पहले उनकी वैधानिक स्थिति की जांच सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में भारतीय दंड संहिता (या लागू कानूनों) तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के प्रावधानों के तहत जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग भी की गई है। संगठन का कहना है कि यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय को सौंपे गए इस ज्ञापन में संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

दूसरी बार प्रदेश उपाध्यक्ष बने ब्रज वहादुर के प्रथम आगमन पर स्वागत।

लखनऊ से लौटते समय कठफोरी कट पर भाजपा कार्यकताओं ने किया स्वागत।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

शिकोहाबाद। प्रदेश की टीम में प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा पुनः प्रदेश उपाध्यक्ष का पद सौंपने से कार्यकताओं में खशी की लहर दौड़ गई। प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद जनपद में प्रथम आगमन पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनका कठफोरी कट पर ही जोशीला स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने ब्रजबहादुर भारद्वाज पर अपना विश्वास कायम रखते हुए उन्हें पुनः प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने उन्हें दोबारा प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। बुधवार को वह पुनः प्रदेश उपाध्यक्ष की ताजपोशी के बाद लखनऊ से आगरा के लिए रवाना हुए। जब इसकी जानकारी भाजपा कार्यकताओं को मिली तो बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए कठफोरी कट पर पहुंच गए। यहां पर कार्यकताओं ने उनका फूल माला और पटका पहना कर जोशीला स्वागत किया। स्वागत करने वालों में जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, विपिन गर्ग, राजीव गुप्ता, विवेक अग्रवाल, सतीश दिवाकर, रामनरेश कटारा, विजय प्रताप सिंह, शिवम दीक्षित, नीता धनगर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईजीआरएस डिफाल्टरों पर होगी कठोरतम कार्रवाई, 85% से कम संतुष्टि दर वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा: जिला मजिस्ट्रेट।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। जिला कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जनसुनवाई एवं आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) संदर्भों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण की स्थिति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी द्वारा की गई, जिसमें उन्होंने स्पष्ट और सख्त लहजे में चेतावनी दी कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित मामलों पर गंभीर रुख अपनाते हुए चिन्हित किया कि उप निदेशक कृषि और बाल विकास परियोजना अधिकारी एका के स्तर पर सर्वाधिक मामले डिफाल्टर श्रेणी में पाए गए हैं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन विभागों का संतुष्टि प्रतिशत 85% से कम पाया जाएगा, उनके संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि डिफाल्टर होने वाले अधिकारियों को दंडित किया जाएगा और असंतोषजनक निस्तारण की रिपोर्ट किसी भी आधार पर स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को स्मरण कराया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। अतः इस कार्य में की गई कोई भी लापरवाही अक्षम्य होगी। जिलाधिकारी ने इन सभी अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल अपनी कार्यप्रणाली सुधारने और लंबित संदर्भों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने की सख्त चेतावनी दी है। सुधार न होने पर इनके विरुद्ध तत्काल कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में इस बात पर गहरी नाराणा प्रकट की गई कि आईजीआरएस की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तैनात किए गए नोडल अधिकारियों (जैसे सीडीओ, एडीएम वित्त एवं राजस्व, एडीएम न्यायिक, एडीएम नमामि गंगे, व नगर मजिस्ट्रेट) और जिला स्तरीय सहायक नोडल अधिकारियों की आख्याएं समय से प्राप्त नहीं हो रही हैं।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल सक्रिय होकर अपनी आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि "जनता की समस्याओं का पारदर्शी, धरातलीय सर्वे और संतोषजनक समाधान हमारी पहली जिम्मेदारी है। सभी विभाग शिकायतकर्ता से सीधा संपर्क स्थापित कर लंबित मामलों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें।"

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी , उप जिलाधिकारी सहित जिला स्तर के सभी विभागीय नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरु के सानिध्य में आने से होता है कल्याण -- निर्भय सागर

समाज जागरण

फिरोजाबाद। आचार्य जी ने कहा जिंदगी में तीन मोड़ आते हैं बाल्यावस्था युवावस्था वृद्धावस्था। जो यह सोचते हैं कि मरने के बाद किसका क्या होगा वह पीछे ही रह जाते हैं और जो यह सोचते हैं कि समय पर मेरी इस आत्मा का क्या होगा है। वह अपने जीवन को सार्थक कर लेते हैं। वृद्धो में शक्ति कम है लेकिन आत्म शक्ति उतनी ही है जितनी एक युवा में उसे शक्ति को उद्घाटित करके संसार के कीचड़ से निकलना है गुरु के सानिध्य में अगर आ गए तो कल्याण हो जाएगा। जिस प्रकार एक मिट्टी पानी की संगति में आकर कीचड़ बन जाती है खेत में गन्ना की संगति में आकर मीठी हो जाती है और वही मिट्टी कुम्हार की संगति में आने पर मूर्ति बन जाती है। इस प्रकार आत्मा दर्जनों की संगति में आकर दुर्जन हो जाती है और सज्जनों की संगति में आकर के सज्जन बन जाती है परमात्मा की संगति में आकर परमात्मा बन जाती है। आचार्य जी ने कहा निज घर की बात को पर घर में प्रचार नहीं करना चाहिए। परिवार समाज और धर्म की बात को कभी कटघरे में नहीं ले जाना चाहिए यह सबसे बड़ा एक अपराध है। यह बात आचार्य श्री ने छड़मी लाल जैन मंदिर की धर्म सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के मध्य कहीं।

*जायंट्स ग्रुप ऑफ फिरोजाबाद "सशक्त नारी" द्वारा पूल पार्टी का आयोजन संपन्न।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जायंट्स ग्रुप ऑफ "सशक्त नारी" द्वारा सदस्यों के लिए एक शानदार एवं मनोरंजक पूल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की अध्यक्ष निधि जैन द्वारा दीप प्रज्वलन एवं जायंट्स बेल बजाकर किया गया। इसके उपरांत सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से जायंट्स प्रार्थना का वाचन किया। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए पूल में जमकर मस्ती की। रंग-बिरंगी पूल एक्सेसरीज, आकर्षक सजावट, संगीत और पानी की फुहारों के बीच सभी ने डांस किया, विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद लिया तथा खुशनुमा माहौल का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान हाउजी, ट्रेजर हंट, सरप्राइज एक्टिविटीज एवं कई रोचक गेम्स आयोजित किए गए, जिनमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संस्था की अध्यक्ष निधि जैन ने सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन करते हुए आकर्षक उपहार भेंट किए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन आपसी प्रेम, सहयोग, सामाजिक जुड़ाव एवं टीम भावना को सशक्त बनाते हैं।

कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन डी.ओ.ए. मेघा जैन एवं डी.ओ.एफ. अनु जिंदल के कुशल प्रबंधन एवं समन्वय में संपन्न हुआ। उनके सुनियोजित प्रयासों से आयोजन की प्रत्येक गतिविधि व्यवस्थित एवं आनंदपूर्ण रही, जिसकी सभी सदस्यों ने सराहना की। कार्यक्रम में गौरवी अग्रवाल, प्रीति गर्ग, रीता बंसल, ऋचा गर्ग, दिव्या दुबे सहित सभी सदस्यों ने पूल पार्टी का भरपूर आनंद लिया।

अंत में सभी ने स्वादिष्ट चाट, चाय एवं विभिन्न व्यंजनों का आनंद लेते हुए इस यादगार आयोजन को सुखद स्मृतियों के साथ संपन्न किया।

भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन और प्रीमियर विजन पेरिस ने भारत-ईयू वस्त्र सहयोग को प्रगाढ़ बनाने करने के लिए रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत की

भारत को वैश्विक वस्त्र स्रोत गंतव्य के रूप में स्थापित करने और द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने, नवाचार, स्थिरता, डिजाइन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए सहयोग

भारत और यूरोपीय संघ के बीच वस्त्र और परिधान व्यापार को मजबूत करने के लिए भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन (बीटीटीएफ) और प्रीमियर विजन घनिष्ठ संबंध बना रहे हैं, जिससे भारतीय निमार्ताओं, निर्यातकों और डिजाइनरों को वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही, यह वैश्विक ब्रांडों, खरीदारों और फैशन हाउसों को भारत के विविध और प्रतिस्पर्धी वस्त्र उद्योग से गहराई से जुड़ने में सक्षम बनाएगा। यह साझेदारी वस्त्र मूल्य श्रृंखला में नवाचार, स्थिरता, उत्कृष्ट डिजाइन, रुझानों की जानकारी और वैश्विक सोर्सिंग को भी बढ़ावा देगी। प्रेमिएर विजन एसए की फैशन डिवीजन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री फ्लोरेंस रूसन और भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन (बीटीटीएफ) के अध्यक्ष श्री नरेन गोयनका ने आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह की उपस्थिति में एलओआई आदान-प्रदान किया गया, जिन्होंने भारत टेक्स 2026 के उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। इस एलओआई वस्त्र और परिधान मूल्य श्रृंखला में भारत और फ्रांस के बीच संस्थागत सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सहयोग ऐसे समय में भी हो रहा है जब भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता सफलतापूर्वक संपन्न हुई है, जिससे भारतीय वस्त्र और परिधान निर्यातकों के लिए बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने कहा, "यह साझेदारी भारत टेक्स को एक सच्चे वैश्विक मंच के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारतीय लघु एवं मध्यम उद्यमों, पहली बार निर्यात करने वालों और निमार्ताओं को प्रमुख यूरोपीय खरीदारों से जुड़ने में मदद मिलेगी, साथ ही भारत की एक विश्वसनीय, नवोन्मेषी और टिकाऊ स्रोत के रूप में क्षमताओं का प्रदर्शन होगा।

यह भारत की बढ़ती भूमिका को वैश्विक वस्त्र मूल्य श्रृंखला में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भी मजबूत करता है।" इस हस्ताक्षर समारोह में भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, भारत टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के प्रतिनिधि, निर्यातक, अंतरराष्ट्रीय खरीदार, खरीद करने वाली कंपनियों, सोर्सिंग सलाहकार, उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्ति और वस्त्र मूल्य श्रृंखला के अन्य प्रमुख हितधारक भी उपस्थित थे। प्रीमियर विजन का पीवी पेरिस विश्व स्तर पर वस्त्र और फैशन सोर्सिंग प्रदर्शनियों में से एक प्रमुख प्रदर्शनी के रूप में मान्यता प्राप्त है और यह ट्रेंड फोरकास्टिंग, नवाचार और उत्कृष्ट डिजाइन के लिए एक प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय मंच है। पेरिस में हर दो साल में आयोजित होने वाला यह आयोजन वैश्विक फैशन और वस्त्र उद्योग के अग्रणी निमार्ताओं, ब्रांडों, डिजाइनरों, खरीदारों और सोर्सिंग पेशेवरों को एक साथ लाता है, जिससे उच्च-मूल्य वाले व्यावसायिक जुड़ाव, ज्ञान का आदान-प्रदान, टिकाऊ

सोर्सिंग और अत्याधुनिक सामग्रियों, प्रौद्योगिकियों और रचनात्मक विकासों की प्रस्तुति को बढ़ावा मिलता है। इस सहयोग से भारतीय निमार्ताओं, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), निर्यातकों और उभरते ब्रांडों को एक विश्व स्तर पर एक मान्यता प्राप्त मंच मिलेगा, जहां वे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, डिजाइनरों और फैशन हाउसों के समक्ष प्रीमियम वस्त्र, परिधान, सहायक

उपकरण, टेक्निकल टेक्सटाइल, टिकाऊ सामग्री और फैशन नवाचारों का प्रदर्शन कर सकेंगे।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में एक विश्वसनीय वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है

तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करते हुए भारत का सेमीकंडक्टर मिशन चिप डिजाइन से लेकर संपूर्ण विनिर्माण तक विस्तारित हो रहा है प्रगतिशील राज्य अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, छह राज्यों

में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 3 पहले ही चिप का उत्पादन शुरू कर चुके हैं भारत अब सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम 2.0 के माध्यम से 2035 तक 200 अरब डॉलर के घरेलू सेमीकंडक्टर बाजार को लक्षित कर रहा है, जो भारत में अधिक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है सेमीकंडक्टर पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, फिर भी ये आधुनिक जीवन के लगभग हर पहलू को शक्ति प्रदान करते हैं। यूपीआई भुगतान के लिए इस्तेमाल होने वाले स्मार्टफोन से लेकर शहरी सड़कों पर चलने वाले वाहनों, अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों, अंतरिक्ष में उपग्रहों और शासन व्यवस्था को सहारा देने वाले डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, छोटे सेमीकंडक्टर चिप आज की कनेक्टेड दुनिया की नींव बन गए हैं। जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी प्रौद्योगिकियां दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही हैं, वैसे-वैसे दुनियाभर में सेमीकंडक्टर की मांग अभूतपूर्व गति से बढ़ रही है। भारत के लिए यह एक अवसर और रणनीतिक अनिवार्यता दोनों है। पिछले एक दशक में दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकोसिस्टम में से एक का निर्माण करने के बाद देश अब एक व्यापक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करके अपनी तकनीकी यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम 2.0 के माध्यम से सरकार चिप निर्माण से परे अपना ध्यान संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित कर रही है, जिसमें डिजाइन और निर्माण से लेकर उन्नत पैकेजिंग, सामग्री, उपकरण, अनुसंधान और कुशल प्रतिभा शामिल हैं - जिससे लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं, उच्च-मूल्य वाले रोजगार और दीर्घकालिक तकनीकी आत्मनिर्भरता की नींव रखी जा सके। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में एक दशक की वृद्धि के आधार पर आगे बढ़ना भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरना इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निरंतर सुधारों पर आधारित है। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति, एसपीईसीएस, ईएमसी 2.0, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना

और इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) सहित क्रमिक नीतिगत पहलों ने इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और

विनिर्माण (ईएसडीएम) इकोसिस्टम को रूपांतरित कर दिया है।

पिछले ग्यारह वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में सात गुना, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में ग्यारह गुना, मोबाइल फोन उत्पादन में बत्तीस गुना और मोबाइल फोन निर्यात में 165 गुना वृद्धि हुई है। भारत आज विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निमार्ता है, जो देश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण की ओर अग्रसर करने के लिए एक मजबूत विनिर्माण आधार प्रदान करता है। प्रगतिशील राज्य भारत के सेमीकंडक्टर विकास का नेतृत्व कर रहे हैं प्रगतिशील राज्य भारत के सेमीकंडक्टर विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, जहां छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है । तीन संयंत्रों में पहले ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो चुका है, जबकि दो अन्य संयंत्रों में वर्ष के अंत तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है, जिससे देश के विनिर्माण इकोसिस्टम का

और विस्तार होगा। भारत मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना से प्रेरित होकर लगातार एक विश्वसनीय सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है

आधार कार्ड के अभाव में वनवासी बच्चे शिक्षा ,कल्याणकारी योजनाओं से वंचित।

*सैकड़ों वनवासी परिवारों के पास आधारकार्ड नदारद। योजनाओं से वंचित।

समाज जागरण अनिल कुमार हरहुआ वाराणसी।

डिजिटल के इस दौर में आधारकार्ड जैसे फोटो पहचान पत्र का महत्वपूर्ण स्थान है,अगर आपके पास आधार कार्ड है और वह मोबाइल नंबर से लिंक है तो आप देश के किसी भी कोने से पैसे की निकासी सहित सभी कल्याणकारी योजनाओं सहित महत्वपूर्ण कार्य आसानी से कर सकते हैं। मगर वाराणसी जिला अंतर्गत विकास खंड हरहुआ सेवापुरी,पिंडरा,बड़ागांव, एवं अराजी लाईन अंतर्गत वनवासी बस्ती भटपुरवा,करोमा,आयर कोइरीपुर, तेंदुई,,मारुडीह और श्रवणपुर के सैकड़ों वनवासी परिवारों का आज तक आधारकार्ड बना ही नहीं है,ये ऐसे वनवासी हैं जिनकी उम्र 14 साल से 37 साल के बीच है। कुछ वनवासी बस्तियों में बच्चे इसलिए नहीं विद्यालय जा पा रहे हैं क्योंकि उनका भी कभी आधारकार्ड पंजीकरण ही नहीं हुआ है,जिस वजह से उन होनहार बच्चों का विद्यालय में नामांकन नहीं हो पा रहा है। आधारकार्ड जब तक नहीं बन पाता, तब तक वनवासी परिवारों के बच्चे विद्यालय के दहलीज तक पहुंच ही नहीं सकते।आदर्श फाउंडेशन के सचिव सुरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आधारकार्ड के अभाव में अधिकतर मातृशक्तियां एवं युवा, किशोर सरकार की कल्याण कारी योजनाओं से नहीं जुड़ पा रहे हैं। वाराणसी जिला के सभी विकास खंडो में चार दर्जन से ज्यादा ऐसे बच्चे हैं जो आधारकार्ड के अभाव में शिक्षा की मुख्य धारा से वंचित हैं।

जिलाधिकारी वाराणसी से अपील किया है कि समाज की मुख्य धारा से वंचित वनवासी परिवारों का जन्म प्रमाणपत्र जारी करवाते हुए इनके आधारकार्ड पंजीकरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन करवाने का इंतजाम करें, ताकि सदियों से समाज की मुख्यधारा से वंचित वनवासी परिवारों को मुख्यधारा में शामिल किया जा सके।आधारकार्ड बन जाने से इनके बच्चे पढ़ेंगे और आगे भी बढ़ेगे 'साथ ही वनवासी परिवार समाज की मुख्य धारा में जुड़ कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे।

31 जुलाई तक मिलेगा गृहकर, जलकर और सीवरकर में छूट का लाभ

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी ।। नगर निगम ने गृहकर, जलकर और सीवरकर में मिलने वाली मिलने वाली छूट की समय-सीमा को बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया है। पहले छूट प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई थी, जो बुधवार को समाप्त हो रही थी। स्थानीय नागरिकों के अनुरोध पर महापौर अशोक कुमार तिवारी व पार्षदों ने जनहित को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से छूट की मियाद को बढ़ाने का निर्णय लिया है। महापौर के इस फैसले से लाखों उन भवन स्वामियों को राहत मिल गई जो किन्हीं कारणवश अब तक संपत्तिकर नहीं जमा कर सके थे ।

नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि कार्यकारिणी की संस्तुति के आधार पर शहर के 2.33 लाख भवन स्वामियों को वर्तमान वित्तीय वर्ष (2026-27) में सात मई से टैक्स जमा करने वाले नागरिकों को मुख्य रूप से 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। वहीं डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन माध्यमों से भुगतान करने पर दो प्रतिशत की अतिरिक्त रियायत दी जा रही है। ऐसे आनलाइन टैक्स जमा करने पर 12 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। भवन स्वामी अपने मोबाइल से बेहद आसान तरीके से घर बैठे टैक्स जमा कर सकते हैं।

धान और ढेंचा का बीजपा कर किसान खुश

समाज जागरण रंजीत तिवारी वाराणसी।।

क्षेत्र के चांदीतारा नियामताबाद गांव में बुधवार को एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पहुंचे तकनीकी कृषि सहायक निशांत मिश्रा ने उपस्थित किसानों को ढैंचा बीज का वितरण किया। विभाग की ओर से एक एकड़ से लेकर उससे अधिक जोत वाले किसानों को पात्रता

के अनुसार बीज मुहैया कराया गया। निशांत मिश्रा ने बताया कि धान की रोपाई से पहले खेतों में ढैंचा बोना बेहद फायदेमंद होता है। यह एक बेहतरीन हरी खाद का काम करता है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति (उपजाऊ क्षमता) बढ़ती है और रासायनिक खादों पर निर्भरता कम होती है। गौरतलब है कि बीते कुछ समय से आर्थिक तंगी और बजट की मार के कारण क्षेत्र के कई छोटे व सीमांत किसान बाजार से महंगा ढैंचा बीज खरीदने में असमर्थ थे। इस वजह से वे अपने खेतों में हरी खाद नहीं डाल पा रहे थे। सरकार की ओर से मुफ्त में और बिल्कुल सही समय पर बीज उपलब्ध हो जाने से किसानों में भारी खुशी की लहर है। अब पैसे की कमी से जूझ रहे गरीब किसान भी अपने खेतों में ढैंचा की बोआई कर सकेंगे, जिससे आगामी धान की फसल की पैदावार बेहतर होगी।

स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली, शिक्षा का दिया संदेश

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। स्थानीय विकास खंड के ग्राम सभा हरहुआ स्थित प्राथमिक विद्यालय एवं कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय द्वितीय से बुधवार सुबह स्कूल चलो अभियान एवं निपुण महोत्सव के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, विद्यालय से बाहर बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना तथा अभिभावकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति जागरूक करना रहा।

सुबह करीब 8:30 बजे विद्यालय परिसर से शुरू हुई रैली में छात्र-छात्राएं हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां लेकर कतारबद्ध होकर हरहुआ डीह की गलियों से गुजरे। इस दौरान बच्चों ने शिक्षा के महत्व को लेकर आकर्षक नारे लगाए। रैली में गूंज रहे नारों में "पढ़ी-लिखी लड़की, रोशनी है घर की", "हम बच्चों का नारा है, शिक्षा अधिकार हमारा है", "कोई न छूटे अबकी बार, शिक्षा है सबका अधिकार", "आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे" तथा "दीप से दीप जलाएंगे, साक्षर देश बनाएंगे" जैसे संदेश लोगों का ध्यान आकर्षित करते रहे।

रैली के दौरान ग्रामीणों और अभिभावकों से अपने बच्चों का नियमित रूप से विद्यालय में नामांकन कराने तथा उन्हें प्रतिदिन स्कूल भेजने की अपील की गई। शिक्षकों ने बताया कि सरकार की मंशा है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और प्रत्येक विद्यार्थी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान प्राप्त कर निपुण बने।

प्रधानाध्यापिका सरिता चौरसिया ने कहा कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश्य केवल नामांकन बढ़ाना नहीं, बल्कि बच्चों में नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करने और उन्हें नियमित विद्यालय भेजने का आग्रह किया। रैली में प्रधानाध्यापिका सरिता चौरसिया के साथ सीमा यादव, नुजहत जहाँ, विनीता कन्नौजिया, रमेश सिंह, संयोगिता, बबिता तिवारी, शशिवाला, मनोज

पाण्डेय, मो. फहीम, हेमलता सिंह सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक शामिल रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के प्रति जागरूकता का उत्साह देखने को मिला।

सीवर पाइप लाइन से दूर होगी जलजमाव की समस्या

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। आराजी लाइन विकास खंड के ग्राम पंचायत चौखंडी में वर्षों से चली आ रही जलजमाव की समस्या के समाधान की दिशा में ग्राम प्रधान रामबाबू की पहल रंग लाती दिख रही है। चौखंडी चौराहा स्थित पानी की टंकी के समीप रामेश्वर मार्ग मोड़ पर हल्की बारिश के बाद सड़क पर जलभराव हो जाता था, जिससे सड़क तालाब का रूप ले लेती थी। इस कारण स्कूली बच्चों, राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को आए दिन दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता था। समस्या के स्थायी समाधान के लिए ग्राम प्रधान रामबाबू ने वर्षा जल निकासी हेतु करीब 105 मीटर लंबी सीवर पाइप लाइन बिछाने का प्रस्ताव ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. महेंद्र सिंह पटेल को दिया। प्रस्ताव पर संज्ञान लेते हुए उसे स्वीकृति प्रदान की गई। बुधवार को ग्राम प्रधान की मौजूदगी में लगभग 38 से 40 सीवर पाइप मौके पर पहुंचाए गए और पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू कराया गया। ग्राम प्रधान रामबाबू ने बताया कि चौखंडी चौराहे से प्रतिदिन हजारों लोग रामेश्वर की ओर आवागमन करते हैं। बारिश के दौरान जलभराव होने से लोगों को काफी परेशानी होती थी और कई लोग फिसलकर घायल भी हो जाते थे। इसी को देखते हुए वर्षा जल की निकासी की व्यवस्था कराई जा रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पाइप लाइन के माध्यम से केवल बारिश के पानी की निकासी होगी। किसी भी घर के सीवर का पानी इसमें नहीं छोड़ा जाएगा। वर्षा जल को जिस सरकारी तालाब में पहुंचाया जाएगा, वह तालाब उपजिलाधिकारी (एसडीएम) राजातालाब द्वारा मत्स्य पालन के लिए पट्टे पर दिया गया है। इसलिए केवल वर्षा जल की निकासी की ही व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि अब बारिश के दिनों में चौखंडी चौराहे पर जलजमाव की समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित हो सकेगा।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन

समाज जागरण रंजीत तिवारी वाराणसी।।

जन शिक्षण संस्थान, नरायनपुर, शिवपुर वाराणसी द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन बुधवार को संस्थान परिसर में किया गया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेंद्र कुमार राणा,सहायक आयुक्त, लघु, मध्यम एवं सूक्ष्म उद्योग, वाराणसी थे। इस कार्यक्रम को प्रारंभ करते हुये संस्थान के निदेशक आनन्द कुमार द्विवेदी ने उपस्थित लाभार्थियों एवं मुख्य अतिथि को अवगत कराया कि जन शिक्षण संस्थान भारत सरकार की सबसे पुरानी और निरंतर 1967 से संचालित होने वाली योजना है। संस्थान द्वारा 15से 45 वर्ष तक के महिला एवं पुरुषों के कौशल विकास हेतु कंप्यूटर,ड्रेस मेकिंग, ब्यूटीशियन, सोलर टेक्नीशियन, योगा सहायक, जूट क्राफ्ट, असिस्टेंट हेल्थ केयर इत्यादि सेक्टर में युवाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार, रोजगार, नौकरी करने योग्य प्रशिक्षण के साथ -उद्यमिता का प्रशिक्षण देते हुए लाभार्थियों के समग्र विकास हेतु कार्य करता है। आज हम लोग विश्व युवा कौशल दिवस को मनाने हेतू संस्थान के प्रांगण में उपस्थित हुए है।

15जुलाई 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा युवाओं को सशक्त करने हेतु उन्हें कौशल, तकनीकी एवं उद्यमशीलता को बढ़ावा देने हेतु इस दिवस को पूरे सदस्य देशों हेतू मनाने का आग्रह किया और उसी क्रम में हमलोग यहां उपस्थित है। मुख्य अतिथि ने उपस्थित लोगो को अपने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में अवगत कराया विशेषकर पी एम जी पी एवं मुख्य मंत्री युवा उद्यमी योजना से जुड़कर लाभ ले और बैंकों से उतना ही ऋण ले जिसे आसानी से वापस किया जा सके साथ ही यदि आप मुझसे कभी भी मेरे कार्यालय में मिलकर आप जो भी सहयोग मेरे योग्य होगा आप लोगों के लिए करूगा साथ ही सभी लाभार्थियों से अपील की, कि आप अपने को नयी तकनीकों से अपने को अपग्रेड करते रहे तभी आशातीत सफलता मिलेगी।इस अवसर पर संस्थान द्वारा प्रशिक्षित 60 लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं अपना रोजगार /स्वरोजगार प्रारंभ कर चुके लाभार्थियों रुचि पटेल,सरिता यादव ,ऋतु पटेल, साक्षी गोस्वामी एवम् तन्मय श्रीवास्तव को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिषेक सिंह, डा दीप्ति सिंह,अनुज प्रताप सिंह,विनीता श्रीवास्तव ,प्रिया मिश्रा रामजी यादय ने सहयोग किया । कार्यक्रम का संचालन पंकज शर्मा ,सहायक कार्यक्रम अधिकारी ने किया ।अमित कुमार गौरव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ आज के कार्यक्रम का समापन हो गया।

हरहुआ पुलिस ने मूक बधिर भटकते बालक को परिजनों तक पहुंचाया

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। थाना बड़ागांव क्षेत्र के हरहुआ रिंग रोड चौराहै पर मंगलवार को देर रात गश्त के दौरान हरहुआ पुलिस ने एक गुमशुदा 11 वर्षीय मूक-बधिर बालक को सुरक्षित बरामद कर उसकी पहचान कराने के बाद सकुशल परिजनों तक पहुंचा दिया। चौकी प्रभारी हरहुआ विवेकानन्द द्विवेदी के अनुसार गश्त व चेकिंग के दौरान रिंग रोड चौराहे पर मंगलवार को देर रात भटकता हुआ बालक के सड़क पर अकेले मिलने पर पुलिस ने उसे सुरक्षित संरक्षण में लेकर हरहुआ चौकी लाया गया।भूखे बालक को खाना खिलाया।सोशल मीडिया पर मय फोटो सहित कई ग्रुपों पर शेयर के बाद लोहता थाना क्षेत्र के चौकी कोटवां द्वारा अवगत कराया गया कि बालक नशीम अख्तर पुत्र जैनुल आब्दीन उम्र 11 वर्ष कोटवां ,लोहता मेरे क्षेत्र का है। त्वरित कार्यवाही करते हुए कोटवां के हेड कांस्टेबल रविन्द्र नाथ को बुलाकर बालक को सौंप दिया। परिजन बच्चे को देखकर जहाँ खुशी के आंसू नहीं रोक पाए वहीं काफी खुश हुए और पुलिस विभाग की तारीफ किया।

दहेज न देने पर विवाहिता को घर से निकला परिजनों ने दी थाने में तहरीर

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने पति सास ससुर और अन्य के खिलाफ पीड़िता का आरोप है कि दहेज मे रुपये की मांग पूरी न करने पर उसके साथ मारपीट की गई और घर से निकाल दिया गया। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के ड्रमंडगंज गांव निवासी रूपा ने प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी शादी पिछले वर्ष रानीगंज कुमार थाना ड्रमंडगंज के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। शादी में उसके माता-पिता ने हैसियत के अनुसार दान-दहेज व नकद एक लाख रुपये भी दिए थे। पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद से ही पति शनि कुमार, ससुर कुल्लू, सास प्रेमादेवी व ननद खुशी देवी दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। वे लोग पांच लाख रुपये की मांग कर रहे थे और न देने पर जान से मारने की धमकी देते थे। तहरीर के अनुसार, 13 जुलाई की रात करीब 8:00 बजे पति, सास, ससुर व ननद ने मिलकर उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की। आरोप है कि ससुराल वालों ने उसका गहना छीन लिया और रात में ही घर से निकाल दिया। पीड़िता ने किसी तरह अपनी जान बचाई और मायके पहुंची।पीड़िता ने बताया कि घटना के समय उसने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची थी लेकिन तब तक आरोपी घर के अंदर बंद हो गए थे। पीड़िता रूपा देवी ने थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज से रिपोर्ट दर्ज कर पति, सास, ससुर व ननद के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में एमपी के दो युवकों की मौत

समाज जागरण

मीरजापुर /लालगंज थाना क्षेत्र के तुलसी गांव के ओवरब्रिज पर बुधवार को सड़क हादसे में मध्य प्रदेश के दो युवकों की मौत हो गई। यह घटना वाराणसी-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 पर स्थित एक ओवरब्रिज पर हुई। हादसे में इंदौर की एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका मंडलीय अस्पताल मीरजापुर में इलाज चल रहा है। लालगंज थाना क्षेत्र के तुलसी गांव में वाराणसी-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग के ओवरब्रिज पर एक अनियंत्रित बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इस दुर्घटना में मध्य प्रदेश के मऊगंज निवासी 30 वर्षीय सुशील साकेत और 31 वर्षीय संजय चतुवेर्दी की मौके पर ही मौत हो गई। घायल महिला की पहचान इंदौर निवासी 28 वर्षीय रुपाली, पत्नी संजू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुशील साकेत और संजय चतुवेर्दी रुपाली के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर वाराणसी से मध्य प्रदेश की ओर जा रहे थे। ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई, जिससे सभी सवार सड़क पर गिरकर अचेत हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस और पुलिस हेल्पलाइन 112 को सूचना दी। एंबुलेंस पहुंचने तक सुशील और संजय की मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल रुपाली को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों की पहचान कर उनके परिजनों को सूचित किया और शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है।

जी.डी. बिनानी पी.जी. कॉलेज, भरूहना में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

समाज जागरण

मीरजापुर / उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की कार्य योजना 2026-27 के अनुपालन में तथा जिला प्रोबेशन विभाग, मीरजापुर के संयुक्त तत्वावधान में आज जी.डी. बिनानी पी.जी. कॉलेज भरूहना, मीरजापुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर श्री आनन्द कुमार द्वितीय द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं महिलाओं को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित कानूनों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में कार्ययोजना के अंतर्गत "बेटी बचाओ", "महिला सशक्तिकरण हेतु संचालित सरकारी योजनाएँ", "बाल संरक्षण एवं बच्चों के अनुकूल कानूनी सेवाएँ" तथा "महिला सशक्तिकरण एवं महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनों के प्रचार-प्रसार" विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

अपने संबोधन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर श्री आनन्द कुमार द्वितीय ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना कानून तथा समाज दोनों की समान जिम्मेदारी है। बेटी को जीवन, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार दिलाना है, हमारे देश में बेटियों ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। चाहे विज्ञान हो, खेल हो, सेना हो, प्रशासन हो, चिकित्सा हो या अंतरिक्ष आज भारतीय बेटियाँ हर क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। हम युवा पीढ़ी समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। महिलाओं को उनके विधिक अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। यह भी बताया कि महिलाओं सहित पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है। साथ ही स्थायी लोक अदालत एवं मध्यस्थता केन्द्र के माध्यम से विभिन्न प्रकार के विवादों का सरल, सुलभ एवं त्वरित निस्तारण कराया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन विभाग की ओर से महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा महिलाओं एवं छात्राओं को निःशुल्क सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में जी.डी. बिनानी पी.जी. कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. राजमोहन शर्मा उपस्थित छात्राओं और महिलाओं को महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरूक किया तथा यह भी कहा कि महिलाओं और पुरुषों में कोई भेदभाव नहीं करना चाहिए। हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम किसी भी प्रकार के लैंगिक भेदभाव का विरोध करेंगे, बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ

आवाज उठाएँगे और अपने आसपास के लोगों को बेटियों के सम्मान और शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे। कार्यक्रम का संचालन मंजू यादव, डी.एम.सी.. महिला कल्याण विभाग, मीरजापुर द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रो. अत्रेयी आद्या चटर्जी, पूजा मौर्या (प्रबन्धक, वन स्टॉप सेंटर), शालिनी देवी (हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन), सुनील सोनी (वरिष्ठ लिपिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण), पीएलवी जय प्रकाश सरोज तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं महिला कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में छात्राओं एवं प्रतिभागियों से महिलाओं के अधिकारों, बाल संरक्षण एवं विधिक सेवाओं के संबंध में प्राप्त जानकारी को समाज के अन्य लोगों तक पहुँचाने का आह्वान किया गया, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर विधिक सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

एसडीएम अनेग सिंह ने चुनार तहसील में संभाला कार्यभार

समाज जागरण

मीरजापुर /चुनार शासन द्वारा स्थानां तरण आदेश जारी होने के बाद उप जिलाधिकारी (एसडीएम) अनेग सिंह ने चुनार तहसील पहुंचकर विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। इससे पूर्व वह मड़िहान तहसील में उप जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत थे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद एसडीएम अनेग सिंह ने तहसील के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ परिचय बैठक की और राजस्व एवं जनहित से जुड़े मामलों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप आम जनता को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व संबंधी प्रकरणों का निष्पक्ष निस्तारण, कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा जन शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। तहसील परिसर में आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाएगा और उनका शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा। कार्यभार ग्रहण के दौरान तहसीलदार इवेन्द्र सिह, नायब तहसीलदार अमित सिंहक सहीत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

संदिग्ध मौत मामले में पति हिरासत में, जांच जारी

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के गदियाना गांव में बुधवार दोपहर 20 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। विवाहिता का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू की मर्चरी भेज दिया। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने पति समेत ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार, मृतका 20 वर्षीय सुनीता पत्नी प्रेमकुमार की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व हुई थी। बुधवार दोपहर उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।मृतका के पिता महेश कुमार पुत्र रघुबर, निवासी गदियाना,

थाना मोहनलालगंज, ने अपनी पुत्री की हत्या किए जाने का आरोप पति प्रेमकुमार समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर लगाया है। परिजनों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।मोहनलालगंज कोतवाली प्रभारी रामबाबू सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के पति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में कानून व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है।

शहडोल रंगमंच के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि: मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय में पहली बार तीन युवा कलाकारों का चयन

समाज जागरण

शहडोल। शहडोल जिले और पूरे संभाग के रंगमंच के लिए यह गर्व और खुशी का ऐतिहासिक अवसर है। पहली बार शहडोल रंगमंच से एक साथ तीन युवा कलाकारों–रेणु विश्वकर्मा, राजकुमार जाटव और मांशु सिंह–का चयन मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय (एम.पी. स्कूल ऑफ ड्रामा – MPSD), भोपाल के शैक्षणिक सत्र 2026-28 के लिए हुआ है। इन तीनों कलाकारों ने विद्यालय के प्रतिष्ठित दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री एम.पी.ए. (नाट्य एवं रंगमंच) पाठ्यक्रम में अंतिम चयनित 26 विद्यार्थियों में स्थान बनाया है। चयन प्रक्रिया अत्यंत कठिन रही। प्रथम चरण में देश-विदेश से आए लगभग 90 कलाकारों का साक्षात्कार रंगमंच के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा लिया

गया। इसके बाद अंतिम चयन कार्यशाला के लिए 60 प्रतिभागियों का चयन हुआ, जिसमें शहडोल के इन तीनों कलाकारों ने अपनी प्रतिभा के दम पर स्थान बनाया। अंतिम चरण को सफलतापूर्वक पार करते हुए तीनों ने 26 सीटों में अपना स्थान सुनिश्चित किया। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि शहडोल रंगमंच के इतिहास में पहली बार एक साथ तीन कलाकारों का चयन मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय में हुआ है। इससे न केवल शहडोल जिले, बल्कि पूरे संभाग के रंगमंच को नई पहचान और ऊर्जा मिलेगी। तीनों कलाकार लंबे समय से सम्पूर्ण नाट्य एवं लोक कला समिति, शहडोल से जुड़े हुए हैं। उन्होंने संस्था के निर्देशक एवं वरिष्ठ रंगकर्मी लकी चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में अनेक नाटकों में अभिनय, गायन, नृत्य, लोक कला तथा बैकस्टेज कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई है। उनकी वर्षों की मेहनत, अनुशासन और रंगमंच के प्रति समर्पण का ही यह परिणाम है। इस उपलब्धि पर निर्देशक लकी चतुर्वेदी ने कहा कि यह केवल तीन कलाकारों की सफलता नहीं, बल्कि पूरे शहडोल रंगमंच, जिले और बघेलखंड क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि संस्था निरंतर रंगमंच और लोक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्य कर रही है और भविष्य में भी ऐसे प्रतिभाशाली कलाकार तैयार करने का प्रयास जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 8 से 18 जून 2026 तक सम्पूर्ण नाट्य एवं लोक कला समिति द्वारा शहडोल में 11 दिवसीय ऐतिहासिक नाट्य रंग महोत्सव का आयोजन किया गया था। इस महोत्सव में देशभर के रंगकर्मी, निर्देशक, कलाकार और नाट्य समूह शामिल हुए तथा अनेक नाटकों और लोक कलाओं की प्रस्तुतियाँ दी गईं। इसी वर्ष यह शहडोल रंगमंच की दूसरी बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है कि उसी संस्था से जुड़े कलाकारों का चयन मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय में हुआ है। शहडोल के वरिष्ठ रंगकर्मियों, कलाकारों, साहित्यकारों और कला प्रेमियों ने तीनों चयनित कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सभी को विश्वास है कि रेणु विश्वकर्मा, राजकुमार जाटव और मांशु सिंह आने वाले समय में शहडोल और बघेलखंड की रंग परंपरा का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ग्राम पंचायत खैरहा में करेंगे 3.57 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

समाज जागरण

शहडोल 15 जुलाई 2026- मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 16 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत खैरहा में 3.15 करोड़ लागत से निर्मित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 42.50 लाख लागत की लागत वाले नवीन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह करेंगी। विशिष्ट अतिथियों के रूप में जैतपुर विधायक श्री जयसिंह मरावी, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा, जिला पंचायत निर्माण समिति के सभापति श्री जगन्नाथ शर्मा तथा जनपद सदस्य श्रीमती दीपिका जगन्नाथ शर्मा, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती दुईजी बाई कोल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। लोकार्पण किए जाने वाले कार्यों में नवीन पंचायत भवन परिसर जिसकी लागत 21.74 लाखा, सामुदायिक भवन खैरहा लागत 12 लाख, सामुदायिक भवन कदौहा लागत 14.49 लाख, बाउन्ड्रीवाल पंचायत भवन खैरहा 5.50 लाख, पेपर ब्लाक एवं सेड निर्माण 05.9 लाख, सीसी रोड एवं नाली निर्माण 02.99 लाख, स्टॉप डैम निर्माण करहा घाट बहरा नाला खैरहा 17.94 लाख स्टॉप डैम निर्माण झोझा नाला कुदरी टोला खैरहा लागत 13.99 लाख, स्टॉप डैम निर्माण महुआदहा नदी कर्बला के पास लागत 69 लाख, ग्रेवल रोड निर्माण हायर सेकेण्डरी स्कूल से बरमहा तालाब तक 66 लाख, घाट निर्माण पतरिहाई तालाब ग्राम कंदौहा लागत 4 लाख के साथ ही सीसी रोड एवं नाली निर्माण के कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

इसी तरह बाउन्ड्रीवाल निर्माण समुदायिक भवन यज्ञशाला परिसर ग्राम कंदौहा, लागत 17 लाख, सीसी रोड निर्माण अस्पताल तिराहा से माध्यमिक विद्यालय तक लागत 21.50 लाख, नाली निर्माण गुरू के घर से चिकनी चैराहा तक लागत 04 लाख रूपए कुल 42 लाख 50 हजार रूपए की लागत वाले कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

अवैध उत्खनन पर जैतपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: थाना प्रभारी जेपी शर्मा के नेतृत्व में रेत से भरी डम्पी जब्त

समाज जागरण
जितेंद्र शर्मा जैतपुर।

क्षेत्र में अवैध गतिविधियों और खनिज माफियाओं के खिलाफ जैतपुर पुलिस ने एक बार फिर मुस्तैदी दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जैतपुर थाना प्रभारी जेपी शर्मा के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रही एक डग्गी (सिक्स-व्हीलर डंपर/ट्रक) को पकड़ने में सफलता हासिल की है। मुस्तैदी से नाकाम किया अवैध परिवहन का प्रयास मिली जानकारी के अनुसार, थाना प्रभारी जेपी शर्मा को क्षेत्र में अवैध रूप से रेत परिवहन किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने तुरंत अपनी टीम को सक्रिय किया और घेराबंदी कर रेत से लदे इस वाहन (टाटा डंपर) को धर दबोचा। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से अवैध रेत का कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया है।

थाना प्रभारी जेपी शर्मा की क्षेत्र में सराहना जैतपुर थाना प्रभारी जेपी शर्मा के कार्यभार संभालने के बाद से ही क्षेत्र में अपराधियों और अवैध कारोबारियों पर नकेल कसी जा रही है। इस ताजा कार्रवाई को लेकर स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन की जमकर सराहना की है। लोगों का कहना है कि:

"थाना प्रभारी जेपी शर्मा के रहते क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत हो रही है और अवैध उखनन व परिवहन करने वालों पर लगातार हो रही कार्रवाइयों से प्राकृतिक संपदा की चोरी पर लगाम लगेगी।"

आगे की कार्रवाई जारी

जब्त किए गए वाहन को जैतपुर थाने में खड़ा कराया गया है। पुलिस द्वारा खनिज विभाग को इस संबंध में सूचित कर दिया गया है, ताकि संबंधित धाराओं के तहत वाहन मालिक और चालक पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके। थाना प्रभारी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध कारोबार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाइयां जारी रहेंगी।

भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय 'महिला सहकारिता सम्मेलन' में अनूपपुर की 'महिला श्रमिक सहकारी संस्था' सम्मानित।

समाज जागरण चचाई/अनूपपुर

सहकार भारती, मध्य प्रदेश के तत्वावधान में राजधानी भोपाल के राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान (मैनिट चौराहे के पास) में 12 जुलाई 2026, रविवार को भव्य प्रदेश स्तरीय "महिला सहकारिता सम्मेलन" का गरिमामयी आयोजन संपन्न हुआ। "बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्धार" के मूल मंत्र के साथ आयोजित इस विशेष सम्मेलन में सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री (म.प्र. शासन) विश्वास कैलाश सारंग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस भव्य मंच पर अनूपपुर जिले का गौरव बढ़ाते हुए "महिला श्रमिक एवं निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित अनूपपुर" को उसकी उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय 'सक्सेस स्टोरी' के लिए राज्य स्तर पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संस्था की चेयरमैन वंदना सोनी ने यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया। वरिष्ठ पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की रही

गरिमामयी उपस्थिति--- कार्यक्रम की अध्यक्षता व विशिष्ट अतिथि के रूप में अपेक्स बैंक, भोपाल के प्रशासक महेन्द्र सिंह यादव, राष्ट्रीय मंत्री एवं मध्यक्षेत्र संगठन प्रमुख दिलीप दादा पाटिल एवं सहकार भारती की राष्ट्रीय महिला प्रमुख श्रीमती रेवती शेन्दूर्णीकर गरिमामयी रूप से मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन सहकार भारती म.प्र. के प्रदेश अध्यक्ष शेखर किबे, प्रदेश महिला प्रमुख डॉ. जया श्रीवास्तव एवं प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान के कुशल संयोजन में संपन्न हुआ।

बहुआयामी क्षेत्रों में मिसाल पेश कर रही अनूपपुर की संस्था----

सम्मानित होने वाली अनूपपुर की यह संस्था जमीनी स्तर पर महिलाओं और श्रमिकों के उत्थान के लिए एक बड़ी क्रांति बन चुकी है। संस्था वर्तमान में ग्रामीण व शहरी महिलाओं के बीच शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता फैलाने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास) का कार्य कर रही है। इसके साथ ही, वर्तमान समय की मांग के अनुरूप ऑर्गेनिक उत्पादों (जैविक कृषि) और स्वास्थ्यवर्धक मिलेट (श्रीअन्न/मोटे अनाज) के संवर्धन, प्रसंस्करण व विपणन के क्षेत्र में संस्था का कार्य पूरे प्रदेश में सराहा जा रहा है। सफलता के पीछे मार्गदर्शकों की प्रेरणा और मजबूत नींव---- इस ऐतिहासिक उपलब्धि और सम्मान पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए संस्था की चेयरमैन वंदना सोनी ने इस पूरी सफलता का श्रेय अपने मार्गदर्शकों को दिया। उन्होंने कहा-----

"आज राज्य स्तर पर हमारी जिस सक्सेस स्टोरी को सम्मानित किया जा रहा है, उसके पीछे अगर किसी का हाथ है, तो वो आदरणीय आशा सेंगर दीदी और रश्मि खरे दीदी हैं। इन्होंने ही मुझे सहकार भारती के सेवा पथ से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। केवल मार्गदर्शन ही नहीं, बल्कि 'महिला श्रमिक एवं निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित अनूपपुर' की मजबूत नींव भी इन दोनों विदुषी मार्गदर्शकों ने मेरे साथ मिलकर कंधे से कंधा मिलाकर गढ़ी है।"

वंदना सोनी ने सहकार भारती की महिला प्रमुख प्रभा मिश्रा के प्रति भी गहरा आभार व्यक्त किया, जो इस पूरी यात्रा में लगातार उनकी संबल और मार्गदर्शक बनी रहीं।

उन्होंने आगे कहा कि:

"सहकार भारती की पूरी केंद्रीय व प्रादेशिक एवं संभागीय टीम, पूर्व महिला मोर्चा की अध्यक्ष, 'प्रथम शिक्षा एवं जनकल्याण समिति मर्यादित अनूपपुर' की अध्यक्ष व हमारी संस्था की संरक्षक रश्मि खरे दीदी के सतत वात्सल्य, मार्गदर्शन और अटूट सहयोग के बिना इस मुकाम तक पहुंचना बिल्कुल असंभव था। भोपाल के इस राज्य स्तरीय मंच से महिला श्रमिक एवं निर्माण सहकारी संस्था अनूपपुर को मिले इस सर्वोच्च सम्मान से पूरे अनूपपुर जिले के सहकारिता क्षेत्र, सामाजिक संगठनों और महिलाओं में अत्यंत हर्ष और गौरव की लहर है।

नरोत्तम मिश्रा की टिकट ने बढ़ाई धड़कनें, अब कोई भी नेता खुद को नहीं मान रहा 'फाइनल' उम्मीदवार

रीवा से लेकर भोपाल तक एक ही चर्चा संगठन की अंतिम मुहर के बिना कोई दावा सुरक्षित नहीं

समाज जागरण

मध्यप्रदेश की राजनीति में पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटना आज भी भाजपा की कार्यशैली पर चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है। इस घटना ने यह संदेश मजबूत किया कि पार्टी में अंतिम निर्णय संगठन और केंद्रीय नेतृत्व का होता है। रीवा सहित पूरे प्रदेश में अब कोई भी नेता अपनी टिकट को अंतिम रूप से सुरक्षित मानने का दावा नहीं कर रहा है।

रीवा में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, गिरीश गौतम, प्रदीप पटेल, सिद्धार्थ तिवारी, दिव्यराज सिंह और अन्य नेताओं के नाम संभावित दावेदारों के रूप में चर्चा में हैं। वहीं केपी त्रिपाठी, संजय द्विवेदी, प्रज्ञा त्रिपाठी और कई अन्य नाम भी समय-समय पर सामने आते रहते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टिकट वितरण में केवल लोकप्रियता या समर्थकों की भीड़ नहीं, बल्कि संगठनात्मक रिपोर्ट, सामाजिक समीकरण, जीत की संभावना और केंद्रीय रणनीति भी अहम भूमिका निभाती है।

राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि भाजपा में व्यक्ति से अधिक संगठन को महत्व दिया जाता है। इसी कारण बड़े नेताओं की भूमिकाएं भी समय-समय पर बदली जाती रही हैं।

पुराने कार्यकताओं के बीच नए चेहरों और अन्य दलों से आए नेताओं को प्राथमिकता मिलने पर सवाल भी उठ रहे हैं। कुल मिलाकर संदेश यही है कि भाजपा में टिकट या पद का अंतिम फैसला संगठन करता है और अंतिम सूची जारी होने तक किसी भी दावे को निश्चित नहीं माना जा सकता।

3.058 किलोग्राम गांजा, कारतूस, नकदी एवं चार पहिया वाहन के साथ एक महिला तस्कर सहित दो आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण अनूपपुर

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर तथा एस-डीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में थाना कोतमा पुलिस द्वारा रात्रिकालीन वाहन चेकिंग के दौरान मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 किलो 58 ग्राम गांजा, 03 नग .32 बोर के जिंदा कारतूस, ₹37,300 नगद, 05 मोबाइल फोन , एक वाई फाई डोंगल एवं एक ग्रैंड विटारा कार जप्त की गई है। वाहन चेकिंग के दौरान हुई कार्रवाई दिनांक 13 जुलाई 2026 को थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ल के निर्देशन में कोतमा पुलिस टीम द्वारा ग्राम पथरौड़ी स्थित एंजल किराना स्टोर के सामने रात्रिकालीन वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक सफेद रंग की ग्रैंड विटारा कार (क्रमांक MP18ZE 5709) पुलिस चेकिंग देखकर पीछे मुड़कर भागने का प्रयास करने लगी। पुलिस टीम ने तत्परता से घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। पूछताछ में हुआ खुलासा वाहन में चालक शिवा विश्वकर्मा एवं उसके साथ रेखा उर्फ मनीषा गुप्ता सवार मिले। दोनों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर नियमानुसार पूछताछ एवं तलाशी की गई। पूछताछ में आरोपियों ने वाहन में गांजा रखा होना स्वीकार किया। वाहन की विधिवत तलाशी लेने पर पुलिस को निम्न सामग्री बरामद हुई–

03 किलो 58 ग्राम गांजा (अनुमानित कीमत ₹45,000)

03 नग .32 बोर के जिंदा कारतूस, ₹37,300 नगद, 05 मोबाइल फोन जियो कंपनी का एक वाई-फाई डोंगल एवं सिम दो बैग ग्रैंड विटारा कार क्रमांक MP18ZE5709 (अनुमानित कीमत ₹12 लाख)

बरामद सम्पूर्ण सामग्री की कुल अनुमानित कीमत ₹1400000 है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम–

रेखा उर्फ मनीषा गुप्ता, उम्र 35 वर्ष, निवासी हनुमान नगर, नई बस्ती, थाना कोलगवां, जिला सतना।

शिवा विश्वकर्मा, उम्र 30 वर्ष, निवासी लालपुर, थाना बुढ़ार, जिला शहडोल। आरोपियों के विरुद्ध थाना कोतमा में धारा 8/20(b) एनडीपीएस एक्ट एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतमा रत्नांबर शुक्ल के साथ सउनि सुखीनंद यादव , प्र आर रामखेलावन , प्र आर दिनेश राठौर , प्र आर संजीव त्रिपाठी , प्र.आर. ज्ञानेंद्र पासी प्र आर कपिल उइके,आर अभय त्रिपाठी,आर राकेश सिंह ,

आर महेश साहू,एवं महिला आरक्षक सुप्रिया त्रिपाठी ,एवं साइबर सेल से प्र आर राजेंद्र अहिरवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से मादक पदार्थ की तस्करी का प्रयास विफल किया गया।

'स्कूल चलो अभियान' के तहत निकली विशाल नामांकन रैली

विवेक कुमार दैनिक समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज ।लखनऊ,स्कूल चलो अभियान' के दूसरे चरण के अंतिम दिन ब्लॉक मोहनलालगंज में एक विशाल नामांकन रैली का भव्य आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना और हर बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है ।शिक्षा रथ की शुरूआत प्राथमिक विद्यालय सिसेंडी से हुई, जहाँ आदरणीय खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कनौजिया ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। यह शिक्षा रथ ग्रामीणों को जागरूक करते हुए प्राथमिक विद्यालय सिसेंडी से शुरू होकर मीनापुर, मनोहरापुर, भरसवा, कोडरा रायपुर और भदेसुवा होते हुए अंत में धनवासांड पहुँचा जहाँ ग्राम प्रधान जी द्वारा शिक्षा रथ का स्वागत किया गया स्काउट गाइड बैंड पार्टी ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ खंड शिक्षा अधिकारी जी का भव्य स्वागत किया ।शिक्षा रथ का फोकस उन बच्चों को दोबारा स्कूल से जोड़ना है, जो अब तक नामांकन से वंचित हैं या किसी वजह से बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं। विभाग की कोशिश है कि हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित हो खंड शिक्षा अधिकारी ने अपने संबोधन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने समाज को एक बड़ा संदेश देते हुए कहा लड़का-लड़की में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए, दोनों को समान रूप से उच्च और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए ।उन्होंने सभी माता-पिता और अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को सिर्फ नामांकित ही न छोड़ें, बल्कि उन्हें नियमित स्कूल भेजें ।इस पूरे अभियान और रैली को सफल बनाने में ए.आर.पी टीम समेत सिसेंडी और भौंदरी न्याय पंचायत के सभी संकुल शिक्षक एवं भारी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। सभी ने मिलकर घर-घर जाकर सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं और शिक्षा के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक किया।

अब तक की सभी घटनाओं के सटीक खुलासे के साथ गोविंद नगर में सफल इंस्पेक्टर अशोक दुबे का कर्तव्य पथ

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां गोविंद नगर पुलिस की सक्रियता पीड़ितों सहायता और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में अग्रणी चल रही है। यही नहीं पुलिस की परिश्रम पूर्ण सक्रियता के फलस्वरूप छोटी बड़ी ऐसी कोई घटना नहीं है ,जिसका सटीक खुलासा करते हुए सभी अपराधियों को जेल का रास्ता ना दिखाया गया हो। सबसे खास बात यह भी कि तत्काल प्रभावी कार्रवाई के फल स्वरूप गोविंद नगर पुलिस अब ऐसी नौबत ही नहीं आने देती कि कोई कानून और शांति व्यवस्था के खिलाफ नेतागिरी का साहस कर सके। मतलब आजकल गोविंद नगर से नेतागिरी लगभग खत्म हो चुकी है। जबकि इसके पहले यहां विभिन्न मामलों को लेकर पुलिस तथा शांति और कानून व्यवस्था के खिलाफ अपराधियों के पक्ष में नेतागिरी करने वालों की भीड़ लगी रहती थी।

अवगत कराते चलें कि गोविंद नगर की कमान आजकल अपनी नौकरी के अबतक के जुझारू कार्यकाल में अनेक शातिरों सबक सिखाने में भी सफल हो चुके तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और बचन के पक्के माने जाने वाले इंस्पेक्टर अशोक दुबे के हाथ में है। जानकारी के मुताबिक भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले लोकहित में अपनी धुन के पक्के इंस्पेक्टर अशोक दुबे सराहनीय प्रगाढ़ सेवा भाव के चलते उनके पास आने वाला कोई भी फरियादी कभी निराश होकर नहीं लौटता। यह कारण है कि किसी को भी थाने में नेतागिरी करने का मौका नहीं मिलता ,जबकि पहले ऐसे ही मौके थाने में बवाल का कारण भी बनते रहे हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देशों के अक्षरशः अनुपालन में भी अग्रणी तथा पीड़ितों की तत्काल सहायता और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी

कार्यवाही के लिए भी चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के गोविंद नगर के जुझारू तेवरों वाले निडर इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे की जनहित में कार्य शैली का ही परिणाम है कि आजकल कोई भी नेता थाने में दिखाई नहीं पड़ता ,क्योंकि इंस्पेक्टर अशोक दुबे खुद ही किसी भी पीड़ित के लिए तब तक जुटे रहते हैं। जब तक उसकी समस्या का संतोषजनक निस्तारण नहीं हो जाता। इसी के साथ उनकी कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करने की वजह से किसी को ऐसा मौका ही नहीं देते कि वह कानून और शांति व्यवस्था के खिलाफ अपनी नेतागिरी चमका सके। इसकी वजह उनका शिवत्व स्वभाव वाला होना बताया जाता है। यहां शिवत्व यानी भगवान शंकर जैसा स्वभाव का सीधा मतलब उचित पात्र की हर संभव सहायता के साथ ही कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठे शाठ्यम समाचरेत वाली कहावत के अनुरूप व्यवहार से है। वैसे भगवान शंकर के स्वभाव में दो और विशेषताएं शामिल हैं - पहली है - अनुचित के खिलाफ उनका क्रोध और दूसरी है, किसी भी उचित पात्र की सीमाओं के भी पार जाकर सहायता के रूप में असीम कृपा। इस कथन के दायरे से हताश और निराश व्यक्ति के भी चेहरे पर मुस्कान बिखेर देने वाले इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे की कार्यशैली भी बाहर नहीं मानी जाती। जहां तक पुलिस इंस्पेक्टर के रूप में अशोक दुबे के सांसारिक कर्तव्य निर्वहन की बात है। कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में अनगिनत पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है, जिसका क्रम गोविंद नगर में भी लगातार जारी है।

मोहनलालगंज विकास खंड कार्यालय का सामुदायिक शौचालय छह माह से बदहाल. .

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। विकास खंड कार्यालय मोहनलालगंज में अधिकारियों के बदलने के बावजूद मूलभूत सुविधाओं की स्थिति में कोई सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। कार्यालय परिसर में स्थित सामुदायिक शौचालय पिछले लगभग छह महीनों से बदहाल अवस्था में पड़ा है। सबसे अधिक परेशानी उन फरियादियों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, कर्मचारियों और अन्य आगंतुकों को हो रही है, जो प्रतिदिन विभिन्न कार्यों के लिए ब्लॉक कार्यालय पहुंचते हैं ।जानकारी के मुताबिक ब्लॉक परिसर में स्थित शौचालय में नियमित रूप से पानी की व्यवस्था नहीं है, जिससे उसका उपयोग करना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा लंबे समय से साफ-सफाई नहीं होने के कारण परिसर में गंदगी और दुर्गंध का माहौल बना रहता है। ऐसे में विशेषकर महिलाओं, बुजुर्गों और दूर-दराज से आने वाले लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है ।आने वाले आगंतुकों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। इस दौरान विकास खंड अधिकारी भी बदल गए, लेकिन शौचालय की व्यवस्था पहले जैसी ही बदहाल बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी मूलभूत सुविधाओं की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जबकि प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग ब्लॉक कार्यालय में विभिन्न सरकारी योजनाओं और जनसमस्याओं के समाधान के लिए आते हैं ।इस संबंध में विकास खंड अधिकारी शिव कुमार का पक्ष जानने के लिए उनके सरकारी मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया

गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके चलते इस मामले पर उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका ।क्षेत्रीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन स्वयं सरकारी कार्यालयों में ही मूलभूत सुविधाओं की ऐसी स्थिति चिंता का विषय है। यदि ब्लॉक कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण सरकारी संस्थान में शौचालय की यह दशा है, तो आम लोगों में भी गलत संदेश जाता है ।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि विकास खंड कार्यालय के सामुदायिक शौचालय की तत्काल साफ-सफाई कराई जाए, नियमित पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा उसके रखरखाव के लिए स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि ब्लॉक कार्यालय आने वाले फरियादियों, जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। साथ ही लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो इस मुद्दे को उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा।

हिट एंड रन में युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी रोड पर बुधवार दोपहर पैदल जा रहे एक युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर से गभीर घायल हो गया अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार, बुधवार की दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि सिसेंडी रोड पर एक युवक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया है। सूचना मिलते ही सिसेंडी चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि अमित शुक्ला, निवासी मीनापुर, सिसेंडी, सड़क किनारे पैदल जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए ।ग्रामीणों की मदद से एंबुलेंस के जरिए घायल अमित शुक्ला को मोहनलालगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया ।घटना की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं, दुर्घटना करने वाले अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ।मोहनलालगंज इंस्पेक्टर राम बाबू सिंह ने बताया कि, "सिसेंडी रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से अमित शुक्ला निवासी मीनापुर, सिसेंडी की मृत्यु हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा अज्ञात वाहन की पहचान कर चालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हिंदुआरी में 1.60 करोड़ की लागत से बनेगी आत्मनिर्भर वृहद गौशाला

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए सोनभद्र जिला प्रशासन ने नई पहल की है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने नई हिंदुआरी में डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन (डीएमएफ) फंड से 1 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से आत्मनिर्भर वृहद गौशाला के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित गौशाला का उद्देश्य निराश्रित एवं बेसहारा गोवंश के संरक्षण, संवर्धन और स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। गौशाला में गोवंश के सुरक्षित आवास के लिए दो आधुनिक शेड बनाए जाएंगे, जिन

पर 82.88 लाख रुपये खर्च होंगे। वहीं, चारा भंडारण के लिए 12.67 लाख रुपये की लागत से भंडारण कक्ष का निर्माण कराया जाएगा, जिससे पूरे वर्ष चारे की उपलब्धता बनी रहे। गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए परिसर में लगभग 15 लाख रुपये की लागत से वर्मी कम्पोस्ट यूनिट भी स्थापित की जाएगी। गोबर से तैयार जैविक खाद की बिक्री से होने वाली आय का उपयोग गोवंश के चारा, पानी, उपचार और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर किया जाएगा। इससे गौशाला का संचालन आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन

सकेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि गौशाला में स्वच्छ पेयजल, नियमित टीका करण, पशु चिकित्सा सुविधा और गोवंश की समुचित देखभाल की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना गोवंश संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आदिवासी व जनसमस्याओं को लेकर सपा ने राज्यपाल के नाम सौंपा 9 सूत्रीय ज्ञापन

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री व्यास जी गौड़ के नेतृत्व में बुधवार को जनपद की आदिवासी एवं जनसमस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के नाम संबोधित 9 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी सोनभद्र को सौंपा गया। ज्ञापन में आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा, किसानों की समस्याओं के समाधान और विभिन्न जनहित के मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन के माध्यम से सपा नेताओं ने नगवां और कोन विकासखंड के तरिया क्षेत्र में आदिवासियों की भूमि एवं जंगलों पर कथित अतिक्रमण रोकने तथा किसी भी आदिवासी परिवार को उसकी जमीन और आवास से बेदखल न किए जाने की मांग की। साथ ही बालू और पत्थर खदानों में होने वाली दुर्घटनाओं की सीबीआई जांच कराने तथा खनन

कार्य में लगे प्रत्येक श्रमिक का एक करोड़ रुपये का जीवन बीमा कराने की मांग भी उठाई। व्यास जी गौड़ ने कहा कि जनपद में आदिवासी आबादी अधिक होने के बावजूद पंचायतों और सरकारी नौकरियों में जनजातियों को उनकी जनसंख्या के अनुरूप आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने पंचायतों, जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और सरकारी सेवाओं में विधिसम्मत आरक्षण लागू करने की मांग की।

ज्ञापन में धारा-20 की वनभूमि पर वर्षों से निवास कर रहे आदिवासी, दलित एवं मूल निवासियों को वन विभाग द्वारा बेदखल किए जाने और उत्पीड़न पर रोक लगाने, अमवार-कनहर परियोजना से विस्थापित परिवारों का समुचित पुनर्वास कराने तथा किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं डीएपी खाद उपलब्ध कराने की मांग भी शामिल रही। साथ ही निजी दुकानों पर खाद की कालाबाजारी रोकने की भी मांग की गई। इसके अलावा हर घर जल योजना के तहत खोदी गई सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने, पूर्व में कराए गए विकास कार्यों के शिलापट्ट बदलने पर रोक लगाने तथा अधूरे विकास कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की मांग उठाई गई। सपा नेताओं ने आदिवासी बहुल जिले में सरकारी विद्यालयों को बंद किए जाने का विरोध करते हुए शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विद्यालयों का संचालन जारी रखने और

नए विद्यालय खोलने की आवश यकता भी बताई। सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो समाजवादी पार्टी जनहित में व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव, पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, राजेंद्र सिंह पटेल, रमेश चंद्र दुबे, रविंद्र बहादुर सिंह पटेल, आजाद राय, मोहम्मद शईद कुरैशी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदा धिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनभद्र की सहकारी समितियों को यूरिया-डीएपी आवंटित, कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। जनपद में खरीफ अभियान -2026 के दौरान किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के अनुमोदन पर जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के आधार पर सहकारी समितियों एवं इफको केंद्रों को यूरिया और डीएपी उर्वरक आवंटित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जनपद की 70 सहकारी समितियों को कुल 1017 मीट्रिक टन यूरिया तथा 73 सहकारी समितियों एवं इफको के 12 केंद्रों को 1155 मीट्रिक टन डीएपी आवंटित किया गया है। स्वीकृत आवंटन के अनुरूप पीसीएफ द्वारा संबंधित समितियों और उर्वरक बिक्री केंद्रों तक उर्वरक पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति या उर्वरक बिक्री केंद्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें और केवल निर्धारित एवं उचित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों को पर्याप्त मात्रा में समयबद्ध तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि खरीफ फसलों की बुवाई और उत्पादन प्रभावित न हो। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि उर्वरकों की कालाबाजारी, ओवर रेटिंग या कृत्रिम अभाव उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। किसानों से अपील की गई है कि ऐसी किसी भी शिकायत की सूचना सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम अथवा कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्काल दें, ताकि त्वरित जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

मतदान केंद्रों के आलेख्य प्रकाशन पर राजनीतिक दलों के साथ बैठक , 21 में 8 प्रस्ताव स्वीकृत

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 400-घोरावल, 401-रॉबर्ट्सगंज, 402-ओबरा (अजजा) और 403 -दुद्धी (अजजा) के मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों का आलेख्य प्रकाशन 4 जुलाई 2026 को जिला वेबसाइट पर अपलोड किया गया था। इसके साथ ही आमजन से 12 जुलाई तक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं। इसी क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सांसद, विधायकगण एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मतदान केंद्रों से संबंधित प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि जनपद में वर्तमान में 1,563 मतदान स्थल तथा 973 मतदान केंद्र निर्धारित हैं। राजनीतिक दलों की ओर से समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और आम आदमी पार्टी ने कुल 21 प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे। प्रशासन द्वारा जांच के बाद 8 प्रस्तावों को स्वीकृत किया गया, जबकि 13 प्रस्ताव निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने के कारण निरस्त कर दिए गए। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों का पुनः अध्ययन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार का संशोधन आवश्यक हो तो अगले दो दिनों के भीतर लिखित सुझाव या आपत्ति जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करें, ताकि परीक्षण के बाद 18 जुलाई 2026 तक मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों को अंतिम रूप दिया जा सके।

एन सी एल बिना में सविदा कर्मियों का महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर हड़ताल

समाज जागरण/ अकबर अली

बीना/ सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में एनसीएल बीना परियोजना के संविदा कर्मचारियों के कथित शोषण, वेतन कटौती और ओवरटाइम भुगतान में अनियमितता को लेकर विस्थापित युवा कल्याण समिति ने आंदोलन शुरू किया है। समिति के अध्यक्ष राजन कुमार ने एनसीएल बीना क्षेत्र

के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर 15 जुलाई 2026 से परियोजना मुख्यालय पर शांतिपूर्ण धरना और सांकेतिक भूख हड़ताल शुरू कर दी है। दिए पत्र में आरोप लगाया गया है कि बीना परियोजना के तहत कार्यरत विभिन्न ठेका कंपनियां, जिनमें मधुकॉन प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, एस.डी. सिंह कंस्ट्रक्शन शामिल हैं, लंबे समय से श्रमिकों का आर्थिक और श्रम संबंधी शोषण कर रही हैं। समिति ने यह भी आरोप लगाया है कि शिकायतों के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

इसके अतिरिक्त, एनसीएल बीना और कृष्णशिला परियोजना के अटल चिकित्सालय में सीएसआर योजना के तहत मिलने वाली निःशुल्क दवा, एम्बुलेंस और प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाओं को लेकर वार्ता जैसी अनेक समस्याए है।

रॉबर्ट्सगंज में जलभराव से मिलेगी राहत, 23.62 करोड़ से बनेगा 4.46 किमी लंबा नाला

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। बरसात के दौरान रॉबर्ट्सगंज नगर में होने वाली जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जिला प्रशासन ने बड़ी पहल की है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन (डीएमएफ) फंड से 23.62 करोड़ रुपये की लागत वाली 4.46 किलोमीटर लंबी ड्रेनेज परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। परियोजना का उद्देश्य नगर में आधुनिक एवं स्थायी जल निकासी व्यवस्था विकसित करना है। जिलाधिकारी ने बताया कि नगरवासियों की शिकायतों के बाद इमरती कॉलोनी, पुसौली-बढ़ौली चौराहा और मिशन अस्पताल के सामने जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया था। इसके बाद

जल जीवन मिशन (शहरी) के अधिकारियों की टीम गठित कर वैज्ञानिक आधार पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। टीम ने विस्तृत फिजिबिलिटी स्टडी, लेवल सर्वे, हाइड्रोलॉजी, कंटूर मैप, सैटेलाइट सर्वे और पिछले 30 वर्षों के वर्षा आंकड़ों का विश्लेषण कर ड्रेनेज नेटवर्क का डिजाइन तैयार किया। अध्ययन के दौरान तीन संभावित ड्रेनेज मार्गों का परीक्षण किया गया। पहला विकल्प नीलकंठ रेस्टोरेंट से चुर्क रोड तक था, लेकिन भूमि का स्तर ऊंचा होने के कारण गुरुत्वाकर्षण आधारित जल निकासी संभव नहीं पाई गई। दूसरा विकल्प पुसौली पोखरा मार्ग था, जिसे प्राकृतिक आउटफॉल नहीं मिलने के कारण तकनीकी रूप से अनुपयुक्त माना गया। तकनीकी अध्ययन में तीसरा विकल्प, नीलकंठ रेस्टोरेंट से कचहरी ड्रेन रूट, सबसे उपयुक्त और व्यवहारिक पाया गया। इस मार्ग पर प्राकृतिक ढाल होने के कारण वर्षा जल बिना पंपिंग के कचहरी ड्रेन होते हुए सजौर पोखरा के पास मुख्य सिंचाई नाले तक पहुंचेगा, जिससे नगर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। परियोजना के तहत लगभग 4.46 किलोमीटर लंबी आरसीसी नालियों का निर्माण, कल्वर्ट, रेलवे एवं नहर क्रॉसिंग, साइफन, विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग तथा पेयजल पाइपलाइन के स्थानांतरण सहित सभी आवश्यक आधारभूत कार्य किए जाएंगे। परियोजना की मूल निर्माण लागत 17.95 करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि डिजाइन, जीएसटी, श्रम उपकर और अन्य मदों सहित कुल लागत 23.62 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि नगरवासियों को जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी अध्ययन के आधार पर तैयार इस परियोजना के माध्यम से भविष्य में रॉबर्ट्सगंज को एक सुदृढ़, आधुनिक और प्रभावी जल निकासी व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

रेलवे ट्रैक किनारे अज्ञात युवक का सड़ा-गला शव मिलने से सनसनी

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के झारो खुर्द गांव के समीप रेलवे ट्रैक किनारे बुधवार सुबह एक अज्ञात युवक का सड़ा-गला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 9 बजे झारो खुर्द रेलवे स्टेशन से पश्चिम दिशा की ओर रेलवे पुल के आगे पोल संख्या-2 के पास ट्रैक नंबर-1 के किनारे बकरी चराने गए ग्रामीणों को तेज दुर्गंध महसूस हुई। जब ग्रामीण झाड़ियों के पास पहुंचे तो वहां एक युवक का शव औंधे मुंह पड़ा मिला, जो काफी हद तक सड़-गल चुका था। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और दुद्धी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह

पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को झाड़ियों से बाहर निकलवाकर आसपास के लोगों से उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन शव की हालत अत्यंत खराब होने के कारण पहचान नहीं हो सकी। युवक का चेहरा पूरी तरह क्षत-विक्षत हो चुका था। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसने काले रंग की शर्ट और हल्के रंग की जींस पहन रखी थी।घटनास्थल से कोई पहचान पत्र, मोबाइल फोन या अन्य सामान बरामद नहीं हुआ। पहचान नहीं होने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास जारी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

पन्नूगंज पुलिस की साइबर टीम की प्रभावी कार्यवाही, साइबर फ्रॉड के शिकार व्यक्ति की ₹15,000 की सम्पूर्ण धनराशि कराई गई वापस

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराध एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर सुधीर सिंह के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक पन्नूगंज माधव सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना पन्नूगंज की साइबर टीम द्वारा साइबर फ्रॉड के शिकार एक व्यक्ति की ₹15,000 की सम्पूर्ण धनराशि उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई।

आवेदक देवेंद्र कुमार निवासी रामगढ़, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र के साथ साइबर ठगी कर ₹15,000 की धनराशि का फ्रॉड कर लिया गया था। शिकायत प्राप्त होने पर थाना पन्नूगंज की साइबर टीम द्वारा ठउफ्ढ पोर्टल पर प्रकरण का तत्काल अवलोकन करते हुए संबंधित बैंक खाते में धनराशि होल्ड कराई गई। तत्पश्चात ट्रांजैक्शन से संबंधित आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर संबंधित बैंक से ई-मेल एवं पत्राचार के माध्यम से समन्वय स्थापित किया गया, जिसके फलस्वरूप आवेदक की फ्रॉड हुई सम्पूर्ण धनराशि ₹15,000 उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। धनराशि वापस प्राप्त होने पर आवेदक द्वारा थाना पन्नूगंज पुलिस एवं साइबर टीम के कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

शक्तिनगर पुलिस की प्रभावी कार्रवाई, जुआ खेलते चार अभियुक्त गिरफ्तार, ₹7,900 नगद एवं 52 ताश के पत्ते बरामद

समाज जागरण/ अकबर अली

शक्तिनगर/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन तथा प्रभारी निरीक्षक शक्तिनगर सत्येन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। दिनांक 14.07.2026 को क्षेत्र भ्रमण, वांछित/वारंटी अभियुक्तों की तलाश एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान थाना शक्तिनगर पुलिस टीम ने राजकिशन पानी टंकी के नीचे, बहदग्राम खड़िया से चार व्यक्तियों को ताश के पत्तों पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

अभियुक्तों के कब्जे से 52 अदद ताश के पत्ते तथा मालफड़ एवं जामा तलाशी से कुल ₹7,900/- नगद बरामद हुए। इस संबंध में थाना शक्तिनगर पर मु0अ0सं0-139/2026, धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. बहादुर कुमार पुत्र मधुदेव, उम्र लगभग 23 वर्ष, निवासी राजकिशन कॉलोनी, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र। 2. पिंटू कुमार अग्रहरी पुत्र मन्नालाल अग्रहरी उम्र लगभग 29 वर्ष, निवासी शंकर मार्केट, जयन्त, थाना विन्ध्यनगर, जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश)। 3. आशीष अग्रहरी पुत्र राजेश अग्रहरी, उम्र लगभग 19 वर्ष, निवासी शंकर मार्केट, जयन्त, थाना विन्ध्यनगर, जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश)। 4. अक्षय कुमार पुत्र शम्भू पटेल, उम्र लगभग 25 वर्ष, निवासी खड़िया बाजार, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र।

वारंटी गिरफ्तारी अभियान में दुद्धी पुलिस को सफलता, दो वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक दुद्धी के नेतृत्व में थाना दुद्धी पुलिस द्वारा वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के अंतर्गत दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

इसी क्रम में थाना दुद्धी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा संख्या 202/2007, धारा 352, 427, 504 भारतीय दंड संहिता से संबंधित वारंटी अभियुक्त *हरदेव पुत्र शोभनाथ तथा वारंटी अभियुक्ता सहोदरी उर्फ कली पत्नी शोभनाथ, निवासीगण ग्राम सरडीहा, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र को दिनांक 15.07.2026 को प्रातः लगभग 08:40 बजे उनके आवास से गिरफ्तार किया। आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए दोनों अभियुक्तों को माननीय न्यायालय भेज दिया गया।

पिपरी पुलिस को मिली सफलता, 01 किलो 542 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण/ अकबर अली

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन थाना पिपरी पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए 01 अभियुक्त को 01 किलोग्राम 542 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया।

दिनांक 15.07.2026 को समय करीब 10:49 बजे थाना पिपरी पुलिस द्वारा गोविन्द पेट्रोल पम्प के बगल एवं विनोद राय गली के सामने कच्ची सड़क पर संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। इसी

दौरान एक युवक को रोककर तलाशी ली गई, जिसके कब्जे से एक सफेद प्लास्टिक के झोले में 01 किलोग्राम 542 ग्राम अवैध गांजा

बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम राजेश पुत्र राजा मद्रासी उर्फ राजा कबाड़ी, निवासी मलिन बस्ती, वार्ड नं.-01, तुर्रा, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 21 वर्ष बताया। उक्त बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना पिपरी पर मु0अ0सं0-130/2026,

धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन, मेडिकल कॉलेज व निजी अस्पतालों की अव्यवस्थाओं पर उठाई आवाज

सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड में लंबी प्रतीक्षा, चिकित्सकों की कमी व अवैध अस्पतालों पर सख्त कार्रवाई की मांग

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति को लेकर काशी क्षेत्र मीडिया प्रभारी विपिन तिवारी ने उत्तर प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री को विस्तृत ज्ञापन सौंपकर मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल तथा निजी अस्पतालों में व्याप्त गंभीर अव्यवस्थाओं पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आम जनता को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि सोनभद्र मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पताल में मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। चिकित्सकों और संसाधनों की कमी के कारण मरीजों को उपचार के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। वहीं सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड सहित अन्य महत्वपूर्ण जांचों के लिए लंबी-लंबी तिथियां मिलने से गंभीर मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे दूर-दराज के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों से आने

वाले मरीजों को मजबूरन निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

ज्ञापन में जिले में बिना मानकों के संचालित हो रहे निजी अस्पतालों एवं अवैध क्लीनिकों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। आरोप लगाया गया कि कई निजी चिकित्सा संस्थान स्वास्थ्य विभाग के निर्धारित नियमों की अनदेखी करते हुए मरीजों का इलाज कर रहे हैं, जिससे मरीजों की सुरक्षा और जीवन दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। ऐसे अस्पतालों एवं क्लीनिकों की व्यापक जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई।

काशी क्षेत्र मीडिया प्रभारी विपिन तिवारी ने कहा कि सोनभद्र एक आदिवासी एवं पिछड़ा जनपद है, जहां बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पताल में आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, चिकित्सकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरने, जांच सुविधाओं को सुचारु एवं समयबद्ध बनाने तथा अवैध रूप से संचालित अस्पतालों और क्लीनिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

ज्ञापन के माध्यम से यह भी अपेक्षा जताई गई कि जनहित से जुड़े इन गंभीर मुद्दों पर स्वास्थ्य मंत्री शीघ्र संज्ञान लेकर प्रभावी कदम उठाएंगे, ताकि जिले के लाखों नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें तथा स्वास्थ्य व्यवस्था में जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो।

गर्मी के मौसम में अपनी त्वचा की देखभाल कैसे करें

जैसे ही चिलचिलाती गर्मी का मौसम आता है, हमारी त्वचा में बदलाव आने लगते हैं। है ना? दिन भर अत्यधिक गर्मी और उमस के कारण, हमारी त्वचा को अधिक सुरक्षा की आवश्यकता महसूस होने लगती है - चाहे वो परेशान करने वाले चकत्ते हों, सनबर्न हों या जिद्दी टैन और मुंहासे। इसलिए गर्मियों में होने वाली त्वचा संबंधी समस्याओं से बचने के लिए अपनी त्वचा की देखभाल के तरीकों को तुरंत बेहतर बनाना आवश्यक है। आइए देखें कैसे।

गर्मी का आपकी त्वचा पर क्या प्रभाव पड़ता है? :- जैसे-जैसे मौसम गर्म होता है और वातावरण में नमी बढ़ती है, आपकी त्वचा की वसामय ग्रंथियां अतिरिक्त सीबम (प्राकृतिक तेल) का उत्पादन करने लगती हैं। स्रावित तेल त्वचा की सतह पर चिपक जाता है, जिससे चिपचिपाहट, तैलीयपन और रोमछिद्रों में रुकावट जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। गर्मियों में होने वाली सबसे आम समस्या मुँहासे हैं। तैलीय त्वचा वाले लोग इससे अधिक प्रभावित होते हैं क्योंकि त्वचा में मौजूद बैक्टीरिया और तेल पसीने के साथ मिलकर रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं और मुँहासे पैदा करते हैं। जब आपकी त्वचा हानिकारक यूवी किरणों के संपर्क में आती है, तो धूप से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए मेलेनिन ड 2 . का उत्पादन बढ़ जाता है। मेलेनिन में प्रकाश-सुरक्षात्मक गुण होते हैं। अधिक मेलेनिन के कारण त्वचा का रंग गहरा और टैन हो जाता है। अन्य समस्याओं में खुजली, घमौरियां, सनबर्न और धूप के प्रति संवेदनशीलता के कारण होने वाले दाने शामिल हो सकते हैं।

गर्मी के मौसम में अपनी त्वचा की देखभाल कैसे करें? :- चेहरे से अतिरिक्त तेल हटाने के लिए फेस वॉश, गर्मी के मौसम में तैलीय त्वचा और भी तैलीय हो सकती है। अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार ऐसा फेस वॉश इस्तेमाल करें जो गहराई से सफाई करके सारी गंदगी और मैल हटा दे। रूखी त्वचा वालों को बिना झाग वाला क्लींजर चाहिए होगा। हल्के, अल्कोहल-मुक्त और ज्प संतुलित क्लींजर चुनें।

त्वचा की देखभाल की अच्छी दिनचर्या अपनाएं :- नियमित रूप से त्वचा की देखभाल करें और उसका पालन करें। क्रीम के बजाय जेल-आधारित (सूखी त्वचा के लिए) और पानी-आधारित (तैलीय त्वचा के लिए) उत्पादों का चुनाव करें, क्योंकि ये हल्के और चिपचिपाहट रहित होते हैं। दिन में दो बार क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करने से आपकी त्वचा साफ और तरोताजा रहेगी।

अपनी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या में एंटीऑक्सीडेंट शामिल करें :- एंटीऑक्सीडेंट सीरम आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने में अद्भुत काम करते हैं। इसके अलावा, ये आपकी त्वचा को पर्यावरणीय नुकसान से बचाते हैं, कोलेजन को बढ़ावा देते हैं और फ्री रेडिकल्स को खत्म करके त्वचा को क्षति से बचाते हैं। गर्मियों में अपनी स्किनकेयर रूटीन में एक अच्छा एंटीऑक्सीडेंट सीरम जरूर शामिल करें। आप चाहें तो खट्टे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, ग्रीन टी आदि का सेवन करके भी इसे अपने आहार में शामिल कर सकते हैं। स्किनक्राफ्ट की सीनियर प्रोडक्ट डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव अभिषिक्ता हाटी कहती हैं, 'विटामिन सी सीरम गर्मियों में त्वचा की देखभाल के लिए एक अच्छा विकल्प है। यह गर्मियों में फायदेमंद होता है। विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो फ्री रेडिकल्स को खत्म करता है और आपकी त्वचा को ऑक्सीडेंट से होने वाले नुकसान से बचाता है, साथ ही हानिकारक यूवी किरणों से होने वाले पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है।'

अपनी त्वचा को हाइड्रेटेड रखें :- गर्मी के मौसम में हर समय हाइड्रेशन बहुत ज़रूरी है। रात को चेहरा धोने के बाद आप हाइड्रेटिंग फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि सोते समय आपको अतिरिक्त नमी मिल सके। चेहरे पर बार-बार पानी के छींटे मारें या नियमित अंतराल पर त्वचा को तरोताज़ा करने के लिए फेशियल मिस्ट का इस्तेमाल करें।

स्वस्थ त्वचा के लिए एक्सफोलिएट करें :- त्वचा से अतिरिक्त गंदगी और तेल हटाने के लिए सप्ताह में कम से कम दो बार फेस स्क्रब का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार स्क्रब चुनें और उसे गोलाकार गति में हल्के हाथों से मसाज करें। होंठों और गर्दन को भी एक्सफोलिएट करना न भूलें।

सनस्क्रीन लगाए :- सूर्य की यूवी-ए और यूवी-बी किरणें बहुत हानिकारक हो सकती हैं। जिद्दी टैन देने के अलावा, ये समय से पहले बुढ़ापा, उम्र के धब्बे, महीन रेखाएं और झुर्रियां पैदा कर सकती हैं। गर्मियों के महीनों में सभी प्रकार की त्वचा के लिए एसपीएफ़ 30-50 वाला अच्छा सनस्क्रीन बहुत ज़रूरी है , भले ही आप ज़्यादातर समय घर के अंदर ही रहें। अगर आप तैराकी करते हैं, तो हम आपको कई बार सनस्क्रीन लगाने की सलाह देते हैं।

भारी मेकअप से बचें :- भारी मेकअप त्वचा को सांस लेने से रोकता है। नमी और गर्मी भी त्वचा की सांस लेने की क्षमता को प्रभावित करती हैं। भारी फाउंडेशन और अन्य कॉस्मेटिक्स के बजाय, अगर आपको मेकअप करना ही है तो आप टिंटेड लिप बाम और टिंटेड मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

एक अच्छा टोनर इस्तेमाल करें :- एक अच्छा टोनर खुले रोमछिद्रों को बंद करने में कारगर हो सकता है । चेहरे के टी-ज़ोन में सबसे अधिक सेबेशियस ग्रंथियां पाई जाती हैं। पसीने और तेल से इन रोमछिद्रों को बंद होने से बचाने के लिए एलोवेरा या खीरे से बने टोनर का इस्तेमाल करें, क्योंकि ये हल्के होते हैं।

त्वचा को अच्छी तरह मॉइस्चराइज़ करें :- गर्मी के मौसम में त्वचा की सुरक्षा के लिए मॉइस्चराइजर बेहद ज़रूरी है। आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार नॉन-ग्रीसी फ़ॉर्मूला चुन सकते हैं। लेकिन ऐसे मॉइस्चराइजर की तलाश करें जिसमें विटामिन ए और सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट मौजूद हों। अगर इसमें एसपीएफ़ हो तो और भी अच्छा। नहाने के तुरंत बाद मॉइस्चराइजर लगाना सबसे अच्छा होता है।

अपनी आँखों, होंठों और पैरों को न भूलें :- सूरज की हानिकारक किरणों से आंखों को बचाने के लिए हमेशा धूप का चश्मा पहनें। आंखों के नीचे मॉइस्चराइजिंग जेल लगाएं और लिपस्टिक लगाने से पहले एसपीएफ युक्त लिप बाम लगाएं। पैरों को स्क्रब करके एक्सफोलिएट करें। पैरों पर भी सनस्क्रीन और मॉइस्चराइजर लगाएं, खासकर अगर आप खुली उंगलियों वाली सैंडल पहन रही हैं।

अधिक पानी और फलों का रस पिए :- गर्मी के मौसम में आपको प्रतिदिन कम से कम 2-3 लीटर पानी पीना चाहिए। नारियल पानी, तरबूज और ताजे जूस शरीर को हाइड्रेटेड रखने के अच्छे तरीके हैं। पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी मदद मिलती है। अपने आहार में दही और छाछ को भी शामिल करें।

मौसमी फल और सब्जियां चुनें :- अपने भोजन में सलाद और खीरा व लेट्यूस जैसी सब्जियां शामिल करें - ये शरीर को अंदर से ठंडा रखने में मदद करती हैं। तरबूज, खरबूजा जैसे मौसमी फल; खट्टे फल और उनके रस भी त्वचा को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं।

मीठे पेय पदार्थों से दूर रहें :- मीठे पेय पदार्थों में अधिक चीनी होने के कारण सुस्ती महसूस होती है। इसके अलावा, इनमें पानी की कमी होती है, इसलिए ये शरीर को कोई लाभ नहीं पहुंचाते। बल्कि, ये आपको अस्वस्थ बनाते हैं और वजन बढ़ाने में सहायक होते हैं। इसलिए कोला की जगह नींबू पानी पीना बेहतर है।

हवादार कपड़े पहनें :- गर्मी के मौसम में सूती कपड़ा सबसे अच्छा रहता है। हल्के और ढीले कपड़े पहनें। सिंथेटिक कपड़ों से बने तंग कपड़े पहनने से बचें। ये आपको असहज महसूस करा सकते हैं और ज़्यादा पसीना ला सकते हैं, जिससे त्वचा में खुजली हो सकती है और संक्रमण भी हो सकता है।

दिन में दो बार स्नान करें :- गर्मी के मौसम में अच्छी स्वच्छता बनाए रखना बहुत ज़रूरी है। रात को सोने से पहले ठंडे पानी से नहाने से दिन भर में शरीर पर जमा हुई गंदगी, मैल और पसीना साफ हो जाता है और त्वचा पर चकत्ते नहीं पड़ते। सुबह और रात को नहाने के बाद त्वचा को साफ करने, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करने की नियमित प्रक्रिया अपनानी चाहिए।

गर्मी के मौसम में त्वचा को चमकदार बनाने के घरेलू उपाय

कॉफी और नींबू :- नींबू में विटामिन सी होता है, जो त्वचा को निखारने वाला एक प्रभावी तत्व है। गर्मियों में अपनी स्किनकेयर रूटीन में विटामिन सी को शामिल करने पर विचार करें। वहीं, कॉफी एक बेहतरीन एक्सफोलिएटर है। एक कटोरी में एक बड़ा चम्मच कॉफी और एक बड़ा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। ध्यान रखें कि इसमें कोई गांठ न रहे। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धो लें।

एलोवेरा :- अपने एंटीऑक्सीडेंट और जीवाणुरोधी गुणों के लिए प्रसिद्ध, एलोवेरा आपकी त्वचा पर सुखदायक प्रभाव डालता है, जो गर्मियों के दौरान बहुत अच्छा होता है। यह आपकी त्वचा को नमी भी प्रदान करता है। एलोवेरा का गूदा सीधे अपनी त्वचा पर लगाएं और लगभग 20 मिनट तक हल्के हाथों से मालिश करें। इसे लगभग 10 मिनट तक लगा रहने दें और बाद में धो लें।

हल्दी का मुखौटा :- हल्दी में जीवाणुरोधी, सूजनरोधी और एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो त्वचा की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा को निखारने और प्राकृतिक चमक प्रदान करने में भी सहायक है। एक कटोरी में एक चम्मच हल्दी डालें और उसमें तीन चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिला लें। इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में धो लें।

शहद - दही :- शहद आपकी त्वचा [illegible] प्राकृतिक नमी को [illegible] रखता है जबकि दही इसे चमकदार बनाता है। एक कटोरी में एक कप दही लें और उसमें एक बड़ा चम्मच शहद मिलाएं। अच्छी तरह से मिला लें और इसे अपनी त्वचा पर लगाएं। इसे लगभग 10 मिनट तक लगा रहने दें और फिर ठंडे पानी से धो लें।

पपीता :- पपीता एक हल्के एक्सफोलिएटर होने के अलावा, आपकी त्वचा से अतिरिक्त तेल और गंदगी को हटाने में मदद करता है और आपको चमकदार और मुलायम त्वचा प्रदान करता है । एक ताजा मैश किया हुआ पपीता लें, उसमें थोड़ी मात्रा में चंदन और मुल्तानी मिट्टी मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स करें। इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं और लगभग 20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में ठंडे पानी से धो लें।

चंदन - बादाम का तेल :- बादाम का तेल त्वचा को फिर से जीवंत और चमकदार बनाने का एक कारगर उपाय है। चंदन त्वचा की रंगत निखारता है। चंदन का पेस्ट बना लें और उसमें बादाम का तेल मिला लें। अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और 20 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में धो लें।

टमाटर :- टमाटर में मौजूद विटामिन त्वचा की बनावट को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। साथ ही, यह त्वचा की प्राकृतिक चमक को वापस लाने में भी सहायक होते हैं, जिससे त्वचा दमकती है। आधे टमाटर को मसल लें और ध्यान रखें कि उसमें कोई गांठ न रहे। इसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और 15 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में गुनगुने पानी से धो लें।

क्या मौसम के साथ आपकी त्वचा में बदलाव आता है? :- जी हां, त्वचा मौसम के साथ बदलती है ड 5 .। सर्दियों में शुष्क मौसम होता है जो त्वचा की प्राकृतिक नमी को छीन लेता है और त्वचा को पपड़ीदार और खुजलीदार बना देता है। गर्मियों में नमी के कारण पसीने से जीवाणु संक्रमण, रोमछिद्रों का बंद होना और मुहांसे हो सकते हैं। गर्मियों में एयर कंडीशनिंग और सर्दियों में हीटर दोनों ही त्वचा को रूखा कर सकते हैं। इसलिए हर मौसम के साथ त्वचा की देखभाल के अपने नियम होते हैं।

गर्मी के मौसम में आपकी त्वचा को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। कुछ आसान उपायों जैसे कि त्वचा को साफ करना, मॉइस्चराइज़ करना, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना, से आप अपनी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं। हमें बताएं कि क्या हमारे सुझाव आपके लिए कारगर साबित हुए। एयर कंडीशनर वाले वातावरण से बाहर निकलकर सीधे एयर कंडीशनर [illegible] वातावरण में आना, धूप में अधिक देर रहना, ठंडक पाने के लिए स्विमिंग करना और नमी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। अच्छी बात यह है कि त्वचा की अच्छी देखभाल करके आप उसकी प्राकृतिक चमक और संतुलन को वापस पा सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं। नियमित रूप से त्वचा की देखभाल करें, पौष्टिक आहार लें और चमकदार त्वचा पाने के लिए सरल लेकिन असरदार प्राकृतिक उपायों को अपनाएं।

बिना AC घर को ठंडा रखने के आसान और सस्ते तरीके, कूलर और AC भी फेल हैं इस पुरानी तकनीक के आगे

आजकल की गर्मी में ऐसा लगता है जैसे घर की दीवारें आग उगल रही हों। लेकिन हर कोई AC का भारी भरकम बिजली बिल अफोर्ड नहीं कर सकता। अच्छी खबर यह है कि विज्ञान और हमारी पुरानी परंपराओं में ऐसे कई तरीके हैं, जिनसे हम अपने घर का तापमान 5°C से 8°C तक कम कर सकते हैं।

1. खिड़कियों का 'Time Management' :- सबसे बड़ी गलती जो हम करते हैं, वो है दोपहर में खिड़कियां खुली रखना।

सूरज ढलने के बाद: शाम 7 बजे के बाद खिड़कियां खोलें ताकि ठंडी हवा अंदर आए।

सूरज उगने से पहले: सुबह 9 बजते ही खिड़कियां और पर्दे बंद कर दें। इससे बाहर की गर्म 'लू' अंदर नहीं आएगी।

2. गीली चादर का 'देसी AC' :- यह सबसे पुराना और असरदार तरीका है। अपनी खिड़की पर एक मोटी सूती चादर या पर्दा लटकाएं और उसे पानी से गीला कर दें। जब बाहर की हवा इस गीली चादर से होकर अंदर आएगी, तो वह वाष्पीकरण के कारण ठंडी हो जाएगी। यह बिल्कुल एक नेचुरल एयर कूलर की तरह काम करता है।

ALSO READ: 'सुपर एल नीनो' की वापसी, क्या 2026 में भारत झेलेगा 140 साल का सबसे बड़ा सूखा, महंगाई और जानलेवा गर्मी?

3. छत पर 'सफेद चूना' (Lime Wash) :- अगर आप टॉप फ्लोर पर रहते हैं, तो छत की गर्मी जान निकाल लेती है। इसका सबसे सस्ता इलाज है सफेद चूना। बाजार से चूना (थ्स) लाएं और उसमें थोड़ा फेविकोल मिलाकर छत पर पेंट कर दें। सफेद रंग सूरज की किरणों को रिफ्लेक्ट (Reflect) कर देता है, जिससे छत तपती नहीं है और नीचे वाला कमरा ठंडा रहता है।

4. क्रॉस वेंटिलेशन (Cross Ventilation) :- हवा को आने और जाने का रास्ता दें। अगर आप एक खिड़की खोलते हैं, तो उसके सामने वाला दरवाजा या दूसरी खिड़की भी खोलें। इससे हवा कमरे में फंसी नहीं रहेगी और गर्मी बाहर निकलती रहेगी।

5. बाल्टी और पंखा (Ice-Fan Hack) :- अगर आपके पास टेबल फैन है, तो उसके ठीक सामने एक चौड़े मुंह के बर्तन या बाल्टी में ठंडा पानी या बर्फ रखें। पंखे की हवा जब पानी की सतह से टकराकर आएगी, तो वह काफी ठंडी महसूस होगी।

6. पौधों की 'ठंडी दीवार' :- खिड़की के पास घने पत्ते वाले पौधे जैसे Money Plant, Snake Plant या Areca Palm रखें। पौधे न सिर्फ छाया देते हैं, बल्कि वे वातावरण की नमी भी बढ़ाते हैं, जिससे कमरा नैचुरली ठंडा रहता है।

क्रॉस-ब्रीज तकनीकं :- रात के समय, पंखे को खिड़की की तरफ मुंह करके चलाएं ताकि वह घर के अंदर की गर्म हवा को बाहर फेंक सके। इसे 'Exhaust' की तरह इस्तेमाल करने से घर जल्दी ठंडा होता है।

ALSO READ: तपती गर्मी से राहत देगा आम का पन्ना, नोट करें विधि

7. कम से कम बिजली के उपकरणं :- बल्ब, ट्यूबलाइट, कंप्यूटर और टीवी भी गर्मी पैदा करते हैं। दिन के समय जरूरत न होने पर इन्हें बंद रखें। खासकर पुराने पीले बल्बों को हटाकर LED लगाएं, जो बिल्कुल गर्म नहीं होते।

प्रचंड गर्मी में घर से बाहर निकलने से पहले कर लें ये काम, नहीं पड़ेंगे बीमार और धूप और लू का नहीं होगा असर

इस बार की गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है. जून के महीने में तापमान हर रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है. ताप और उमस के साथ ही लू लगने का खतरा भी बढ़ गया है. तापमान में वृद्धि के साथ ही लू की समस्याएं आम हो जाती हैं, जो कभी-कभी जानलेवा भी हो सकती हैं. ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि इस प्रचंड गर्मी में घर से बाहर निकलने से पहले किन-किन बातों का ध्यान रखा जाए. अगर बढ़ते तापमान और चिलचिलाती धूप में इन बातों का ध्यान रखा जाए तो आप खुद को स्वस्थ रख सकते हैं...

गर्मियों में घर से निकलने से पहले करें ये काम

1. पर्याप्त पानी पिएं :- डॉक्टरों का कहना है कि गर्मियों में हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी है. दिन के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं. इसके अलावा, नारियल पानी, नींबू पानी, और ओआरएस का सेवन भी लाभदायक होता है. यह शरीर [illegible] इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखता है और लू से बचाव करता है.

2. हल्के और ढीले कपड़े पहनें :- विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि गर्मियों में हल्के रंग और सूती कपड़े पहनें. ये कपड़े पसीने को सोखने में मदद करते हैं और शरीर को ठंडा रखते हैं. इससे लू लगने का खतरा कम होता है और शरीर का तापमान बढ़ने से भी ये बचाता है।

3. धूप में बाहर जाने से बचें :- गर्मी के दौरान सुबह से ही सूर्य अपना रंग दिखाना शुरू कर दे रहे हैं. ऐसे में 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच धूप में बाहर निकलने से बचें. इस समय तापमान सबसे ज्यादा होता है और लू लगने का खतरा बढ़ जाता है।

4. सिर और चेहरे को ढकें :- बाहर निकलते समय सिर पर टोपी, स्कार्फ या छाता का उपयोग करें. इससे सीधे धूप से बचाव होता है और लू लगने की संभावना कम होती है.

5. सनस्क्रीन का प्रयोग करें :- त्वचा को धूप से सुरक्षित रखने के लिए सनस्क्रीन का उपयोग जरूर कर सकते हैं. यह सूर्य की हानिकारक किरणों से आपके त्वचा का बचाव करता है. स्किन की समस्याओं से बचने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूरी है।

6. हल्का भोजन करें :- गर्मी में तली-भुनी और भारी चीजों से बचें. ताजे फल, सब्जियां, और सलाद का सेवन ज्यादा करें जो शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं और हाइड्रेटेड रखते हैं।

7. ठंडी जगह पर रहें :- जब भी संभव हो, एयर कंडीशनर या कूलर वाले कमरे में रहें. अगर एसी नहीं है, तो छत पर पानी डालें या कूलर का उपयोग करें.

8. नियमित ब्रेक लें :- यदि आपको बाहर काम करना पड़ता है तो बीच-बीच में छांव में जाकर ब्रेक लें और पानी पिएं. इससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है।

9. इमरजेंसी किट तैयार रखें :- अपने इमरजेंसी किट में पानी की बोतल, ग्लूकोज, और ओआरएस पाउडर रखें ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल किया जा सके।

लू के लक्षणों को पहचानें :- लू के सामान्य लक्षणों में कमजोरी, चक्कर आना, अत्यधिक पसीना आना, मितली, उल्टी और बेहोशी शामिल हैं. ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत ठंडी जगह पर जाएं और पानी पिएं. अगर स्थिति गंभीर हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें. गर्मी और लू से बचने के इन महत्वपूर्ण सुझावों को अपनाकर आप अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं. स्वस्थ रहें और सुरक्षित रहें।

बॉर्डर क्षेत्रों में अवैध शराब व मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाएं सघन अभियान : डीएम

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

15 जुलाई। जिला पदाधिकारी नवीन कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को मद्य निषेध एवं नार्को कोऑर्डिनेशन (एनसीओआरडी) से संबंधित विभागों के पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चल रहे अभियानों की समीक्षा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध सघन अभियान चलाने तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से किशनगंज के सीमावर्ती क्षेत्रों में तस्करी और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सतर्कता बढ़ाने को कहा।

बैठक में डीएम ने अधीक्षक, मद्य निषेध, किशनगंज को सीमावर्ती क्षेत्रों के सभी पंचायतों को चिन्हित कर नशा मुक्ति से संबंधित सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में सामाजिक सुधार एवं जनसहभागिता के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाए जाएं तथा खेलकूद और अन्य सकारात्मक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि नशा प्रभावित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर सामाजिक सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा सके। बैठक में अधीक्षक, मद्य निषेध, सिविल सर्जन, राज्य कर संयुक्त आयुक्त, कस्टम अधीक्षक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, बीएसएफ कमांडेंट, जिला कृषि पदाधिकारी, औषधि निरीक्षक सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पटना के गौरीचक में टीवीएस शोरूम पर बदमाशों का तांडव

मालिक और कर्मचारियों को बनाया निशाना

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के गौरीचक थाना क्षेत्र के बेलदारी चक स्थित एक टीवीएस शोरूम में मंगलवार रात अपराधियों ने जमकर उत्पात मचाया। लगभग 10 से 15 की संख्या में पहुंचे हथियारबंद बदमाशों ने शोरूम के भीतर घुसकर संचालक और कर्मचारियों के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। शोरूम संचालक आलोक कुमार के अनुसार, रात के समय वे अपने कर्मचारियों के साथ शोरूम में मौजूद थे। तभी अचानक बड़ी संख्या में युवक शोरूम के अंदर घुस आए और बिना किसी पूर्व विवाद या बातचीत के हमला शुरू कर दिया। अपराधियों ने कर्मचारियों के साथ न केवल धक्का-मुक्की की, बल्कि लाठी-डंडों से मारपीट भी की। अचानक हुए इस हमले से शोरूम में अफरा-तफरी मच गई और वहां मौजूद लोगों ने अपनी जान बचाकर इधर-उधर भागकर शरण ली। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए, लेकिन भागने की जल्दबाजी में वे अपनी एक मोटरसाइकिल वहीं छोड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और आक्रोश में आकर अपराधियों द्वारा छोड़ी गई मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना मिलते ही गौरीचक थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। थाना अध्यक्ष सुमन कुमार के निर्देश पर पुलिस पदाधिकारी प्रतीक्षा कुमारी ने पुलिस बल के साथ मौका-ए-वारदात का निरीक्षण किया। पुलिस ने शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया है, जिसमें पूरी वारदात कैद हो गई है। इसके अलावा, मौके से मिली मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि शोरूम संचालक आलोक कुमार की लिखित शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और जब्त मोटरसाइकिल के जरिए आरोपियों की पहचान कर रही है। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि हमले के पीछे पुरानी रंजिश थी या लूटपाट की कोई साजिश। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच प्रक्रिया तेज कर दी गई है और जल्द ही सभी दोषियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पटना के बिहटा में पूर्व मुखिया संजय यादव की संदिग्ध मौत पर गरमाई राजनीति

मंत्री रामकृपाल यादव ने लिया परिजनों का हाल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा स्थित राघोपुर पंचायत के पूर्व मुखिया संजय कुमार यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। घटना के बाद से ही क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। इसी कड़ी में बुधवार को बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव राघोपुर स्थित दिवंगत मुखिया के पैतृक आवास पहुंचे। मंत्री ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की और उन्हें हर संभव न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। परिजनों को ढांढस बंधाते हुए मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि सरकार इस पूरे मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि इस मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच की जाए। उन्होंने कहा, "मैंने वरीय पुलिस अधिकारियों से बात की है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, चाहे वह कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।" गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को राघोपुर गांव के बधार में एक बोरिंग के पास पूर्व मुखिया का शव संदिग्ध अवस्था में मिला था। इस मामले में मृतक के पुत्र सोनल कुमार के बयान पर छह लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिलहाल, पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। उधर, न्याय की मांग को लेकर ग्रामीणों और समर्थकों में भारी आक्रोश है। परिजनों ने चेतावनी दी है कि जब तक सभी दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक उनकी न्याय की लड़ाई जारी रहेगी। इसी क्रम में ग्रामीणों ने 16 जुलाई को कैंडल मार्च निकालने का निर्णय लिया है। मंत्री ने परिजनों से धैर्य रखने की अपील की और दोहराया कि प्रशासन जांच के निष्कर्षों के आधार पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि चंद्रमा यादव, मुखिया सुभाष यादव, वार्ड पार्षद मुन्ना यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

नवीनगर: सूर्यपुरा गांव में महिला ने लगाई फांसी, मायके वालों ने दहेज को लेकर लगाए आरोप

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नवीनगर प्रखंड के टंडवा थाना क्षेत्र में एक महिला ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला टंडवा थाना क्षेत्र के रामनगर गांव के सूर्यपुरा टोला की है।मृतका रामस्वरूप चौहान के पुत्र अमर चौहान उर्फ बिट्टू की पत्नी नीलम देवी है।जानकारी के अनुसार मृतका नीलम देवी ने कमरे के अंदर से दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली।मृतका का एक पुत्र है जिसकी उम्र लगभग ढाई साल है।लोगो की सूचना पर पुलिस पहुंची लेकिन अंदर से दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से लोहे के दरवाजे को कटर से कटवाकर शव को बाहर निकाला।शव पंखे से लटका हुआ मिला ।मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज को लेकर प्रताड़ित करने और पति द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दहेज की मांग और घरेलू विवाद के कारण उनकी बेटी ने यह कदम उठाया। सूचना पर पहुंची टंडवा थाना पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया। टंडवा थानाध्यक्ष ने बताया कि मायके वालों के आवेदन के मिलने पर करवाई की जायेगी। मामले में पुलिस जांच में जुटी है।

पटना में साइबर अपराधियों ने निवेश के नाम पर 35.90 लाख ठगे

बिना कार्ड-UPI के खाते से उड़े 3.52 लाख

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना में साइबर अपराधियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामलों में अपराधियों ने एक व्यक्ति को निवेश का झांसा देकर लाखों की चपत लगा दी, वहीं दूसरे मामले में सुरक्षा मानकों को धता बताते हुए एक व्यक्ति के बैंक खाते से बिना डेबिट कार्ड या यूपीआई के ही पैसे उड़ा लिए। दोनों ही मामलों में पीड़ितों ने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बेऊर निवासी प्रभात सिंह साइबर ठगी का शिकार हुए हैं। शिकायत के अनुसार, रामस्वरूप शर्मा नामक व्यक्ति ने उन्हें फोन कर एक लुभावनी योजना के जाल में फंसाया। आरोपी ने प्रभात को झांसा दिया कि यदि वे 40 लाख रुपये निवेश करते हैं, तो छह माह के भीतर उन्हें 90 लाख रुपये वापस मिलेंगे। मुनाफे के लालच में आकर पीड़ित ने अपने और अपने पिता के बैंक खातों से अलग-अलग चार बार में कुल 35.90 लाख रुपये बताए गए खातों में ट्रांसफर कर दिए। तय समय बीतने के बाद भी न तो निवेश की राशि दोगुनी हुई और न ही मूल धन वापस मिला। जब प्रभात ने फोन करने वाले से संपर्क करने की कोशिश की, तो आरोपी ने अपना नंबर बंद कर लिया और सभी संपर्क सूत्र समाप्त कर दिए। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। वही दूसरी घटना बिहटा की है, जहाँ शशिभूषण सिंह के बैंक खाते से साइबर बदमाशों ने 3.52 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वे डिजिटल लेनदेन का इस्तेमाल नहीं करते। उनके पास न तो कोई डेबिट कार्ड है और न ही उन्होंने कोई यूपीआई (UPI) सक्रिय कर रखा है। इसके बावजूद खाते से पैसे निकल जाने से वे हैरान हैं। यह मामला बैंकिंग सुरक्षा प्रणाली में सेंधमारी की ओर इशारा कर रहा है।साइबर पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है

कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर निवेश न करें और न ही फोन पर बैंक खाते की जानकारी साझा करें। पुलिस दोनों मामलों में बैंक खातों के ट्रांजेक्शन डिटेल और आईपी एड्रेस के जरिए आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

पटना के पालीगंज में गृहकलह से तंग आकर महिला ने दी जान

पंखे से लटककर की आत्महत्या

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज के बाबा बोरिंग रोड स्थित एक मकान में बुधवार को पारिवारिक कलह के चलते एक महिला ने आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 34 वर्षीय सुनीता साह के रूप में हुई है, जो अपने पति दीपक कुमार के साथ रहती थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी झगड़े के बाद सुनीता ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और पंखे से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी तब हुई जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला और परिजनों ने खिड़की से अंदर देखा। आनन-फानन में इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पंखे से नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घर में मातम का माहौल है। मृतका अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गई है, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। आस-पास के लोगों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर किसी न किसी बात को लेकर अनबन रहती थी,

लेकिन मामला इतना गंभीर हो जाएगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पति व परिजनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पटना के होटल में दबिश देकर दो नाबालिग बहनों को पुलिस ने किया बरामद

एक प्रेमी गिरफ्तार, संचालक पर भी केस

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी में होटलों और लॉज में चल रही संदिग्ध गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में जक्कनपुर थाना पुलिस ने मीठापुर स्थित 'नंद विहार होटल' में छापेमारी कर घर से भागीं दो नाबालिग बहनों को बरामद किया है। इस मामले में एक प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि उसका साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। मिली जानकारी के अनुसार, बरामद दोनों नाबालिग बहनें नालंदा जिले के नगरनौसा की रहने वाली हैं। वे अपने इलाके के दो युवकों के साथ घर से भागकर पटना पहुंची थीं और मीठापुर के उक्त होटल में ठहरी हुई थीं। पुलिस की छापेमारी के दौरान एक युवती का प्रेमी ऋतिक कुमार तो हत्थे चढ़ गया, लेकिन दूसरा युवक भागने में कामयाब रहा।

पीड़ित बहनों के परिजनों की शिकायत पर ऋतिक और उसके फरार साथी के खिलाफ नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। जक्कनपुर थानाध्यक्ष रितुराज ने बताया कि गिरफ्तार ऋतिक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में पुलिस ने होटल संचालक के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाया है। नियमों को ताक पर रखकर बिना वैध सत्यापन के नाबालिगों को कमरा उपलब्ध कराने के आरोप में होटल प्रबंधन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। परिजनों ने भी होटल प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। इधर, बुधवार देर रात सिटी एसपी (मध्य) ममता कल्याणी ने कोतवाली क्षेत्र के विभिन्न होटलों में औचक छापेमारी की। उन्होंने होटल के सीसीटीवी फुटेज, आगंतुक रजिस्टर और कमरों की गहन जांच की। साथ ही, सड़कों पर तैनात गश्ती दलों की सक्रियता को भी परखा। सिटी एसपी ने होटल संचालकों को सख्त हिदायत दी है कि बिना उचित दस्तावेज और पहचान पत्र के सत्यापन के किसी को भी कमरा न दिया जाए। लापरवाही बरतने वाले होटल संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

इस घटना के बाद पटना के होटल संचालकों में हड़कंप मच गया है।

पटना में साइबर ठगों का आतंक से परेशान है लोग

सरकारी योजना का लालच देकर एक लाख व मोबाइल हैक कर 1.20 लाख उड़ाए

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी में साइबर अपराधियों का दुस्साहस थमने का नाम नहीं ले रहा है। सरकारी योजनाओं का झांसा देने से लेकर मोबाइल हैकिंग तक, अपराधी आए दिन नए-नए हथकंडे अपनाकर लोगों की गाढ़ी कमाई पर डाका डाल रहे हैं। हालिया मामलों में साइबर बदमाशों ने मुजफ्फरपुर के एक किसान और पटना के एक युवक को अपना शिकार बनाया है। पीड़ितों ने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पहली घटना में मुजफ्फरपुर के गायघाट निवासी राजीव कुमार ठगी का शिकार हुए। साइबर बदमाशों ने उन्हें फोन कर खुद को प्रधानमंत्री किसान निधि योजना कार्यालय का अधिकारी बताया। शातिर ठगों ने राजीव को विश्वास दिलाया कि उनके नाम से योजना के तहत आठ हजार रुपये आए हैं, जिसे प्राप्त करने के लिए केवाईसी (KYC) अपडेट करना अनिवार्य है।

केवाईसी के नाम पर बदमाशों ने पीड़ित से फोन-पे (PhonePe) खुलवाया और उनसे एक गुप्त कोड डलवाया। कोड दर्ज करते ही राजीव के खाते से एक लाख रुपये की निकासी हो गई। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। दूसरी घटना पटना के आलमगंज इलाके की है। यहाँ रहने वाले साज आलम के मोबाइल को साइबर अपराधियों ने हैक कर लिया। बदमाशों ने बड़ी चतुराई से तीन बार में उनके बैंक खाते से कुल 1.20 लाख रुपये निकाल लिए।

दोनों ही मामलों में पुलिस तकनीकी जांच में जुटी है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और न ही फोन पर आए किसी भी अनजान कोड को साझा करें। पुलिस खातों में गई रकम का ट्रेल खंगाल रही है ताकि अपराधियों तक पहुँचा जा सके।

पटना के बिहटा स्थित NSMCH को बड़ी उपलब्धि

एमबीबीएस की 250 सीटों को मिली NMC की मंजूरी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बिहार के लिए एक गौरवपूर्ण खबर सामने आई है। बिहटा स्थित नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (NSMCH) को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC), नई दिल्ली से बड़ी सौगात मिली है। आयोग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संस्थान में एमबीबीएस की सीटों की संख्या 150 से बढ़ाकर 250 करने की आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। सीटों में इस भारी बढ़ोतरी के बाद NSMCH अब बिहार के प्रमुख निजी मेडिकल कॉलेजों की श्रेणी में और अधिक मजबूती के साथ उभरकर सामने आया है। कॉलेज प्रबंधन ने इसे संस्थान की अत्याधुनिक आधारभूत संरचना, आधुनिक प्रयोगशालाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रति निरंतर किए गए प्रयासों का परिणाम बताया है। संस्थान के चेयरमैन एम.एम. सिंह ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, "यह सिर्फ कॉलेज के लिए नहीं, बल्कि बिहटा, पटना और संपूर्ण बिहार के लिए गर्व का विषय है। अब हमारे राज्य के अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एमबीबीएस करने के लिए दूसरे राज्यों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा, उन्हें अपने ही प्रदेश में विश्वस्तरीय शिक्षा के अवसर मिलेंगे।" प्रबंध निदेशक कृष्ण मुरारी ने संस्थान के विजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका लक्ष्य केवल सीटों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान स्थापित करना है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि NSMCH आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं में नए मानक तय करेगा। वहीं, कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) हरिहर दीक्षित ने कहा कि संस्थान NMC के सभी कड़े मानकों पर खरा उतरा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय

कॉलेज के अनुभवी शिक्षकों, समर्पित चिकि त्सकों और पूरे स्टाफ को दिया है। सीटों की संख्या बढ़ने से बिहटा क्षेत्र के साथ-साथ पूरे बिहार में चिकित्सा शिक्षा के प्रति एक नया उत्साह है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में यह संस्थान न केवल अधिक योग्य डॉक्टर तैयार करेगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

पटना के नेउरा में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को किया गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के नेउरा थाना क्षेत्र से एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के बाद से इलाके में आक्रोश है। वहीं, पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपी को चंद घंटों के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 वर्षीय एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही नेउरा थाना पुलिस हरकत में आई और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्यों और तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भोजपुर जिले के चरपोखरी थाना अंतर्गत बलिगांव निवासी सनेज कुमार उर्फ मलूक के रूप में हुई है। आरोपी वर्तमान में पटना के खजपुरा इलाके में पिलर संख्या-24 के समीप रह रहा था। नेउरा थानाध्यक्ष जगदीप राणा ने बताया कि पीड़ित छात्रा की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने आगे कहा, "मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया में जुटी है। निष्पक्ष और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए पीड़िता और आरोपी दोनों की मेडिकल जांच कराई जा रही है।" पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट और वैज्ञानिक साक्ष्यों को ही इस केस का मुख्य आधार बनाया जाएगा, जिसके आधार पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। पुलिस ने विश्वास दिलाया है कि मामले में स्पीडी ट्रायल के जरिए आरोपी को

कड़ी सजा दिलाने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। इस घटना के बाद से आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा और सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।

पटना सिटी के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दो युवकों ने की आत्महत्या

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ सिटी के आलमगंज और दीदारगंज थाना क्षेत्रों में बुधवार को आत्महत्या की दो दुखद घटनाओं से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। दोनों ही मामलों में युवकों ने फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एनएमसी (NMC) भेज दिया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। आलमगंज थाना क्षेत्र के बाग भूप सिंह लेन में किराये पर रहने वाले 40 वर्षीय सूरज कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह पेशे से प्रिंटिंग प्रेस कर्मी था। बताया जा रहा है कि घटना के समय उसकी पत्नी मायके गई हुई थी और सूरज घर में अकेला था। आत्महत्या का खुलासा तब हुआ जब उसके कमरे से दुर्गंध आने लगी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा कि शव पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ था।

अपर थानाध्यक्ष गुंजन कुमार ने बताया कि शव की स्थिति को देखकर यह आशंका जताई जा रही है कि घटना करीब दो दिन पहले हुई होगी। पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। वहीं, दूसरी घटना दीदारगंज थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव की है, जहाँ 36 वर्षीय अमित यादव ने अपने कमरे में फंदे से झूलकर जान दे दी। मृतक महेंद्र राय का पुत्र था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि अभी तक आत्महत्या की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, हालांकि प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (FSL) की टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल, पुलिस ने दोनों ही मामलों में एफएसएल की मदद ली है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस पूरे मामले में कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पटना के पालीगंज व्यवहार न्यायालय में थानों का पुनर्वितरण

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज व्यवहार न्यायालय के नए भवन में न्यायिक कार्यों को और अधिक सुचारु एवं तीव्र बनाने के उद्देश्य से पटना के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत पालीगंज अनुमंडल के विभिन्न थानों के न्यायिक मामलों की सुनवाई के लिए नए सिरे से थानों का पुनर्वितरण किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, अब मामलों का निपटारा अउखट-1 की अदालत में सिविल जज (सीनियर डिवीजन)-कम-सह-एसीजेएम-1 रवि पांडे को बिक्रम, पालीगंज, खिरीमोड़, पिपरपुरा और इमामगंज टॉप थानों से संबंधित सभी मामलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि न्यायिक दंडाधिकारी (कोर्ट संख्या-1):** न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी नदीम अहमद को दुल्हिन बाजार, रानी तालाब एवं सिगोरी थाना क्षेत्र के मामलों का दायित्व दिया गया है। प्रशासन ने दानापुर व्यवहार न्यायालय को यह निर्देश दिया है कि उक्त थानों से संबंधित सभी लंबित एफआईआर, चार्जशीट और अन्य महत्वपूर्ण न्यायिक अभिलेखों को 15 दिनों के भीतर नव आवंटित न्यायालयों में हस्तांतरित कर दिया जाए। साथ ही, सभी आवश्यक रजिस्टरों को भी संबंधित न्यायिक अधिकारियों को उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है। वही अधिवक्ताओं ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि नए भवन में सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली से वादों के निष्पादन में तेजी आएगी और आम लोगों को न्याय मिलने में सुगमता होगी। यह आदेश 14 जुलाई 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। इस पुनर्वितरण से लंबित मामलों के समयबद्ध निपटारे की उम्मीद जगी है।